100
प्रमुखस्वामी महाराज
शताब्दी महोत्सव

वर्ष : 3 अंक : 263 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

रविवार, 22 मई 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

चीन के खिलाफ भारतीय सैनिकों ने क्या किया, यह जान लेंगे तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा : राजनाथ

पुणे, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पुणे में भाजपा के एक कार्यक्रम में कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में चीन के साथ सीमा विवाद पर भी कुछ बातें कहीं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा सीमा पर भारत-चीन के बीच तनाव के मुद्दे पर ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन हमारी सेना ने जिस तरह का साहस दिखाया था और करिश्माई काम किया था मैं केवल इतना कहूंगा कि अगर पूरी जानकारी सार्वजनिक कर दी जाए, तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल जाएगा।

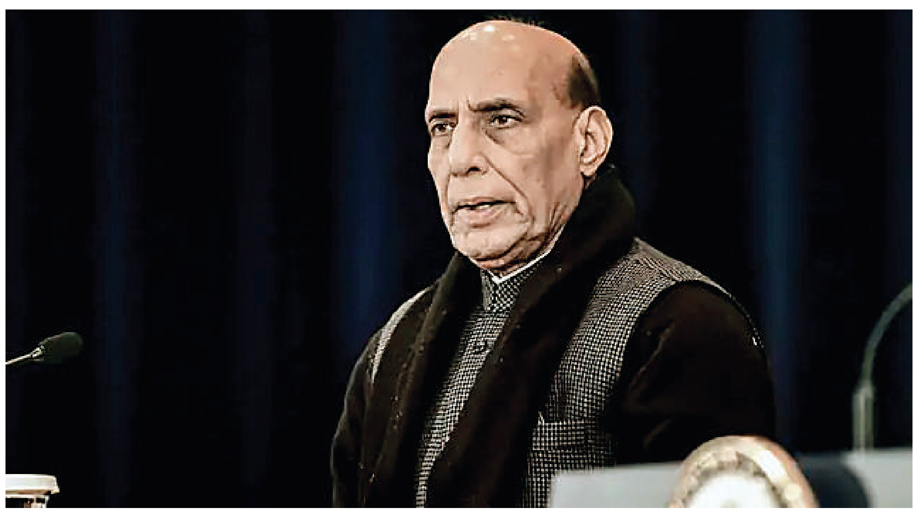

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर देश नहीं रहा है। अगर भारत को किसी ने छेड़ने की कोशिश की, तो यह छोड़ेगा नहीं। उन्होंने कहा दुनिया की कोई ताकत भारत की ओर आंख उठाकर नहीं देख सकती है। क्योंकि अब हम कमजोर नहीं रहे, बल्कि दुनिया का ताकतवर देश बन चुके हैं। हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन कोई हमें छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे भी नहीं।

रक्षामंत्री ने कहा कि बीते 8 सालों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का रुतबा बढ़ा है। देश सैन्य उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर अपनी निर्भरता को समाप्त करने का भी प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा भारत का कद, देश की प्रतिष्ठा बीते 8 वर्षों में बहुत बढ़ गई है। इससे पहले जब भी भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता था, कोई भी इसे गंभीरता से नहीं लेता था। आज जब भारत किसी भी वैश्विक मंच पर बोलता है, तो पूरी दुनिया सुनती है।

भारत में कुछ भी नहीं बनता था। हथियार व रक्षा उपकरण सिर्फ बाहर से मंगाए जाते थे। टैंक, रॉकेट, मिसाइल और गोला-बारूद सभी आयात किए जाते थे। मैंने 309 वस्तुओं की सूची बनाई है। ये वस्तुएं एक निश्चित तिथि के बाद बाहर से नहीं खरीदी जाएंगी। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हमारा देश सबसे बड़ा आयातक माना जाता था, अब रक्षा के क्षेत्र में निर्यात करने वाले शीर्ष 25 देशों में शामिल है।

भाजपा कार्यकताओं से राजनाथ सिंह ने कहा आपको यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि आप किस पार्टी के सदस्य हैं। भाजपा देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। जिस विचारधारा को लेकर हमने अपनी यात्रा शुरू की, उससे पता चलता है कि हम सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर शासन किया, दूसरों ने भी किया, लेकिन आजादी के इतने सालों बाद भी लोगों को बुनियादी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, यह दुख की बात है। यह कहना ठीक नहीं होगा कि हमने सभी समस्याओं को सुलझा लिया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का काम अब धरातल पर दिखाई देने लगा है।

मोदी सरकार ने देश में केरोसीन छिड़क दिया, एक चिंगारी से आग लग सकती : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी पर देश में नफरत फैलाने का आरोप लगाया है। राहुल ने कहा कि बीजेपी ने पूरे देश में केरोसीन छिड़क दिया है, एक चिंगारी से आग भड़क सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि देश में हालात ठीक नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी किसी की नहीं सुनते हैं। देश में लोगों की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। राहुल गांधी ने चीन मुद्दे पर भी मोदी सरकार को निशाने पर लेकर कहा कि चीनी सेना लद्दाख में घुस चुकी है। राहुल गांधी ने एलएसी विवाद के रूस-यूक्रेन युद्ध से भी जोड़ दिया।

राहुल ने दावा किया कि रूस जो यूक्रेन में कर रहा है, कुछ वैसी ही स्थिति चीन ने लद्दाख में पैदा की है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार इस बारे में बात तक नहीं करना चाहती। राहुल गांधी के अनुसार, ह्यचीन की सेनाएं लद्दाख और डोकलाम दोनों जगह हैं। चीन की तरफ से कहा जा रहा है, इन इलाकों से भारत का संबंध है, लेकिन हम नहीं मानते कि यह भूभाग आपका है। इस दौरान राहुल गांधी ने परोक्ष रूप से फिर देश में चुनिंदा बिजनेस ग्रुप के आधिपत्य पर भी निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे लगता है कि एक कंपनी के लिए सभी हवाई अड्डों, सभी बंदरगाहों, सभी बुनियादी ढांचे को नियंत्रित करना बहुत खतरनाक है। यह (निजी क्षेत्र का एकाधिकार) इस रूप में कभी अस्तित्व में नहीं रहा। कांग्रेस नेता ने कहा कि सत्ता और पूंजी के इतने बड़े केंद्रीकरण के साथ इसका अस्तित्व कभी नहीं रहा।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन में जो हो रहा है कुछ वैसी ही स्थिति लद्दाख में

राहुल गांधी ने दावा किया कि रूस जो यूक्रेन में कर रहा है, कुछ वैसी ही स्थिति चीन ने लद्दाख में पैदा की है, लेकिन मोदी सरकार इस बारे में बात तक नहीं करना चाहती। राहुल गांधी ने कहा, रूसी यूक्रेन से कहते हैं कि हम आपकी क्षेत्रीय अखंडता को नहीं स्वीकारते हैं, हम यह मानने से इनकार करते हैं, कि दो जिले तुम्हारे हैं..हम उन दो जिलों में हमले करने जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित कर सकें कि तुम उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से गठजोड़ तोड़ दो। गांधी ने कहा, पुतिन यही कर रहे हैं। पुतिन कह रहे हैं कि मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं कि तुम अमेरिका के साथ गठजोड़ करो... मैं तुम पर हमला करूंगा। कांग्रेस नेता ने दावा किया, यूक्रेन में जो हो रहा है और लद्दाख में जो हो रहा है, उनकी तुलना करिए। कृपया आप देखिए, दोनों जगह समान स्थिति है। गांधी के अनुसार, चीनी सेनाए लद्दाख और डोकलाम दोनों जगह हैं। चीन कह रहा है इन इलाकों से आपका (भारत) संबंध है लेकिन हम (चीन) नहीं मानते कि यह भूभाग आपका है। उन्होंने कहा मेरी समस्या यह है कि वह (भारत सरकार) इस पर कोई बात नहीं करना चाहती। उन्होंने सीमा पर चीन की आक्रमकता और पैगोंग झील पर चीन द्वारा दूसरा पुल बनाने संबंधी खबरों का हवाला देकर दावा कि मोदी सरकार इस बारे में बात भी नहीं करती।

सीएनजी एक बार फिर 2 रुपये प्रति किलो महंगी 6 दिन में दूसरी बार हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को एक बार और तगड़ा झटका मिला है। सीएनजी की कीमतें फिर से बढ़ा दी गई है। इंद्रप्रस्थ गैस ने दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में 75.61 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के लिए सीएनजी की कीमत 78.17 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी गई है। वहीं, गुरुग्राम में अब इसकी कीमत 83.94 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के मुताबिक आज सुबह छह बजे से दिल्ली-एनसीआर समेत शहरों के सीएनजी रेट में बदलाव किया गया है। वहीं, मुजफ्फरनगर, मेरठ और शामली में सीएनजी गैस की कीमत 82.84 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। रेवाड़ी में सीएनजी गैस की कीमत बढ़कर 86.07 रुपये प्रति किलोग्राम पर जा पहुंची है। आपको बता दें कि इससे पहले 15 मई को सीएनजी के दाम बढ़ाए गए थे। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में नेचुरल गैस की कीमतें आसमान पर है। ऐसे में घेरलू स्तर पर दाम और ज्यादा बढ़ सकते हैं। निकट भविष्य में गैस की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। पेट्रोल-डीजल के रेट भी जस के तस हैं। आज लगातार 44 वां दिन है जब पेट्रोल और डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी लोगों को पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से फिलहाल बड़ी राहत है। दूसरी तरफ एलपीजी गैस सिलेंडर समेत जरूरी चीजों के दाम आसमान पर है।

रूस जल्द करेगा भारत को केए-31 हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रूसी हथियार निर्यातक रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के सीईओ अलेक्जेंडर मिखेयेव ने 20 मई को को हेलीरूस-2022 हेलीकॉप्टर शो में बताया है कि रूस कामोव केए-31 डेक-आधारित रडार पिकेट हेलीकॉप्टर्स की डिलीवरी पर भारत के साथ काम करना जारी रखा हुआ है। रूसी सरकारी कामोव केए-31 को लेकर भारत के साथ काम जारी है। केए-31 का कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है और यह दुनिया का एकमात्र डेक-आधारित रडार निगरानी हेलीकॉप्टर है। यह हवा और समुद्र की स्थिति को नियंत्रित करने और आर्थिक क्षेत्रों और जल क्षेत्रों की निगरानी के कार्यों का पूरी तरह से मुकाबला करता है। इससे पहले 17 मई को एक रक्षा मैगजीन ने भारतीय रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया था कि भारत ने 10 केए-31 हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी पर रूस के साथ बातचीत स्थगित कर दी है।

इस रिपोर्ट में कहा गया था कि यूक्रेन युद्ध और डिलीवरी पर अनिश्चितता के कारण भी यह फैसला लिया गया था। बता दें कि भारत और रूस ने मई 2019 में केए-31 हेलीकॉप्टर को लेकर एक समझौता किया था। इसके तहत भारत रूस से 10 केए-31 हेलीकॉप्टर खरीदने वाला था। टास की रिपोर्ट बताती है कि कोरोनो वायरस महामारी के कारण बातचीत बाधित हुई थी जो कि फरवरी 2022 में फिर से शुरू हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक हेलीकॉप्टरों के एक बैच की कीमत 520 मिलियन डॉलर होगी। बता दें कि भारतीय नौसेना मौजूदा वक्त में 2003-2015 में रूस से खरीदे गए 14 केए-31 हेलीकॉप्टरों का संचालन करती है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर से कन्याकुमारी तक 6 महीने में 3500 किलोमीटर की पदयात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी 3500 किलोमीटर की लंबी 'भारत जोड़ो यात्रा' की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस यात्रा को पांच-छह महीने में पूरा करने की योजना है। कांग्रेस ने उदयपुर में हाल ही में हुए शिविर में इस यात्रा की घोषणा की थी। कांग्रेस की यह 'भारत जोड़ो यात्रा' आजादी के बाद से पार्टी की पहली अखिल भारतीय मार्च है जिसके लिए कई मसलों पर विस्तार से बातचीत की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 अक्टूबर से इस यात्रा की शुरूआत की जा सकती है। कांग्रेस नेताओं के हवाले से बताया है कि एक महासचिव का प्रस्ताव हर दिन 10 किलोमीटर पैदल तय करने का था। सीनियर नेताओं में से एक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि राहुल गांधी ने महसूस किया कि एक दिन के हिसाब से यह बहुत कम दूरी है और उन्होंने हर दिन 35 किलोमीटर दूरी तय करने की बात कही है। योजना में शामिल एक सीनियर नेता ने बताया कि राहुल गांधी बहुत फिट हैं और वह हर दिन 35 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा प्लान हर दिन कम से कम 10-20 किलोमीटर की दूरी तय करने की है। प्रस्तावित यात्रा मार्ग तैयार किया जा रहा है लेकिन कांग्रेस की योजना अधिक से अधिक राज्यों को कवर करने की है। मार्च कन्याकुमारी से शुरू होने की बहुत संभावना है और योजना के मुताबिक हर दिन गाड़ियों से और पैदल यात्रा करते हुए कई छोटे पड़ावों को पार करना है। एक नेता ने जानकारी दी है कि मार्च कश्मीर घाटी तक पहुंचेगा लेकिन सुरक्षा कारणों से हम श्रीनगर नहीं जा सकते हैं। इस मार्च पूरी से सावर्जनिक बातचीत पर आधारित हैं और ऐसे में मौजूदा सुरक्षा हालात में यह मुश्किल होगा। उदयपुर चिंतन शिविर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा था कि हम सभी इसमें भाग लेंगे औए यह यात्रा सामाजिक समरसता के बंधनों को मजबूत करने के लिए है। उन्होंने कहा था कि यह यात्रा हमारे संविधान के मूलभूत मूल्यों को संरक्षित करने के लिए है जिनपर हमला हो रहा है।

आसमान छूती महंगाई और जनता परेशान पर सियासत के लिए सब 'ऑल इज वेल'

नई दिल्ली, एजेंसी। आसमान छूती महंगाई और जनता परेशान पर सियासत के लिए सब ह्यऑल इज वेलह्ण लग रहा है। पिछले दिनों जारी आंकड़ों में थोक महंगाई दर 15 प्रतिशत के पार चली गई। ऐसा 1998 के बाद पहली बार हुआ है। खुदरा महंगाई दर पहले से ही 8 साल के रेकॉर्ड स्तर पर है। महंगाई से जनता बेहाल है, ऐसा एक सर्वे में भी सामने आया। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में किए गए सर्वे में एक-तिहाई से ज्यादा लोगों ने बढ़ती कीमतों को प्रमुख मुद्दा बताया। इधर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की बीजेपी कार्यकताओं को सलाह है कि वे बढ़ती महंगाई पर ह्यअपराधबोध न महसूस करें।ह्ण पुणे में बीजेपी कार्यकताओं से मुखातिब होकर सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते सप्लाई चैन ठप हो गई है। महंगाई कई देशों में बढ़ी है लेकिन हमें अपराधबोध महसूस नहीं करना चाहिए।

सिंह ने पुणे में कहा कमहंगाई से अमेरिका जैसे अमीर देश भी प्रभावित हैं। राजनाथ ने कहा, ह्यबढ़ती महंगाई के बारे में बहस जारी है...कोविड-19 महामारी के दौरान समूचा देश ठहर गया था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थव्यवस्था की हालत खराब नहीं होने दी और हमें इसकी सराहना करनी चाहिए। रूस-यूक्रेन संकट के चलते वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है और आयात-निर्यात प्रभावित हुआ है। इस स्थिति में, यह स्पष्ट है कि इसका किसी भी देश पर प्रभाव पड़ेगा। आप यह जानकर हैरान होंगे कि अमेरिका, जो सबसे धनी देश है, वहां मुद्रास्फीति पिछले 40 वर्षों में अपने चरम पर है। हमें अपराधबोध नहीं महसूस करना चाहिए।'

जम्मू-कश्मीर में नवंबर-दिसंबर में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव परिसीमन आयोग की रिपोर्ट होगी चुनाव का आधार

90 विस क्षेत्रों में अगले माह से तैयार होंगी मतदाता सूचियां

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन आयोग का अंतिम आदेश क्रियान्वयन के लिए प्रभावी हो गया है। आयोग की रिपोर्ट जम्मू-कश्मीर में भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव का आधार बनेगी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। अब 90 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हो गए हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर जल्द मतदाता सूचियां बनाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बता दें कि जस्टिस (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई की अध्यक्षता में मार्च 2020 में गठित परिसीमन आयोग ने रिपोर्ट पांच मई 2022 को ही सौंपी थी। परिसीमन आयोग के आदेश के मुताबिक गठित 90 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों को तैयार करने की प्रक्रिया भी अगले एक माह के दौरान शुरू हो जाएगी। सूचियां तैयार होने के बाद चुनाव संभवतः नवंबर-दिसंबर में होंगे।

परिसीमन आयोग ने जम्मू कश्मीर में सात नई सीटों को बढ़ाने की प्रक्रिया के दौरान कई पुराने विधानसभा क्षेत्रों का स्वरूप बदलते हुए उन्हें युक्तिसंगत बनाया है। कई क्षेत्रों को उनके पहले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से अलग कर उन्हें किसी दूसरे क्षेत्र में शामिल किया गया है। प्रदेश में पांच ससंदीय निर्वाचन क्षेत्रों का स्वरूप बदला है। अब प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 18 विधानसभा क्षेत्र हैं। जम्मू और कश्मीर में दो -दो संसदीय निर्वाचन क्षेत्र बनाते हुए पांचवे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को जम्मू व कश्मीर के पुंछ, राजौरी और अनंतनाग को मिलाकर बनाया गया है।

पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के लागू होने से पहले के जम्मू कश्मीर राज्य में 87 सीटों पर चुनाव होता था जबकि 24 सीटें जो गुलाम जम्मू कश्मीर का प्रतिनिधित्व करती हैं, खाली रखी जाती रही हैं। इन पर चुनाव नहीं होता है। जम्मू कश्मीर राज्य विधानसभा की 87 सीटों में से जम्मू में 37, कश्मीर प्रांत में 46 और लद्दाख में चार सीटें थी। पुनर्गठन अधिनियम के बाद लद्दाख एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बन गया और जम्मू व कश्मीर एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बन गया।

जम्मू कश्मीर में 83 विधानसभा सीटों के अलावा 24 सीटें गुलाम जम्मू कश्मीर रह गई। पुनर्गठन अधिनियम के तहत जम्मू कश्मीर में विधानसभा के गठन से पहले विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन जरुरी है।

बेगूसराय में बेखौफ अपराधियों ने पत्रकार की गोली मारकर की हत्या

वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया ने किया इस कृत की भर्त्सना

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। बखरी परिहारा ओपी क्षेत्र के बहुआरा साखू गांव में शुक्रवार की शाम बेखौफ अपराधियों ने एक स्थानीय पत्रकार को गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी. मृतक पत्रकार की पहचान साखू गांव निवासी सुभाष कुमार के रूप में की गयी.घटना के बारे में बताया जाता है कि पत्रकार सुभाष गांव में ही अपने परिजनों के साथ भोज खाकर घर वापस लौट रहे थे.इसी बीच पत्रकार की हत्या करने के लिए पूर्व से घात लगाकर बैठे हथियारबंद दो अपराधियों ने उनके आते ही गोली चलाना शुरू कर दिया.एक गोली उसके सिर में और दूसरी गोली शरीर के दूसरे भाग में लगी.घटना में गंभीर रूप से घायल पत्रकार को स्थानीय लोग व उनके परिजनों ने इलाज के लिए बखरी पीएचसी में भर्ती कराया, जहां डयूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. सुभाष की मौत की खबर सुनते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया.

पत्रकार की निर्मम हत्या की खबर पूरे बेगूसराय जिला समेत अन्य क्षेत्रों में भी सभी पत्रकारों के बीच जंगल में आग की तरह फैल गई.सभी पत्रकारों ने इस घटना की घोर निंदा की और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को असली सुशासन बाबू की संज्ञा दी है.सभी पत्रकारों ने एक स्वर से कहा कि अपराधी बेगूसराय में बिल्कुल बेलगाम हो चुके हैं.आए दिन लगातार लोगों की हत्या करने से बाज अपराधी नहीं आ रहे हैं.जिला में अब ना कोई व्यवसायी, ना पत्रकार और ना ही आम लोग सुरक्षित हैं.इस तरह से पत्रकार की खुले आम अपराधियों के द्वारा हत्या करना, बेगूसराय पुलिस प्रशासन को सीधे कटघरे में खड़ा कर दी है.पुलिस को लगातार अपराधी जिले में खुली चुनौती देने से बाज नहीं आ रहे हैं.पुलिस अपराधियों के सामने बौना साबित हो रही है.

वहीं दूसरी ओर बेगूसराय जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रो. शालीग्राम सिंह ने कहा कि पत्रकारों की हत्या करना लोकतंत्र की हत्या है.सीएम नीतीश कुमार की सरकार सिर्फ सुशासन बाबू की सरकार अपने को बताती है, लेकिन लगातार अपराधियों के द्वारा खुलेआम हत्या का यह सिलसिला जारी है. पुलिस प्रशासन अपराधियों की गिरफ्तारी शीघ्र ही नहीं करते हैं तो जिले भर के सभी पत्रकार एकजुट होकर उग्र आंदोलन करने के लिए जिला प्रशासन के खिलाफ बाध्य होंगे. वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया के बिहार झारखंड संयोजक सरोज कुमार आचार्य ने कहा कि पत्रकारों के ऊपर हमला लोकतंत्र पर हमला है अगर जल्द ही पत्रकार के हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होगी तो वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया कड़ा विरोध दर्ज करते हुए आंदोलन करेगी।

पत्रकार सुभाष की निर्मम हत्या पर मंझौल अनुमंडल पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्रा, सचिव अंजन कुमार आकाश, पत्रकार प्रो संजय कुमार, रजनेश सिन्हा, राजेश कुमार, बलवंत चौधरी, हेमंत चौधरी, विनोद कुमार शर्मा, बिमलेश कुमार चौधरी, अभिषेक कुमार सिन्हा, नीरज कुमार सिंह समेत अन्य पत्रकारों ने शोक व्यक्त की है.

विदेश से लौटे मंकीपॉक्स पीड़ित संदिग्ध यात्रियों को तुरंत आइसोलेट करें, नमूने एनआईवी पुणे भेजें : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को दुनिया में मंकीपॉक्स के मरीज सामने आने के बाद स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में हवाई अड्डों और बंदरगाहों के स्वास्थ्य अधिकारियों को भी सतर्क रहने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने हवाई अड्डों को निर्देशित किया है कि मंकीपॉक्स प्रभावित देशों की यात्रा कर लौटे किसी भी बीमार यात्री को तुरंत आइसोलेट कर, नमूने जांच के लिए पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की बीएसएल-4 सुविधा वाली प्रयोगशाला को भेजे जाएं।

ब्रिटेन, अमेरिका, पुर्तगाल, स्पेन, बेल्जियम, फ्रांस, इटली और ऑस्ट्रेलिया में अनेक लोग मंकीपॉक्स से संक्रमित पाए गए हैं। मंकीपॉक्स एक वायरल इन्फेक्शन है, जो पहली बार 1958 में बंदर में पाया गया था और 1970 में पहली बार इंसान में इसके संक्रमण की पुष्टि हुई थी। मंकीपॉक्स संक्रमण के मामले ज्यादातर मध्य और पश्चिम अफ्रीकी देशों में मिलते हैं।

सन 2017 में नाइजीरिया में मंकीपॉक्स का सबसे बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसके 75 फीसदी मरीज पुरुष थे। अब तक यह बीमारी कुल 11 देशों में फैल चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीम भी एक्शन में आ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स एक दुर्लभ बीमारी बताया है, जिसका संक्रमण कुछ मामलों में गंभीर हो सकता है। मंकीपॉक्स संक्रमण के लिए जिम्मेदार वायरस के 2 स्ट्रेन हैं, पहला कांगो स्ट्रेन और दूसरा वेस्ट अफ्रिकन स्ट्रेन। ये दोनों ही स्ट्रेन 5 साल से कम उम्र के बच्चों को अपने संक्रमणका शिकार बनाते हैं। कांगो स्ट्रेन से संक्रमित मामलों में मृत्यु दर 10 फीसदी और वेस्ट अफ्रिकन स्ट्रेन से संक्रमित मामलों में मृत्यु दर 1 फीसदी है।

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने 3 महिलाओं सहित 6 आरोपी गिरफ्तार : उषा रंगनानी आईपीएस

» विजय गौड़, मदरलैंड संवाददाता

गृह मंत्रालय के साइबर पोर्टल के माध्यम से पीएस साइबर/उत्तर-पश्चिम जिले में साइबर धोखाधड़ी के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें शिकायतकर्ता श्री. ललित कुमार जैन आयु- 53 वर्ष पुत्र लेफ्टिनेंट श्री। पीतमपुरा, दिल्ली निवासी धर्म दास जैन ने आरोप लगाया कि उन्हें अपने ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के संबंध में एक कॉल आया और उन्हें रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया। 7500/-. उनकी बातों पर विश्वास करते हुए उन्होंने कथित व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराए गए एक बैंक खाते में राशि का भुगतान कर दिया, लेकिन उनके ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ। भुगतान के बाद भी आरोपी फोन नहीं उठा रहा था। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि ऑनलाइन भुगतान की स्थिति की जांच करने पर पता चला कि ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए भुगतान किया जाना बाकी है। इस प्रकार, उसे एहसास हुआ कि उसे रुपये का धोखा दिया गया था। 7500/-. ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराने के नाम पर ठगी का आरोप लगाया।

तदनुसार, प्राथमिकी संख्या 22/2022 के तहत धारा 419/420 आईपीसी के तहत पीएस साइबर नॉर्थ वेस्ट में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।जांच के दौरान, लाभार्थी के बैंक खाते का विवरण प्राप्त किया गया और जांच के बाद यह पता चला कि ठगी की गई राशि उस खाते में स्थानांतरित की गई थी जिसमें फर्जी पता दिया गया था। इसके अलावा, तकनीकी निगरानी तुरंत लगाई गई और कई खातों की तकनीकी निगरानी और जांच के आधार पर, आरोपी के स्थान का पता लगाया गया।तथ्यों और परिस्थितियों की पुष्टि करने के बाद, । इंस्पेक्टर विजेंदर कुमार , एसएचओ/पीएस साइबर/एनडब्ल्यू के नेतृत्व छापेमारी करने वाली टीम का गठन किया गया जिसमें डब्ल्यू/एसआई, एसआई सुनील चंद्र, कॉन्स्टेबल गौरव, शेर सिंह और मनोज को शामिल किया गया टीम की कड़ी निगरानी का काम

एसीपी/संचालन को सौंपा गया और उपायुक्त पुलिस नार्थ वेस्ट जिला उषा रंगनानी आईपीएस ने समग्र पर्यवेक्षण का दायित्व अपने हाथ में लिया । टीम को ठीक से जानकारी दी गई और इस मामले में शामिल आरोपियों को पकड़ने का प्रयास जुटाया गया ।तदनुसार, मीरा बाग, पश्चिम विहार, दिल्ली में एक छापेमारी की गई, और पीएस साइबर/एनडब्ल्यूडी की टीम ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया और 06 व्यक्तियों को पकड़ा, जिनकी पहचान (1) मनीष अरोड़ा आयु- 39 वर्ष निवासी बी-ब्लॉक, पश्चिम विहार, दिल्ली, (2) राजा हुसैन आयु- 23 वर्ष निवासी ब्लॉक-एफ6, सुल्तानपुरी, दिल्ली, (3) सोनिया कौर उम्र- 38 वर्ष निवासी निहार विहार, कुमार प्रॉपर्टी डीलर के पास, नांगलोई, दिल्ली, (4) रूपाली कोहली उम्र- 34 साल निवासी बी-ब्लॉक, पश्चिम विहार, दिल्ली, (5) मीनू कोहली आयु- 35 वर्ष निवासी बी-ब्लॉक, पश्चिम विहार, दिल्ली, (6) गीता आयु- 27 वर्ष निवासी निहाल विहार, निकट, गली नं. नांगलोई, दिल्ली के रूप में हुई इस फर्जी कॉल सेंटर के उक्त परिसर की तलाशी के दौरान 20 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप, 05 एटीएम कार्ड और दस्तावेज बरामद किए गए. आरोपी मनीष अरोड़ा को मुख्य मास्टर माइंड और मालिक पाया गया, जो इस फर्जी कॉल सेंटर को चलाता है और वेतन के आधार पर दूसरों को प्रबंधक, कार्यकारी और टेली-कॉलर के रूप में काम पर रखता है। आरोपी राजा हुसैन उसकी टीम लीडर/मैनेजर है और अन्य 4 महिलाएं टेली-कॉलर हैं जो संभावित लीड जेनरेट करने के लिए फोन करती थीं। आरोपी मनीष अरोड़ा ने अपने सहयोगियों के साथ वर्तमान मामले में अपनी संलिप्तता का खुलासा किया। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उन्हें शानदार कारों और महंगे फोन का शौक है और अपनी भव्य जीवन शैली का आनंद लेने के लिए, उन्होंने दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट जारी करने के बहाने निर्दोष लोगों को धोखा देने के लिए एक फर्जी कॉल सेंटर चलाने का फैसला किया। उपायुक्त पुलिस नार्थ वेस्ट जिला उषा रंगनानी आईपीएस ने बताया कि आरोपियों के अन्य बैंक खातों का विवरण प्राप्त करने और अन्य शिकायतों में भी उनकी संभावित संलिप्तता का पता लगाने के लिए और प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकार पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क को संप्रग सरकार के समय के स्तर पर लाये

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती पर कहा कि सरकार 'आंकड़ों की बाजीगरी' करने की बजाय पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय के स्तर सरकार को 'आंकड़ों की बाजीगरी' करने की बजाय पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय के स्तर पर लाये। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि सरकार ने पिछले 60 दिनों में पेट्रोल -डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपये की बढ़ोतरी की और अब आठ एवं सात रुपये की कटौती की गयी है।

सुरजेवाला ने ट्वीट किया, ' वित्त मंत्री जी , आज पेट्रोल की कीमत 105.41 रुपये प्रति लीटर है। आप कहती हैं कि कीमत 9.50 रुपये कम हो जाएगी। 21 मार्च, 2022 को पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपये प्रति लीटर थी। पिछले 60 दिनों में आपने पेट्रोल की कीमत 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई और 9.50 रुपये प्रति लीटर की कमी की। आप (वित्त मंत्री) लोगों को बेवकूफ मत बनाइये।'

कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'आज डीजल का दाम 96.67 रुपये प्रति लीटर है, आप कहती हैं कि आपने 7 रुपये प्रति लीटर की कमी कर दी। 21 मार्च, 2022 को डीजल का दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर था। आपने 60 दिनों में डीजल की कीमत 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी और फिर सात रुपये कम किया।'

उनके अनुसार, ''मई, 2014 में डीजल पर उत्पाद शुल्क 3.56 रुपये प्रति लीटर था, 21 मई, 2022 को उत्पाद शुल्क 21.80 रुपये प्रति लीटर है। आपने (वित्त मंत्री)पिछले आठ वर्षों में डीजल पर उत्पाद शुल्क में 18.24 रुपये की बढ़ोतरी की।'

सुरजेवाला ने कहा, 'देश को आंकड़ों की बाजीगरी की जरूरत नहीं है। देश को जुमले नहीं चाहिए। देश को जरूरत इस बात की है कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर मई, 2014 के स्तर पर लाया जाए यानी 9.48 रुपये प्रति लीटर किया जाए। इसी तरह डीजल पर उत्पाद शुल्क को घटाकर 3.56 रुपये प्रति लीटर किया जाए।' उन्होंने कहा, 'छलावा बंद करिये और लोगों को राहत देने का साहस दिखाइए।'

संक्षिप्त समाचार

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 193 .53 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। राष्ट्रव्यापी कोविड 19 टीकाकरण अभियान 16 जनवरी,2021 को प्रांरभ हुआ था। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरु किया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निमार्ताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की लगभग 193.53 करोड़ (1,93,53,58,865) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 16.67 करोड़ से अधिक (16,67,39,155) अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर रतन लाल को जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर रतन लाल को जमानत मिल गए है। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने रतन लाल को जमानत देते हुए कहा, ह्ल किसी व्यक्ति द्वारा महसूस की गई चोट की भावना पूरे समूह या समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती है और आहत भावनाओं के बारे में ऐसी किसी भी शिकायत को तथ्यों के पूरे स्पेक्ट्रम पर विचार करते हुए इसके संदर्भ में देखा जाना चाहिए।ह्व हालांकि, कोर्ट ने ये भी कहा कि रतन लाल को ऐसी पोस्ट से बचना चाहिए। अब जमानत के दौरान वो ना कोई पोस्ट करेंगे और न ही इंटरव्यू देंगे। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किए रतन लाल को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने प्रोफेसर रतनलाल की रिमांड नहीं मांगी थी। पुलिस ने कहा था कि आरोपी की न्यायिक हिरासत चाहिए। एक पढ़े लिखे आदमी से ऐसी उम्मीद नहीं की जा सकती। ये केवल सोशल मीडिया पोस्ट नहीं था, बल्कि इसे यूट्यूब में भी डालने के लिए कहा जा रहा था। आरोपी आगे ऐसी गलती न करे, इसके लिए पुलिस उसे बिना नोटिस दिए, सीआरपीसी 41अ के तहत गिरफ्तार कर सकती है।

विश्व मधुमक्खी दिवस: ग्रामीण आबादी की प्रगति से ही देश प्रगति करेगा : कृषि मंत्री तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व मधुमक्खी दिवस आज बड़े उत्साह के साथ मनाया गया जिसमें केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार देश में ह्लमधु क्रांतिह्व लाने के लिए प्रधान मंत्री के मार्गदर्शन में बहुत गंभीरता से काम कर रही है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर की उपस्थिति में टेंट सिटी-द्वितीय, एकता नगर, नर्मदा, गुजरात में राष्ट्रीय स्तर के समारोह का आयोजन किया गया। श्री तोमर ने समारोह स्थल पर एक प्रदर्शनी के साथ गुजरात से वर्चुअल माध्यम के जरिए जम्मू कश्मीर के पुलवामा, बांदीपुरा और जम्मू, कर्नाटक के तुमकुर, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, पुणे में महाराष्ट्र और उत्तराखंड में शहद परीक्षण प्रयोगशालाओं और प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन किया। श्री तोमर ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का लक्ष्य छोटे किसानों को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 55 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है और देश तभी आगे बढ़ेगा जब

ग्रामीण आबादी आगे बढ़ेगी। केंद्र द्वारा वित्त पोषित योजना, 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन' का उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर 5 बड़ी और 100 छोटी शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पाद परीक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित करना है, जिनमें से 3 विश्व स्तरीय अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, जबकि 25 छोटी प्रयोगशालाओं को स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। भारत सरकार प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए भी सहायता प्रदान कर रही है। देश में 1.25 लाख मीट्रिक टन से अधिक शहद का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें से 60 हजार मीट्रिक टन से अधिक प्राकृतिक शहद का निर्यात किया जाता है। विश्व बाजार को आकर्षित करने के लिए देश में उत्पादित शहद की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए, भारत सरकार और राज्य सरकारें वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर शहद के उत्पादन के लिए मधुमक्खी पालकों की क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। श्री तोमर ने याद किया कि जब पीएम मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने गुजरात के विकास में नए आयाम स्थापित किए। उनकी सरकार गुजरात में गरीब और छोटे किसानों के विकास के प्रति संवेदनशील रही। गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन, स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास, किसानों को सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता के मामले में गुजरात ने मोदी जी के नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राज्य विकास का रोल मॉडल बन गया है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों के किसानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की और अपने अनुभव बताए कि कैसे मधुमक्खी पालन ने उनकी आय में वृद्धि की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नफरत में भारत को नुकसान पहुंचा रहे हैं राहुल गाँधी - भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नफरत में भारत को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। साथ ही विदेशी धरती से उनके द्वारा देश के बारे में बार-बार की जा रहीं आलोचनात्मक टिप्पणियां राष्ट्र को ''धोखा देने'' के समान बताया है।

पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक प्रेस कांफ्रेस में कहा, ''राहुल गांधी लंदन की कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की सेमिनार में जाते हैं। वहां जाकर देश की छवि धूमिल करते हैं। ये आदत हो गई है उनकी और गांधी परिवार की। पीएम मोदी से नफरत करते-करते वो भारत माता के खिलाफ ही वक्तव्य देने लगे हैं।'' उन्होंने कांग्रेस नेता को आगाह किया कि उन्हें विदेशी धरती पर भारत के बारे में कुछ भी गलत बोलने से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''आप बीजेपी का विरोध कर सकते हैं। स्वस्थ राजनीति का ये हिस्सा है। लेकिन आप हमारे देश के लिए अपशब्द कहेंगे, बेबुनियाद आरोप लगाएंगे तो न केवल बीजेपी इसका पुरजोर तरीके से विरोध करेगी, बल्कि देश की जनता भी इसका विरोध करेगी।'' बीजेपी पर पूरे देश में मिट्टी का तेल छिड़कने के राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए भाटिया ने कहा, '' मिट्टी का तेल तो कांग्रेस पार्टी छिड़कती है। 1984 का जो नरसंहार हुआ, कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने जो कत्लेआम करवाया, उस मिट्टी के तेल को डालने वाले कांग्रेस के ही नेता थे।''

उन्होंने कहा, ''एक हताश पार्टी कांग्रेस और उसके विफल नेता राहुल गांधी जब भी विदेशी धरती पर जाते हैं, चाहे वो लंदन हो, अमेरिका हो, सिंगापुर हो उनके व्यक्तव्य कहीं न कहीं ये दशार्ते हैं कि आज की कांग्रेस पार्टी 1984 से लेकर अब तक, देश में आग लगाने, सौहार्द बिगाड़ने में लगी है।'' उन्होंने कहा, ' वह (गांधी) बार-बार इस तरह की टिप्पणियां करते रहते हैं और यह कहना गलत नहीं होगा कि यह देश को धोखा देने के समान है।' गौरतलब है कि ब्रिटेन के दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को थिंक टैंक ब्रिज इंडिया द्वारा आयोजित 'आइडियाज फॉर इंडिया' सम्मेलन के एक संवाद सत्र में शामिल हुए थे। गांधी ने सम्मेलन में कहा था कि भारत में लोकतंत्र सबकी भलाई के लिए है और भारतीय ही एकमात्र ऐसे लोग हैं जिन्होंने लोकतंत्र को इस बेमिसाल तरीके से चलाया है।

गृहमंत्री ने लोहित ज़िले में प्रसिद्ध परशुराम कुंड पर भगवान परशुराम की 51 फुट ऊँची कांस्य प्रतिमा की आधारशिला रखी

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज अरुणाचल प्रदेश के तिरप ज़िले के नरोत्तम नगर में रामकृष्ण मिशन के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अमित शाह ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया। एक अन्य कार्यक्रम में गृह मंत्री ने लोहित ज़िले में प्रसिद्ध परशुराम कुंड पर भगवान परशुराम की 51 फुट ऊँची कांस्य प्रतिमा की आधारशिला रखी। इस अवसर पर केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडु समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रामकृष्ण मिशन के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मैं जब भी अरुणाचल आता हूँ और कोई नमस्ते की जगह जय हिन्द कहता हो तो शरीर के रोंगटे खड़े हो जाते हैं, पूरे देश में इतनी राष्ट्रभक्ति और जागरूकता अरुणाचल के अलावा शायद और कहीं नहीं है। 50 साल से अरुणाचल प्रदेश में एक संस्था और उसके अनेक संन्यासियों ने यहाँ के हजारों बच्चों को शिक्षित करने और सँवारने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि बचपन में एक संन्यासी कहा करते थे कि मंदिर बनाना बहुत पुण्य का काम है, स्कूल बनाना इससे भी बड़ा पुण्य का काम है, लेकिन एक व्यक्ति को अच्छा इंसान बनाने से बड़ा पुण्य का काम और कोई नहीं हो सकता। रामकृष्ण मठ ने 50 साल से एक दुर्गम जगह, सातत्यपूर्ण तरीके से बिना थके और अक्षय ऊर्जा के साथ इस सेवा को जारी रखा है। वे इस अक्षय ऊर्जा को शायद रामकृष्ण परमहंस या पूरे देश के लिए चेतना के स्रोत स्वामी विवेकानंद के उपदेशों से प्राप्त करते हैं। 50 साल से अक्षुण्ण रूप से इस सेवा भाव को चालू रखने के लिए मैं रामकृष्ण मिशन के सभी संन्यासियों को करबद्ध होकर ह्रदय से धन्यवाद करता हूँ।

अमित शाह ने कहा कि हमने समग्र नार्थईस्ट में सालो तक कई प्रकार की समस्याओं को झेला है, अब धीरे-धीरे इन समस्याओं का निवारण भी हो रह है। लेकिन अरुणाचल प्रदेश को कभी भी इन समस्याओं से घिरे नहीं देखा, इसका कारण पचास साल से अधिक समय से यहाँ रामकृष्ण मिशन द्वारा चलाया जा रहा सेवा का यज्ञ है।

आइए हम 'सभी के लिए स्वच्छ हवा' का एक सहभागी मिशन बनाएं: जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। ह्लयह 'सभी के लिए स्वच्छ हवा' को एक सहभागी मिशन बनाने का समय है। वायु गुणवत्ता में सुधार करने के प्रयासों नेपूरे देश के शहरों में बेहतर वायु गुणवत्ता अर्जित करने में सकारात्मक रुझान दशार्या है। लेकिन अगर हम वही अर्जित करना चाहते हैं जो हम चाहते हैं, तो इसकी चाबी'जनभागीदारी' या सहभागी शासन में है।ह्व यह बात केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, भूपेंद्र यादव ने चेन्नई में आयोजित दक्षिणी क्षेत्र में शामिल तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, दमन एवं दीव और दादर और नगर हवेली की संवेदीकरण एवं समीक्षा कार्यशाला- राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम-एनसीएपी और एक्सवी-एफसी प्लस सिटीज चैलेंज फंड (एक्सवी-एफसी एमपीसीसीएफ) के उद्घाटन के दौरान कही। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, तमिलनाडु सरकार के पर्यावरण मंत्री शिव वी. मेयनाथन, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में सचिव, लीना नंदन, अपर

मुख्य सचिव, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं वन विभाग, तमिलनाडु सरकार सुप्रिया साहू, अपर सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नरेश पाल गंगवार ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

भूपेंद्र यादव ने तमिलनाडुराज्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि 30 लाख से अधिक जनसंख्या वाले इसके चेन्नई, मदुरै और त्रिचीशहरों की वायु गुणवत्ता राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों के भीतर है। उन्होंने ई-कम्यूट कार्यक्रम की पहल के लिए तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भी प्रशंसा की, जिसके तहत बोर्ड के सभी अधिकारी हर बुधवार को गैर-जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के द्वाराअपने कार्यालय आते-जाते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत बीएस-वीआईमानक तक बहुत तेजी से पहुंच गया है और इसके ईंधन और वाहनों के मानकों को अपनाना वायु प्रदूषण का मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय है। ह्लएनसीएपी के तहतवर्ष2014 से 2018 से वायु गुणवत्ता के आंकड़ों के आधार पर देश में 132 गैर-उपार्जित शहरों की पहचान की गई है। यह दक्षिण भारत में सभी प्रकार के आकारों और शहरों का विषम मिश्रण है जिसमें दक्षिणी भारत में आंध्र प्रदेश के 13 शहर और तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना के चार-चार शहर शामिल हैं। भूपेंद्र यादव ने समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से लगभग 100 शहरों में वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाकर सभी लोगों के लिए स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।

गुरुग्राम में हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया अकादमी हरियाणा के युवाओं का भविष्य निखारेगी: आईएएस, राकेश चंद्र विधान

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम । हरियाणा कौशल रोजगार मिशन के डायरेक्टर राकेश चंद्र विधान आ गुरुग्राम के सेक्टर 10 की हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया अकादमी में पहुंचे। विधान का कहना है की जिन बच्चों में हुनर है वह हरियाणा कौशल विकास मिशन के सहयोग से अच्छे रोजगार प्राप्त कर सकते है।उन्होंने कहा की मुझे पूरा विश्वास है की हुकम का इक्का अकादमी बच्चो की प्रतिभा को मीडिया लाइन में निखार कर उनको रोजगार भी दिलाएगी । हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया हरियाणा कोशल मिशन द्वारा मीडिया के कोर्स कराएगी जिससे हरियाणा भाषा में फिल्मी इंडस्ट्री में बच्चे अपना कैरियर निखार सकेगे। उन्होंने बताया की अकादमी भिन्न भिन्न प्रकार के कोर्स कराएगी उसकी योग्यता के अनुसार उसकी प्रतिभा को निखरेगी कौशल व रोजगार निगम के डायरेक्टर ने आगे बताया की हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया हरियाणा का युवाओं का भविष्य उज्व्वल बनाने में बड़ा योगदान देगी।। आइएएस आरसी विधान ने

हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया दौरा किया व अकादमी की सराहना की । उन्होंने छात्रो को एकाग्रित होकर ट्रेनिंग करने की प्रेरणा भी दी।

हुकम का इक्का ऐप के निदेशक रमेश चहल, बिंदर दनौदा का कहना गुरुग्राम में लगभग 900 छात्र अभी ट्रेनिंग ले रहे है भिन्न भिन्न प्रकार की ट्रेनिंग अकादमी द्वारा विद्याथीयो को मुह्या कराती है। अकादमी एडिटिंग,राइटिंग,एक्टिंग आदि ट्रेनिंग देती है बच्चो के अंदर जो प्रतिभा छुपी है उसको निखरती है उसको समाज हित व राष्ट्र हित के लिए निखारगी साथ में रोजगार भी मिलेगा।

सैंटर की संचालिका जीविका का कहना है की हमारा प्रयास रहेगा की हम सेक्टर 10 की अकादमी में बच्चो को अच्छी से अच्छी ट्रेनिंग दे। जो भी अकादमी से ट्रेनिंग लेकर जायेगा उसको रोजगार दिलाने की भी हमारी पूरी कोशिश होगी। उन्होंने बाहर से जितने भी मेहमान आए थे सभी का धन्यवाद किया। हुकम का इक्का फिल्म अकादमी दाखिला लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए सभी पाठ्यक्रम निशुल्क कराती है। चीफ स्किल ऑफिसर डॉक्टर दीपक शर्मा ने अकादमी का निरक्षण किया वह अकादमी के छात्रों को सार्थक सोच व मेहनत करने की प्रेरणा दी । उन्होंने बताया की युवा भारत का भविष्य है युवाओं को हमेशा समाज व राष्ट्र हित में योगदान करना चाहिए।

प्रोजेक्ट मैनेजर सजना ने बताया की प्रतिभा को निखारना अकादमी का कार्य है हरियाणा कोशाल रोजगार मिशन युवाओं के भविष्य को संवारने में लगा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट ने चंपावत के लोगों से किया सीधा संवाद

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय पर्यटक राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने आज प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भाजपा उत्तराखंड प्रकोष्ठ के द्वारा दिल्ली में रह रहे उत्तराखंडवासियों से सीधा संवाद किया। चंपावत में होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा नेताओं ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जाकर वोट देने की अपील की, जहां से खुद श्री पुष्कर सिंह धामी चुनाव लड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब मुझे मुख्यमंत्री का दायित्व मिला और फिर कार्यकताओं की बदौलत उत्तराखंड में इतिहास बना वह जगजाहिर है। क्योंकि उत्तराखंड में कभी भी एक पार्टी लगातार दो बार सरकार नहीं बना पाई है। जनता ने भाजपा पर जो भरोसा जताया, उसपर हमारी सरकार खरा उतरने की कोशिश की है। हर वर्ग के लिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया और हर क्षेत्रों में हमने मानदेय बढ़ाने का काम किया। आजीविका का संकट उत्तराखंड में आ चुका था जिसको हमने दूर करने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज हर चुनौती एक अवसर है और उस अवसर को हमें सिर्फ प्राप्त करने का रास्ता बनाना है। पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से विधानसभा चुनाव में भी आम आदमी पार्टी को लेकर हमारा पहले से ही मानना था कि आप नेता चुनावी पर्यटन के लिए आए हैं जो चुनाव के बाद वापस चले जाएंगे और उत्तराखंड की जनता ने इस बात को सच साबित किया। उन्होंने कहा कि 400 करोड़ रुपये से ज्यादा का काम बाबा केदरनाथ के पास और 250 करोड़ रुपये का काम बद्रीनाथ के पास कार्य चल रहा है। आज ऋषिकेश से बद्रीनाथ का सफर सिर्फ छह घंटों की हो चुकी है। हमारा मानना है कि आने वाला दशक उत्तराखंड का दशक होगा। 12 फरवरी 2022 को हमने संकल्प लिया था कि उत्तराखंड के अंदर किसी भी धर्म, समुदाय या वर्ग के लिए एक समान कानून लाएंगे और हमने कर दिखाया। सबने इसके पीछे चुनाव को कारण बताया, लेकिन हम न्याय पर विश्वास करते हैं ना की तुष्टिकरण की राजनीति पर। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने कहा कि भाजपा के पास आज ईमानदार नेतृत्व है। पुष्कर सिंह धामी वैसे नेता हैं जिन्हें आम जनता के दर्द का एहसास है। आम जनता चाहे वह युवा हो या फिर कोई भी वर्ग, उनके बीच एक साफ छवि के व्यक्तित्व के तौर पर श्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि श्री धामी इस वक्त उत्तराखंड के लिए जो काम कर रहे हैं, वह आने वाले सभी मुख्यमंत्रियों के लिए एक उदाहरण होगा। उन्होंने चारों धाम के सभी वीआईपी दर्शन बंद करवा दिए। श्री भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज वहां भी रेलवे और सड़क भी पहुंचाई गई जिसकी कल्पना तक नहीं की गई थी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत करते हुए कहा कि जब एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बनता है तो हर एक कार्यकर्ता के अंदर मुस्कुराहट आती है। उत्तराखंड के अंदर ऐतिहासिक परिवर्तन करने वाले मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की पहचान उनकी सादगी और कार्यकताओं के बीच रहने की है। उत्तराखंड में कई राजनीतिक पार्टियों ने विधानसभा में अपना हाथ अजमाया जिसमें सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली पार्टी आम आदमी पार्टी भी थी, लेकिन देवभूमि की जनता ने सबको नाकारते हुए भाजपा को विजय दिलाई।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस | 03
नई दिल्ली, रविवार, 22 मई 2022

संक्षिप्त समाचार

उद्योग बन्धु समिति की बैठक कल

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। उपायुक्त उद्योग मो. सऊद ने बताया कि जिला उद्योग बन्धु समिति एवं उद्यमियों की कानून व्यवस्था सम्बन्धी बैठक 23 मई को अपरान्ह 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होगी। उन्होने सम्बन्धित सदस्यों, अधिकारियों से बैठक में समय से प्रतिभाग करने को कहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत

अलीगढ़, एजेंसी। क्वार्सी बाईपास स्थित संजय गांधी कालोनी के पास गुरुवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत हो गई। बाइक वह खेत पर जा रहे थे। हादसे में दो अन्य युवक भी घायल हुए हैं। इस मामले में तहरीर दे दी गई है।महुआखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव देवी नगला निवासी 60 वर्षीय पालाराम पुत्र स्वर्गीय घमंडी सिंह किसान थे। स्वजन के अनुसार गुरुवार की रात वे बाइक लेकर खेत पर जा रहे थे। रास्ते में संजय गांधी कालोनी के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्वजन ने उन्हें मेडिकल कालेज में भर्ती करा दिया। जहां देर रात उपचार के दौरान पालाराम की मौत हो गई। इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

यूपी के कुख्यात गैंगस्टर मुनीर और उसके साथी को फांसी की सजा दी गयी

बिजनौर, एजेंसी। बिजनौर की एक अदालत ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी के पुलिस उपाधीक्षक तंजील अहमद और उनकी पत्नी फरजाना की छह साल पहले गोली मारकर हत्या करने के आरोपी कुख्यात गैंगस्टर मुनीर और उसके साथी को फांसी की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि इस दोहरे हत्याकांड में चले मुकदमे में अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे कोर्ट पांच) विजय कुमार की अदालत में 19 गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं। शुक्रवार को न्यायाधीश ने मुनीर और उसके साथी रैय्यान को दोहरे हत्याकांड का दोषी करार दिया और शेष तीन अभियुक्तों को दोषमुक्त करार दिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार 2-3 अप्रैल 2016 की रात एनआईए के पुलिस उप अधीक्षक तंजील अहमद और उनकी पत्नी फरजाना स्योहारा में शादी समारोह से वापस कार से बच्चों के साथ घर सहसपुर लौट रहे थे, तभी उनके आवास से कुछ पहले पुलिया पर घात लगाए बदमाशों ने दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में हत्या समेत सुसंगत धाराओं में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई, लेकिन विवेचना के दौरान हत्या में मुनीर, रैय्यान, जैनी, तंजीम अहमद और रिजवान के नाम सामने आए। ये एनआईए अधिकारी के पड़ोसी थे। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। पुलिस अधीक्षक के अनुसार मुनीर शासन द्वारा राज्य स्तरीय माफिया घोषित है और इसके विरुद्ध विभिन्न राज्यों और जिलों में 33 मामले चल रहे हैं। पुलिस के अनुसार मुनीर अंतरराज्यीय गैंग का सरगना तथा हिस्ट्रीशीटर है। मुनीर को गैंगस्टर कोर्ट ने 16 अप्रैल 22 को 10 वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किया है। पुलिस के अनुसार लखनऊ के गोमतीनगर में न्यायधीश की सुरक्षा में तैनात आरक्षी प्रमोद कुमार को गोली मारकर उसकी नाइन एमएम की पिस्टल लूटने और लखनऊ के थाना विभूति नगर में नमन वर्मा की हत्या कर उसकी मोटरसाइकिल लूटने जैसे अनेक गंभीर आरोप मुनीर के खिलाफ दर्ज हैं।

मजदूर की फावड़े से गर्दन काटकर हत्या

अमरोहा, एजेंसी। जिले के डिडौली कोतवाली इलाके के गांव पतेई खालसा स्थित ईट भट्ठे पर बीती देर रात एक मजदूर ने सो रहे दूसरे मजदूर की गर्दन पर फावड़े से प्रहार कर हत्या कर दी। जहां चीखने की आवाज सुनकर दौड़े मृतक के चचेरे भाई ने आरोपी को भागते देखा। लेकिन आरोपी को पकड़ने में असफल रहा। वारदात के हालत देख उसकी भी चीख निकल गई। जिसके बाद आसपास सो रहे अन्य मजदूर भी मौके पर आ गए। जिसके बाद मजदूर को लहूलुहान हालत में जोया सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर पुलिस ने मजदूर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना के सन्दर्भ में प्रयागराज जिले के थाना सोराव इलाके के गांव उदयचंदपुर निवासी मृतक मजदूर के तहेरे भाई बच्चू लाल ने बताया गांव पतेई खालसा में ईंट भट्ठे पर काम करते हैं। बीती देर रात लगभग दो बजे ईट भट्ठे पर काम करने वाले श्यामू निवासी गांव कोठिहार, थाना नवाबगंज, प्रयागराज ने उसके चचेरे भाई संतोष की गर्दन पर फावड़े से प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद आरोपी घटना स्थल से फरार हो गया। शुक्रवार की रात मृतक संतोष की ड्यूटी एक बजे तक थी। जबकि आरोपी श्यामू की ड्यूटी इसके बाद शुरू हुई। इस दौरान संतोष कुमार और श्यामू के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

जिनके क्षेत्र में सवाधिक भूमि विवाद होंगे उन लेखपालों के विरुद्ध होगी दंडात्मक कार्यवाही

» अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव में जन शिकायतें सुनने के दौरान जब जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह के सम्मुख रकरी, नगला केहरी, ब्योती खुर्द, लालपुर आदि जगहों के शिकायती प्राथर्ना पत्रों के माध्यम से की, जिस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित क्षेत्र के लेखपालों, तहसीलदार, उप जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान चलाकर अनाधिकृत अतिक्रमण हटाए जाएं, किसी भी क्षेत्र में किसी गरीब व्यक्ति की भूमि पर अनाधिकृत कब्जा न रहे, जिनके के क्षेत्र में सवार्धिक भूमि विवाद है ऐसे 3 लेखपालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध दंडात्मक कायवार्ही की जाए, पैमाइश के बाद यदि किसी के द्वारा पुनः कब्जा किया जाए तो उसके विरुद्ध भू-माफिया में कायवार्ही हो, दोबारा कब्जा करने वालों के विरुद्ध गुंडा एक्ट के अंतगर्त कायवार्ही की जाए। उन्होंने कहा कि आवंटित पट्टों पर पात्र पट्टेदार ही काबिज रहें, किसी भी पट्टे पर अनाधिकृत कब्जा न रहे यदि कहीं पर पट्टे की भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया तो संबंधित लेखपाल को जिम्मेदार मानते हुए उसके विरुद्ध कायवार्ही की जाए।

श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि तहसील भोगांव क्षेत्र में भूमि पर अनाधिकृत कब्जों की अधिक शिकायतें प्राप्त हो रही है, दबंगों द्वारा भूमि पर कब्जे किए जा रहे हैं, राजस्व कमियों द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, लेखपाल तत्काल अनाधिकृत कब्जा हटवाने की दिशा में काय र्करें, किसी भी गरीब व्यक्ति को किसी के द्वारा परेशान न किया जाए, शिकायतों का निस्तारण प्रभावी ढंग से हो, लेखपाल, राजस्व निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्र का नियमित भ्रमण कर भूमि संबंधी विवादों की जानकारी करें और उनका मौके पर ही उचित निराकरण कराएं, थाने से फोस र्लेकर सावर्जनिक भूमि, तालाब, चकरोड, अनाधिकृत कब्जे वाली भूमि की पैमाइश कराकर अनाधिकृत कब्जे हटवाएं, खंड विकास अधिकारी, सचिव, ग्राम प्रधान तत्काल चकरोड पर मिट्टी का कार्य कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी फरियादी को जिला मुख्यालय, तहसील, थाने के चक्कर न लगाने पड़े, पीड़ित व्यक्ति की शिकायत का प्रभावी निराकरण हो, तहसीलों, थानों में काय र्संस्कृति बेहतर दिखे, शिकायतों के निराकरण में खानापूति र्न की जाए बल्कि उनका प्रभावी निराकरण किया जाए ताकि शिकायतकता र्को राहत महसूस हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी संपूण र्समाधान दिवस, थाना समाधान दिवस, अन्य माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण करें, किसी भी विभाग में निधार्रित समय सीमा के उपरांत कोई शिकायत अनिस्तारित न रहे, यदि किसी के द्वारा तथ्यहीन आख्या प्रेषित की या समस्या का उचित समाधान न कर रिपोट र्उपलब्ध करायी तो उसके विरूद्ध कठोर कायवार्ही होगी, कायवार्ही के उपरांत शिकायतकता र्से अवश्य बात करें, फरियादी के संतुष्ट होने के उपरांत ही निस्तारण आख्या उपलब्ध करायें।

आज आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव के दूर-दराज ग्रामीण अंचलों से आए मीरापुर गुजराती निवासी राम महाराज सिंह ने गांव के मोहर पाल सिंह द्वारा मारपीट करने, कौआटाण्डा नि. अजय कुमार ने गाटा संख्या-75, 1118 की पैमाइश कराकर कब्जा दिलाने, सुरजनपुर नि. प्रवीन कुमार ने बैनामा की भूमि का दाखिल खारिज कराने, रोपनपुर नि. रामरखी ने सम्पक र्माग र्से अवैध कब्जा हटवाने, चड़रौआ नि. धनसिंह ने ग्राम प्रधान व उसके प्रतिनिधि द्वारा अवैध तरीके से प्राथी र्के मकान की दीवार से जे.सी.वी. से नींव खोदकर मकान गिराने का प्रयास किये जाने, मोहल्ला मोहम्मद सईद नि. मीना ने अनुसूचित जाति विवाह अनुदान योजना का लाभ दिये जाने हेतु दूरभाष के द्वारा 03 हजार रू. की मांग किये जाने की शिकायत अपने शिकायती प्राथर्ना पत्रों के माध्यम से की, जिसे सम्बन्धित को पृष्ठांकित कर निधार्रित समयसीमा में प्रभावी कायवार्ही के निदेर्श दिये।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय ने पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुन थानाध्यक्षों को समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण के निदेर्श दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी भोगांव राज नारायण त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.पी.पी.सिंह, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी एस.एन. मौय,र् परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. के.के. सिंह यादव, जिला विकास अधिकारी प्रवीन कुमार राय, उप निदेशक कृषि डी.वी. सिंह, एसओसी चकबंदी लालता प्रसाद अहिरवार, जिला पूति र्अधिकारी क्यामुद्दीन अंसारी, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कमल सिंह, तहसीलदार भोगांव आनन्द कुमार, अधिशाषी अभियंता विद्युत, लोक निमार्ण, नहर, नलकूप, जल निगम सहित अन्य संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जिला की मंडियों में तरबूज की मांग बढ़ी, ज्येष्ठ माह की गर्मी का असर

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

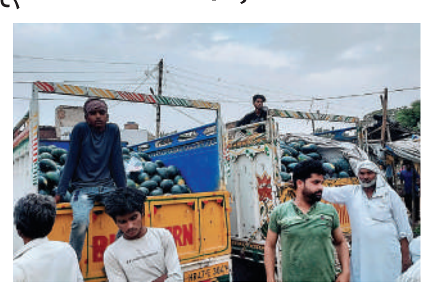

नूंह/मेवात। जिला की तावडू, नूंह, पिनगवा, पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका सब्जी मंडियों में तरबूज की आवक बदस्तूर जारी हैं। ज्येष्ठ माह की पड़ रही प्रचण्ड गर्मी से निजात पाने के लिए लोग इसका सहारा ले रहे हैं। अप्रैल माह में शुरू हुए रमजान के महीने में जिलावासियों की डिमांड दक्षिण के तरबूज से पूरी हो रही थी और उसके बाद स्थानीय सब्जी किसानों का तरबूज जिला की मंडियों में इसकी आवक शुरू होने के बाद से डिमांड बर करार हैं। बताया जा रहा है कि रमजान माह में जिला की तावडू, नूंह, पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका सब्जी मंडियों में रोजाना औसतन 5000 मन तरबूज की आवक हो रही थी लेकिन अब यह कम हुई है।

जिलावासी रमजान, असगर, गोबिन्द, राजू, मोहन, वेदू आदि ने बताया कि रमजान का माह के बाद अब ज्येष्ठ माह में भी जिला के पुन्हाना, तावडू, नूंह, फिरोजपुर झिरका, नगीना, पिंगनवा आदि में तरबूज की बिक्री जबरदस्त तरीके से हो रही है। तरबूज के प्रचुर मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं। विटामिन अधिक होने के कारण यह फल मनुष्य के शरीर में इम्यून सिस्टम को अच्छा रखता है। भीषण गर्मी के मौसम में तरबूज का जायका और भी ज्यादा बढ़ जाता है। साथ ही तरबूज शरीर में पानी की आपूर्ति करने के साथ मनुष्य की ताजगी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया कि अब स्थानीय तरबूज की आवक होने से कीमत कम हुई है तथा क्वालिटी भी घटी है।

इस बारे में नूंह मार्किट कमेटी के सचिव कम कार्यकारी अधिकारी राजीव सौलंकी ने माना कि उनकी सब्जी मंडी में रमजान माह से ही तरबूज की आवक शुरू हैं और साथ ही कहा कि अब स्थानीय किसानों की आवक हैं।

तावडू की सफाई व्यवस्था चरमराई

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला के उभरते उप मण्डल स्तर के छोटे शहर तावडू की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। सफाई को लेकर हर माह लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी हैं। सीवरेज जाम यहां आम बात हैं। खासकर शहर के पॉश वार्ड 13 के मुख्य रास्ते पर बह रहा गंदा पानी बीमारियों को न्यौता दे रहा है। हैरत की बात देखने को यह मिल रही है कि वार्ड पार्षद के आवास के करीब से बह रहे गंदे पानी पर शायद उनकी निगाह नहीं पडी हैं।

चेतराम, छोटेराम, प्रभू बागडी, सुरेन्द्र सिंह, अनिल, गुलशन कुमार, अजय कुमार, विनोद शर्मा, मास्टर किशन कुमार आदि ने बताया कि तावडू की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। सफाई को लेकर हर माह लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी हैं। उन्होंने बताया कि सीवर का पानी ओवर होकर सडकों पर बह रहा है जिससे सडकों, गलियों के पास से गुजरने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं।

इस बारे में तावडू नपा सचिव से सम्पर्क करने पर बताया गया कि साहब मिटिंग में है और वह किसी भी बयानबाजी के लिए अधिकृत नहीं हैं।

बगैर नक्शे के हो रहे निर्माण कार्यों से सूरते हाल बिगड़ी

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला के नूंह नगर परिषद व तावडू, पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका स्थित नपा क्षेत्र मों रिहायाशी, वाणिज्य (कमर्शियल) भवन बगैर नक्शे के हो रहे हैं। जिससे जहां सरकारी राजस्व को भारी चपत लग रही है तो वहीं, एनजीटी के नियमों की अवेहलना हो रही है और जिले का सौन्दर्यकरण भी बिगड़ रहा है। जिलावासियों का इल्जाम है कि प्रशासन की कथित मेलजोल से जिला में बेखौफ यह धंधा चल रहा है। ऐसे निर्माण होने से जिला में अधिक मंजिले मकान, दुकान, सरकारी सडक पर अधिक छज्जा व सीढियां बाहर निकालने से नियमों की अनदेखी की जा रही है, जबकि निर्माण कार्य सडकों पर डालने से भी नियमों का सरेआम मखौल उड़ाया जा रहा है।

हैरत की बात देखने को यह मिल रही है कि जिला के जागरूक लोगों द्वारा कई बार प्रशाासन के संज्ञान में मामला लाने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। अखिल भारतीय शहीदाने मेवात सभा के जिला अध्यक्ष हाजी काले खान ने मुख्यमंत्री, उप मुंख्यमंत्री व गृहमंत्री को अलग- अलग पत्र भेजकर इसकी निष्पक्ष एजेंसी से जांच व दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस बारे में नपा के कनिष्ट अभियंता राशिद खान का कहना है कि भवन निर्माण का कामकाज भवन निरीक्षक (बीआई) के कार्य क्षेत्र मे आता है और उनके यहां अन्य साथी कनिष्ठ अभियंता को इसका जिम्मा सौंप रखा हैं। जबकि वह कार्यालय में मौजूद ना रहने से उनका तर्क संगत नहीं हो सका।

कन्या विद्यालय नूंह की 11 छात्राओं द्वारा एनएमएमएस परीक्षा में पाया पहला स्थान प्राप्त करने पर सम्मान किया गया

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। एससीईआरटी द्वारा जारी एनएमएमएस परीक्षा परिणाम में जिले के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नूहं की 11 छात्राओं ने जिले में टॉप करते हुए अपनी प्रतिभा के बल पर परचम लहराया है। पिछले वर्ष भी इसी विद्यालय की पांच छात्राओं ने ये परीक्षा पास की थी। शनिवार को प्रार्थना सभा के दौरान विद्यालय प्रशासन ने विद्यालय का नाम रोशन करने वाली सभी छात्राओं का फूल मालाओं के साथ स्वागत कर हौंसला अफजाई की। परीक्षा पास करने वाली छात्राओ में साक्षी पुत्री ललित, फिरदौस पुत्री फारुख, अहसाना पुत्री फारुख, नेहा पुत्री नरेन्द्र, फरहाना पुत्री रफीक, लायबा पुत्री जुमा, मुस्कान पुत्री सली मोहम्मद, तस्लीमा पुत्री सद्दीक, वसना पुत्री शकील, पिंकी पुत्री शिशुपाल, ज्योति पुत्री ओमप्रकाश शामिल है।

विद्यालय प्राचार्य सद्दीक अहमद ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज मेवात की बेटियां आगे बढ़ रही है हमारे स्कूल की छात्राओं ने एनएमएमएस की परीक्षा परिणाम में जिले में टॉप करके यह दिखा दिया है कि बेटियाँ किसी से कम नहीं है। यह बड़ी गौरव की बात है कि आज बेटियों ने ही विद्यालय एवम जिले का नाम रोशन किया। प्राचार्य ने मौलिक मुख्याध्यापक मोहम्मद हारून, विज्ञान अध्यापक आनंद कुमार, गणित अध्यापिका सुनीता, इंदु बाला, जुबेर अहमद सहित सभी स्टाफ की प्रशंसा की और कहां कि हमें मेहनत से काम करते रहना चाहिए। सभी बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि आप सभी को इन छात्राओं से प्रेरित लेकर जीवन मे आगे बढने का लक्ष्य रखना चाहिए जो केवल मेहनत और ईमानदारी से पाया जा सकता।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉक्टर अब्दुल रहमान ने कहा कि जिले में पहले एनएमएमएस परीक्षा में 10-15 विद्यार्थी पास होते थे, लेकिन इस बार 69 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की है, जिसमें राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नूंह की 11 छात्राएं परीक्षा पास करके जिले में अव्व्ल रही है।

सड़कों पर अतिक्रमण कर लोक यातायात में बाधा न डालें, दुकान, व्यापारिक प्रतिष्ठान का सामान पटरी पर किसी दशा में न रखा जाए-जिलाधिकारी

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने विभिन्न समुदाय के धमगुर्रुओं, संभ्रांत नागरिकों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, श्रम संगठनों, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि विगत समय में आयोजित विभिन्न त्योहारों में आप सब ने नियमों, निर्देशों का पालन कर आपसी सौहाद र्के साथ त्योहार मनाएं, आप सब बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि आगे भी अपनी इस परंपरा को कायम रखें, समय-समय पर निगर्त निर्देशों का पालन करें, किसी भी धामिर्क स्थल पर पुनः लाउडस्पीकर न लगाएं, धामिर्क आयोजन धामिर्क स्थल परिसर में ही करें, धामिर्क आयोजन के लिए सड़कों, सावर्जनिक मार्गों, पार्कों का प्रयोग किसी दशा में न किया जाए।

श्री सिंह ने बैठक में उपस्थित व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों से कहा कि सड़कें आमजन के आवागमन के लिए हैं, किसी भी दशा में सड़क के किनारे अनाधिकृत कब्जा न किया जाए, दुकान का सामान दुकान के भीतर ही रखा जाए, किसी भी दशा में दुकान का सामान पटरी, सड़क के किनारे रख आवागमन बाधित न किया जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, थानाध्यक्षों, अधिशासी अधिकारियों से कहा कि संयुक्त रुप से अभियान चलाकर दुकानदारों को दुकान के बाहर सामान न रखने के लिए जागरूक करें, एक बार समझाने के बाद दुकानदार द्वारा ऐसा किया जाए तो उसका सामान जब्त कर उसके विरुद्ध प्रभावी कायवार्ही की जाए। उन्होने कहा कि सड़क, सड़क के किनारे अनाधिकृत रूप से मंडी, सब्जी बिक्री करने का काय र्किसी भी दशा में न हो। उन्होने कहा कि सड़क के किनारे कोई वाहन खड़ा न हो, सड़क स्टंट करने की जगह नहीं है, स्टंट करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कायवार्ही की जाये। अवैध बसस्टैण्ड, थ्री व्हीलर स्टेण्ड आदि अवैध रूप से संचालित न हो, जहां-जहां अवैध बस स्टेण्ड, थ्री व्हीलर स्टेण्ड संचालित हैं, उन्हें तत्काल बंद कराया जाये, सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि किसी के क्षेत्र में कोई अनाधिकृत गतिविधि संचालित न हो, अनाधिकृत कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में दंडात्मक कायवार्ही की जाये।

जिलाधिकारी ने ट्रांसपोट र्यूनियन के पदाधिकारियों से कहा कि किसी भी दशा में सड़क के किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े न किए जाएं, जहां-जहां अनाधिकृत रूप से टैक्सी स्टेण्ड, बस-अड्डे संचालित हैं उन्हें तत्काल हटाया जाए, बस, अन्य वाहनों की पार्किंग के लिए सड़क के किनारों, सड़कों का प्रयोग न किया जाए, सभी थानाध्यक्ष अवैध रूप से संचालित पार्किंग स्थल का संचालन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कायवार्ही करें, इस काय र्में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ गुंडा एक्ट, गैंगस्टर की कायवार्ही की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर अवैध अतिक्रमण, अनाधिकृत रूप से वाहन खड़े होने, यातायात नियमों की अनदेखी करने के कारण सड़क दुघर्टना की घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है, जिस कारण तमाम लोग मौत के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने सभी का आव्हान करते हुए कहा कि बढ़ती सड़क दुघर्टनाओं को रोकने में सहयोग करें, यातायात नियमों का पालन कर सड़क हादसों को रोकने में अपना सहयोग दें।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय ने कहा कि सड़कों पर कोई धामिर्क कायर्क्रम आयोजित न हो, धामिर्क परिसर से बाहर लाउडस्पीकर की आवाज न आए, इसमें सभी सहयोग करें, सड़कें आवागमन के लिए हैं, व्यापारी निजी हितों के लिए सड़को का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि अधिशासी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में पार्किंग के लिए स्थान चिन्हित करें, स्पीड वेंडर, हथठेला वालों के लिए भी जगह निर्धारित कर उन्हें निर्धारित स्थान पर खड़ा कराया जाए ताकि यातायात बाधित न हो। उन्होंने बैठक में उपस्थित विभिन्न समुदाय के धमगुर्रुओं, संभ्रांत नागरिकों से कहा कि अफवाह फैलाने वालों से सतक र्रहें, किसी के बहकावे में न आएं, न्यायालय, न्यायतंत्र पर भरोसा रखें, आपसी संवाद कायम रख अपनी एकता, सौहाद र्को कायम रखें।

> सड़कों के किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े न किये जायें, पार्किंग रहित ढाबों का संचालन बंद कराया जाए-अविनाश

इस अवसर पर विभिन्न समुदाय के धमगुर्रु, सम्भ्रान्त व्यक्तियों के अलावा अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर, भोगांव, करहल, किशनी, कुरावली नवोदिता शमा,र् राज नारायण त्रिपाठी, आर.एन. वमा,र् राज नारायण, वीरेन्द्र कुमार मित्तल, राजस्व अधिकारी नरेन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर, भोगांव, करहल, कुरावली, विजय पाल सिंह, चन्द्रकेश, अशोक कुमार, संजय कुमार वमा,र् सी.ओ. लाइन संतोष कुमार सिंह, समस्त थानाध्यक्ष, अधिशाषी अधिकारी, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सभागार में आतंकवाद विरोधी दिवस पर अधिकारियों, कामिर्कों ने ली आतंकवादी विरोधी शपथ

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने तहसील भोगांव के सभागार में आतंकवाद विरोधी दिवस (21 मई) के अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कामिर्कों को आतंकवादी विरोधी शपथ ह्लहम भारतवासी अपने देश कि अंहिसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठा पूवर्क शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार की आंतकवाद, हिंसा का डटकर विरोध करेंगे, हम मानव जाति के सभी वर्गो के बीच शांति तथा सामाजिक सद्भाव तथा सूझ-बूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली, विघटनकारी शक्तियों से लड़ने कीह्व शपथ दिलाते हुये कहा कि आतंकवाद और हिंसा के कारण कई राज्यों को अलग तरह से प्रभावित कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा किया है, जिस कारण लोगों के मन में भय और अनिश्चितता की भावना पैदा हुयी है, आतंकवाद और हिंसा के खतरे तथा जनता, समाज एवं पूरे देश पर इसके खतरनाक प्रभाव के बारे में समाज के सभी वर्गों में जागरूकता पैदा करनी होगी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय, उप जिलाधिकारी भोगांव राज नारायण त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. पी.पी. सिंह, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी एस.एन. मौय,र् क्षेत्राधिकारी भोगांव चन्द्रकेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से मिल स्वच्छकार संयुक्त मोर्चा ने उठाई मांग

मदरलैंड संवाददाता, हरिद्वार। उत्तराखण्ड वाल्मीकी/ स्वछकार संयुक्त मोर्चा के संयोजक मण्डल के सदस्य प्रवीण तेशवर अपने साथियों के साथ क्षेत्रीय विधायक भाजपा प्रदेशअध्यक्ष मदन कौशिक से उनके आवास पर मिले तथा इस बार उत्तराखण्ड से वाल्मीकि समाज के भगवत प्रसाद मकवाना जो भाजपा के समर्पित निष्ठावान, शिक्षित कार्यकर्ता है को उत्तराखण्ड में प्रदीप टम्टा के कार्यकाल समाप्ति से रिक्त हुई राज्यसभा सीट पर प्रत्याशी बनाये जानें की माँग की है। मोर्चा नेताओ ने कौशिक को बताया कि गत विधान सभा चुनाव में किसी भी वाल्मीकी को टिकट नही दिया गया, इसलिये संयुक्त मोर्चा बाल्मीकी समाज को राज्यसभा मे प्रतिनिधित्व की माँग कर रहा है। मांग पत्र देने वालों में प्रवीण तेश्वर, सलेकचन्द, बलराम चुटैला, कुलदीप चंचल, लोकेश चौटाला, दीपक तेश्वर शामिल थे। मांग पत्र में हस्ताक्षर करने वालो में संयोजक मण्डल के वरिष्ठ सदस्यों में सुरेंद्र तेशवर, राजेन्द्र श्रमिक, प्रवीण तेशवर, सलेखचन्द चंचल आदि शामिल रहे।

आज खुलेंगे पवित्र धाम हेमकुंड साहिब के कपाट

देहरादून,एजेंसी। रविवार को सिखों के पवित्र धाम हेमकुंड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। इसके तहत पंजप्यारों के नेतृत्व में यात्रा गोविंद घाट से घांघरिया के लिए रवाना हुई। श्रद्धालुओं का जत्था रविवार की सुबह हेमकुंड साहिब पहुंचेगा। इस अवसर पर बताया गया कि इसके बाद गुरुद्वारा साहिब व लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। इसके लिए दोनों धामों की फूलों से भव्य सजावट की जा रही है। दो साल बाद अपने भव्य स्वरूप में शुरू हो रही हेमकुंड साहिब की यात्रा को लेकर भ्यूंडार घाटी में उल्लास का माहौल है। व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं।जत्थे में शामिल होने के लिए तीन हजार से अधिक श्रद्धालु गोविंदघाट व जोशीमठ गुरुद्वारा पहुंचे थे। इनमें सरदार जनक सिंह व गुरवेंद्र सिंह का जत्था भी शामिल हैं। यह दोनों जत्थे बीते 20 वर्षों से कपाटोद्घाटन व कपाट बंदी के मौके पर धाम में मौजूद रहते हैं।

एसडीएम सदर ने किया तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण

देहरादून,एजेंसी। जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार द्वारा जनपद के सभी कार्यालयाध्यक्षों को अपने अधीनस्थों सहित निर्धारित समय अनुसार कार्यालय में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त के क्रम में आज उप जिलाधिकारी सदर मनीष कुमार द्वारा तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 06 कार्मिक विलम्ब से पंहुचे तथा 02 कार्मिक बिना अवकाश स्वीकृत कराये अनुपस्थित पाये गए, जिनका उप जिलाधिकारी सदर ने स्पष्टीकरण तलब करते हुए उक्त कार्मिको को तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण का प्रतिउत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

स्वर्गीय सुंदरलाल बहुगुणा की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

देहरादून,एजेंसी। आम आदमी पार्टी के आराघर स्थित प्रदेश कार्यालय में आज स्वर्गीय सुंदरलाल बहुगुणा की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रदेश के संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट समेत पार्टी के कई पदाधिकारियों ने कार्यालय में पहुंचकर स्वर्गीय सुंदरलाल बहुगुणा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर बिष्ट ने बताया कि स्वर्गीय सुंदरलाल बहुगुणा ने हमेशा अपने जीवन में कई संघर्ष किए और वह प्रसिद्ध पर्यावरणविद् रहे जिन्होंने सदैव जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को सर्वोपरि रखा। उन्होंने कहा कि आज सुंदरलाल बहुगुणा हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन हमें उनके विचार और आदर्शों पर चलने की बहुत जरूरत है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एक पर्वतीय प्रदेश है और पर्वत जैसे महान शख्सियत रहे सुंदरलाल बहुगुणा के अनुसरण पर चलने का कार्य आम आदमी पार्टी शुरू से ही करती आई है। उन्होंने यह भी कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा जी के कार्यों को देखते हुए आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने उनके परिजनों को सम्मानित भी किया था साथ ही भारत सरकार से स्वर्गीय सुंदरलाल बहुगुणा को भारत रत्न देने की अपील भी की थी।

राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष न्यायमूर्ति एनएस धानिक ने संभाला कार्यभार

देहरादून,एजेंसी। राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण उत्तराखंड के नवनियुक्त अध्यक्ष न्यायमूर्ति एनएस धानिक ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष को पुष्प गुच्छ भेंटकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय नैनीताल से सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एनएस धानिक ने आज दून स्थित पार्क रोड में राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण उत्तराखंड के कार्यालय पहुंचे, जहां पर प्राधिकरण के सदस्य जी एस धर्मशक्तू, जेएस बिष्ट, जगतराम जोशी व राजकुमार सिंह राघव व सचिव सह निबंधक अब्दुल कय्यूम ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अध्यख का स्वागत किया।

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तराखंड ने उठाई जीएसटी से संबंधित समस्याएं

फोटो-२

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! राज्य कर विभाग रुड़की के सभागार कक्ष में प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तराखंड के पदाधिकारियों एवं संयुक्त आयुक्त कार्यपालक राज्य कर विभाग हरिद्वार अजय कुमार के मध्य जीएसटी से संबंधित समस्याओं को लेकर बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राज्य कर विभाग के सभी प्रमुख अधिकारी अभय कुमार पांडे पीपी शुक्ला तारकेश्वर मिश्रा पूनम राजपूत अनंत रजनीश आदि अधिकारी उपस्थित रहेह्ल प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अजय गुप्ता, प्रदेश महामंत्री नवीन गुलाटी, संयोजक रामगोपाल कंसल, महानगर अध्यक्ष चौधरी धीर सिंह रोड, महानगर महामंत्री दीपक अरोड़ा एवं कवीश मित्तल, जिला अध्यक्ष अनुज अग्रवाल, नगर प्रभारी भरत कपूर, जिला महामंत्री रतन अग्रवाल, विजय गोयल, विशाल वर्मा अध्यक्ष सिविल लाइन व्यापार मंडल आद व्यापारी उपस्थित रहे तथा जीएसटी से संबंधित अपनी समस्याओं को संयुक्त आयुक्त कार्यपालक को अवगत कराया उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं पर ध्यान देते हुए कहा कि जल्द ही आपकी समस्याओं का निराकरण करने करवाने की प्रयास रहेंगे. निरंतर जीएसटी से संबंधित समन्वय बैठकों का आयोजन राज्य कर विभाग के इस कार्यालय में होता रहेगा सभी व्यापारियों से अनुरोध भी है की सभी पंजीकृत व्यापारी अपने प्रतिष्ठान के बाहर बोर्ड पर अपना जीएसटी नंबर अवश्य उल्लेखित करें जिससे भविष्य में होने वाली जांच प्रभावित ना हो बाहर से पढ़ कर ही राज्य कर विभाग के अधिकारी उस संबंधित प्रतिष्ठान से संबंधित जानकारी जुटा सकते हैं, जिससे व्यापारी को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा अन्यथा विभागीय जांच निरंतर चलती रहती हैं प्रतिष्ठान के बाहर नंबर उल्लेखित ना होने के कारण व्यापारी से पूछताछ करनी पड़ती है जिससे व्यापारी को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है समय-समय पर इस प्रकार की बैठकों का आयोजन कर के व्यापारियों की समस्याओं का निदान किया जाएगा प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने संयुक्त आयुक्त को आश्वस्त किया कि व्यापारियों का पूरा सहयोग विभाग को निरंतर मिलेगा परंतु फूड ग्रेन में ब्रांड और नॉन ब्रांड से संबंधित टैक्स की एक विषमता उत्पन्न हो गई है जिसको जीएसटी काउंसिल के द्वारा समाप्त कर देना चाहिए जिससे फूड ग्रेन के व्यापारी एक ही टैक्स दर में कार्य कर सकें इस पर भी चर्चा हुई तथा राज्य कर विभाग के सचल दस्ते द्वारा व्यापारियों का निरंतर उत्पीड़न किया जाता है इस बारे में भी संबंधित समस्याओं से अवगत कराया गया इस पर उन्होंने भविष्य में सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अजय गुप्ता नवीन गुलाटी रामगोपाल कंसल, दीपक अरोड़ा कविश मित्तल अनुज अग्रवाल विजय गोयल रतन अग्रवाल भरत कपूर के द्वारा इस संदर्भ में एक ज्ञापन भी संयुक्त आयुक्त कार्यपालक अजय कुमार को दिया गया जिस पर उन्होंने कार्यवाही करने का और जीएसटी काउंसिल में अपनी अनुशंसा सहित भिजवाने का आश्वासन दिया।

भल्ला इंटर कॉलेज में छात्रों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

» मदरलैंड संवाददाता

फोटो-४

हरिद्वार ! पन्ना लाल भल्ला म्युनिसिपल इंटर कॉलेज हरिद्वार में प्रतिभा दिवस के उपलक्ष में छात्र छात्राओं द्वारा अपनी प्रतिभा के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी रूचि के अनुसार प्रतिभा दिखाई ! इस अवसर विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन ओपी गोनियाल ने छात्र छात्राओं को शुभाशीष एवं उनका उत्साहवर्धन किया।विद्यालय प्रांगण में ही छात्र छात्राओं ने रंगोली तैयार करना, मेहंदी लगाना आदि का भी आयोजन किया और छात्र छात्राओं ने बड़े रुचि के साथ प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा को दिखाया।इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा और छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। छात्र छात्राओं ने अपनी कला और रूचि के अनुसार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसका विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश के लिए आऐ अभिभावको ने भी सराहा तथा कहा कि जिस विद्यालय में इस प्रकार की क्रिया विधि और रचनात्मक कार्य होते हैं वहां बच्चों की प्रतिभा भी एक अलग अंदाज में निखर कर आती हैं। हमें ऐसे ही विद्यालय में अपने बच्चों का प्रवेश कराना चाहिए। इसी के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि आप भी हमें कुछ अच्छे सुझाव दें जिससे हम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभाओं को और निखार सके और उनका भविष्य तय करने में मदद कर सकें। किसी भी विद्यालय से यदि किसी भी छात्र छात्रा का कहीं अच्छी जगह अच्छे पद पर चयन होता है तो जहां विद्यालय का मान सम्मान बढ़ता है वहीं छात्रों के माता-पिता का भी सम्मान बढ़ता है। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता अनिल शर्मा और त्रिलोकचंद ने भी छात्रों को बधाई दी और उनकी प्रशंसा करते हुए कहा निकट भविष्य में छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए वो और अच्छी तरह से प्रयास करेंगे। जिससे छात्र छात्राएं अपनी प्रतिभा को और अच्छी तरह से निखार सकें। जो उनके भविष्य निर्माण में सहायक साबित हो।

एक्शन में महापौर, सड़क एवं जलभराव का किया औचक निरीक्षण

अधिकारियों की लगाई क्लास, त्वरित कारवाई के दिए निर्देश

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋषिकेश महापौर अनिता ममगाई शनिवार को एक्शन में दिखी। उन्होंने ताबड़तोड़ दो जगहों पर जल भराव एवं खस्ताहाल सड़क का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान मेयर ने अधिकारियों की जमकर क्लास भी लगाई। शनिवार को उमस भरे मौसम के बीच नगर निगम महापौर ने सफाई व्यवस्था, सड़क और हरिद्वार रोड़ स्थित पुरानी चुंगी पर जलभराव की स्थिति का लिया जायजा लिया। मौके पर उन्होंने अभियंताओं को तलब कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया। इसके अलावा मेयर ने पुरानी चुंगी के नाले तथा इससे प्रभावित एसबीएम काम्प्लेक्स के इर्द-गिर्द क्षेत्र में जलभराव की स्थिति परखी। उन्होंने बताया कि एनएच द्वारा बनाये गये नाले का लेवल सही ना होने की वजह से समस्या गहराई है जिसके लिए आवश्यक कारवाई के मुक्म्मल इंतजाम करने के निर्देश दिए गये हैं। इसके अलावा सम्बधित विभागों को बैठक आहुत कर समस्या के स्थाई समाधान के लिए भी निर्देशित किया गया है। इससे पूर्व लोगों की शिकायत का संज्ञान लेकर पुराने रेलवे स्टेशन की खस्ताहाल सड़क का जायेजा लेने पहुंची महापौर ने बिना समय गवाये रेलवे विभाग के अधिकारियों को मौके पर तलब कर लिया। महापौर द्वारा गड्ढेनुमा सड़क के बाबत पूछे जाने पर अधिकारियों द्वारा बताया गया कि तकरीबन छह माह पूर्व सड़क का निर्माण कराया गया था। अधिकारियों की बातों से असंतुष्ट मेयर ने उन्हें स्पष्ट लहजे में कहा कि सड़क की बदतर हालत साफ इशारा कर रही है कि यह निर्माण के एक पखवाड़े में ही उधड़नी शुरू हो गई होगी। उन्होंने अधिकारियों को बताया यह मार्ग ना सिर्फ तहसील एवं तमाम विभागों की और जाने वाला मुख्य मार्ग है बल्कि देहरादून सहित इंदिरा नगर कालौनी जाने वाले हजारों लोग भी यही से रोज गुजरते हैं। इस मार्ग की खस्ताहाल सड़क हादसों को न्यौता दे रही है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से चार घंटे के भीतर सड़क के निर्माण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने किया उपन्यास 'भंवर एक प्रेम कहानी' का विमोचन

उत्तराखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी ने लिखा है उपन्यास

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सर्वे चैक स्थित आईआरडीटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी द्वारा लिखित उपन्यास ह्यह्यभंवर एक प्रेम कहानीह्लह्ल का विमोचन किया। अनिल रतूड़ी द्वारा लिखित 350 पृष्ठों का यह उपन्यास विनसर प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपन्यास के लेखक अनिल रतूड़ी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक वदीर्धारी अधिकारी जब एक प्रेम कथा लिखते हैं, तो इससे अनुमान लगाया जा सकता है की इनके हृदय में किस तरह के भाव होंगे। इस उपन्यास में उन्होंने अपने जीवन में घटित सभी संस्मरणों एवं अनुभूतियों का वर्णन किया है। अपने कार्यों के साथ उन्होंने जिस तरह अपनी साहित्यिक अनुभूतियों को बचा कर रखा वह प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा की इस उपन्यास के माध्यम से मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को दशार्ने का सराहनीय प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य तब ज्यादा अच्छा होता है, जब हम उस कार्य को करने के लिए स्वतंत्र हों। कार्य की स्वतंत्रता के लिए जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति सुविधा का दास न बने। मुख्यमंत्री ने ह्यह्यभंवर एक प्रेम कहानीह्लह्ल उपन्यास के कुछ मुख्य अंशों का जिक्र भी किया। पूर्व मुख्य सचिव नृप सिंह नपलच्याल, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ. सुधा रानी पांडे एवं ललित मोहन रयाल ने उपन्यास ह्यह्यभंवर एक प्रेम कहानीह्लह्ल की विस्तार से समीक्षा की। ह्यह्यभंवर एक प्रेम कहानीह्लह्ल उपन्यास के विमोचन के अवसर पर साहित्यकार एवं कवि पद्मश्री लीलाधर जगूड़ी, उपन्यास के लेखक अनिल रतूड़ी, मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू, पूर्व मुख्य सचिव एस रामास्वामी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, साहित्यकार डॉ. राम विनय सिंह मौजूद थे।

भाजपा केंद्र सरकार की आठवीं वर्षगांठ पर प्रदेश प्रभारी जाकिर हुसैन का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

● भाजपा शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तराखंड 30 से 15 जून तक कार्यक्रमों का करेगा आयोजन

देहरादून, एजेंसी। अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकताओं ने सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण पर्व भाजपा केंद्र सरकार की आठवीं वर्षगांठ पर प्रदेश प्रभारी जाकिर हुसैन का कार्यकताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रईस अंसारी ने बताया कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तराखंड 30 मई से 15 जून तक कार्यक्रम किए जाएंगे और इसको पर्व की तरह मनाने के लिए हमारे बीच भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण पर्व के उत्तराखंड प्रभारी चैधरी जाकिर हुसैन आज भाजपा प्रदेश कार्यालय बलबीर रोड में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि जिनके स्वागत के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकता मौजूद रहे। मौजूद कार्यकताओं ने अपने प्रभारी का स्वागत एवं अभिनंदन किया साथ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गुलाम ए मुस्तफा का भी स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रभारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया और कार्यकताओं ने अपने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और गुलाम-ए-मुस्तफा से बहुत कुछ सीखा है। इस अवसर पर कार्यक्रम में नाजिम राठी, मुजस्सिम, अनीस अहमद, अनीश गौड, राव बिलाल अहमद, सबीना सिद्दीकी, शाहिद राज्य आंदोलनकारी उत्तराखंड, शमशाद अहमद राव, जमीर, अंकुर जैन, आमिर कुरैशी, रईस खान, साजिद मलिक आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

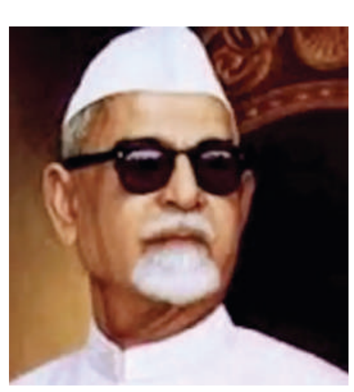

उत्तराखंड क्रांति दल के दिव्यांग प्रकोष्ठ ने डीएम को दिया ज्ञापन

● ज्ञापन में इलेक्ट्रिक बसों में तथा परिवहन विभाग की उ.प्र. की बसों में यूडी आईडी के न चलने का किया जिक्र

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड क्रांति दल के दिव्यांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष जिला देहरादून सुमित डंगवाल द्वारा एक ज्ञापन जिलाधिकारी देहरादून को दिव्यांग जनों के स्मार्ट सिटी की इलेक्ट्रिक बसों में तथा परिवहन विभाग की उत्तर प्रदेश की बसों में यूडी आईडी के न चलने के संबंध में दिया गया। इस अवसर पर ज्ञापन में कहा गया कि रायपुर से सेलाकुई की तरफ तथा राजपुर से सेलाकुई की तरफ जाने वाली इलेक्ट्रिक बसों में तथा परिवहन विभाग की बसों में दिव्यांग जनों की यूडी आईडी नहीं ली जा रही है, जिससे कि दिव्यांगजन काफी परेशान हैं। ज्ञापन में कहा गया कि बकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनवरी 2022 में कहा था कि उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड परिवहन विभाग की बसों में यूडी आईडी ली जाएगी, जबकि वर्तमान में मात्र उत्तराखंड परिवहन विभाग की बसों में यूडी आईडी ली जा रही है। इस अवसर पर दल की कार्यकारी जिलाध्यक्ष किरन रावत कश्यप एडवोकेट ने कहा कि सरकार को तुरंत ही स्मार्ट सिटी के इलेक्ट्रिक बसों में तथा उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की बसों में यूडी आईडी प्रारंभ करने के लिए तुरंत संबंधित विभागों में नोटिस जारी किए जाने चाहिए जिससे कि दिव्यांग जनों को असुविधा का सामना करना पड़े। जिस पर जिलाधिकारी देहरादून ने तुरंत संज्ञान लेकर कार्यवा ही की।

चार धाम यात्रियों और पर्यटकों के आने से बढ़ा यातायात का दबाव

मसूरी, एजेंसी। पर्यटक सीजन के दौरान जहां एक और भारी संख्या में पर्यटक मसूरी का रुख कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर चार धाम यात्रा को लेकर भी हजारों की संख्या में पर्यटक इसी मार्ग से आवागमन कर रहे हैं। जबकि पूर्व में एसएसपी जन्मेजय खंडूरी द्वारा आयोजित बैठक में निर्देशित किया गया था कि मसूरी में यातायात का दबाव कम हो इसके लिए चार धाम के लिए जाने वाली बसों और बड़े वाहनों को विकास नगर के रास्ते भेजा जाए। लेकिन उसके बावजूद भी कई बड़ी बसें और भारी वाहन मसूरी देहरादून के रास्ते अपने गंतव्य को जा रहे हैं जिससे पर्यटन नगरी मसूरी में यातायात का दबाव बढ़ गया है। बताते चलें कि शनिवार और रविवार को भारी संख्या में पर्यटक मसूरी की ओर रुख करते हैं। ऐसे में पर्यटकों के साथ ही चार धाम यात्रा के लिए जाने वाले यात्रियों के आने से लगातार जाम की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे निजात दिलाने के लिए पुलिस कर्मियों को भी खासी मशक्कत करनी पड़ती है। चार धाम यात्रा जाने वाले यात्रियों के लिए जहां ग्रीन कार्ड एवं रजिस्ट्रेशन के बाद ही जाने की अनुमति दी जाती है, वहीं सरकार द्वारा ट्रिप कार्ड की भी व्यवस्था की गई है जिसके अंतर्गत सभी वाहन स्वामियों को ट्रिप कार्ड के तहत सभी यात्रियों का रजिस्ट्रेशन करना पड़ता है। लेकिन जानकारी के अभाव में चेक पोस्टों पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें साइबर कैफे जाकर ट्रिप कार्ड में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ रहा है जिससे यात्रियों को घंटों खड़ा रहना पड़ रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आरटीओ परिवहन कर अधिकारी प्रज्ञा पंत ने बताया कि पर्यटन विभाग के रजिस्ट्रेशन में नियम शर्तों के तहत ही यात्रियों को आने की अनुमति दी जा रही है जिसके तहत यात्रियों के रजिस्ट्रेशन के साथ ही ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड की भी जानकारी भी दी गई है। लेकिन कई लोगों द्वारा ट्रिप कार्ड में यात्रियों का रजिस्ट्रेशन नहीं किया गया है जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा की चार धाम यात्रा में जाने के लिए भारी संख्या में यात्री आ रहे हैं साथ ही पर्यटक भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं जिससे कई बार जाम की स्थिति बन रही है लेकिन परिवहन विभाग के कर्मचारियों द्वारा व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। उन्होंने बताया की प्रतिदिन लगभग 200 के करीब टैक्सी मैक्सी वाहन चार धाम यात्रा के लिए जा रहे हैं और पूरी जांच के बाद ही यात्रियों को आगे बढ़ाने दिया जा रहा है ताकि उन्हे आगे किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने बताया की यात्रियों के लिए पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर पूरी जानकारी दी गई है और सुबह दस बजे से लेकर रात आठ बजे तक यह जानकारी प्राप्त की जा सकती है। ट्रिप कार्ड के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया की वाहन स्वामियों को यात्रियों की संख्या और उनके नाम पर्यटन विभाग में देने के बाद ही ट्रिप कार्ड बनाया जाता है ताकि रास्ते में यदि किसी भी प्रकार की आपदा और दुर्घटना के दौरान यात्रियों की पूरी जानकारी विभाग के पास उपलब्ध हो सके।

आज खुलेंगे सिखों के प्रसिद्ध तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट

जोशीमठ, एजेंसी। सिखों के प्रसिद्ध तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट 22 मई को खुलने जा रहे हैं। 21 मई को तीर्थ यात्रियों के पहला जत्थे को गोविंदघाट से पंच प्यारों की अगुवाई में रवाना हुआ। शनिवार को जत्था घांघरिया में विश्राम करेगा और उसके बाद रविवार को प्रातः काल पंच प्यारों की अगुवाई में हेमकुंड साहिब पहुंचेगा। वहां पहुंचते ही कपाट विधिवत तरीके से खोल दिए जाएंगे। इधर, कपाट खुलने के एक दिन पहले ही हेमकुंड साहिब में मौसम बदलता दिखने लगा है।

हेमकुंड गुरुद्वारा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह बिंद्रा ने बताया कि उत्तराखंड में स्थित हेमकुंड साहिब के कपाट इस साल खुलने से पहले गोविंदघाट में अरदास, सबद कीर्तन और हुकुमनामा लिया। उसके बाद हजारों की संख्या में तीर्थयात्री रवाना हुए। इस बार हेमकुंड साहिब में 5000 तीर्थयात्री 1 दिन में दर्शन कर पाएंगे। यात्रियों की बढ़ती संख्या और व्यवस्थाओं को देखकर यह फैसला लिया गया है। साथ ही, यात्रियों के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है।

हेमकुंड यात्रा पर आने वालों का कहना है कि पिछले साल तक कोरोना महामारी के चलते धाम नहीं पहुंच पाए थे, लेकिन इस बार भारी उत्साह के साथ एक बार फिर मत्था टेकने के लिए पहुंच रहे हैं।

पहाड़ों में मौसम और एक बार करवट लेता दिख रहा है। हेमकुंड साहिब की यात्रा से एक दिन पहले आज 20 मई को चोटियों पर बर्फबारी शुरू हो गई। पहाड़ में मौसम बदला तब तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी भी हुई। हेमकुंड की साथ ही बद्रीनाथ धाम की चोटियों पर भी बर्फ गिर रही है। गौरतलब है कि मौसम विभाग ने 21 से 24 मई तक के लिए बारिश और आंधी तूफान का अलर्ट उत्तराखंड के कई पहाड़ी इलाकों के लिए जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, श्री सत्य पाल जैन के घर पधारे

मदरलैंड संवाददाता, चण्डीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय आज सांय चण्डीगढ़ के पूर्व सांसद एवं भारत सरकार के अपर महासालिसिटर श्री सत्य पाल जैन के निवास पर पधारे। श्री जैन के परिवार के सदस्यों में जिनमें उनका बेटा धीरज जैन, पुत्रबधु डॉ0 सायना कांसल जैन एवं उनकी दोनों पोतियों आध्या जैन एवं अनाईसा जैन ने श्री बंडारू दत्तात्रेय का स्वागत किया। श्री जैन ने बताया कि ये पूर्णता पारिवारिक भेंट थी। राज्यपाल लगभग एक घंटा श्री जैन के निवास पर रूके तथा उन्होंने परिवार के साथ जलपान भी किया।

उप पुलिस अधीक्षक ने नशा मुक्ति अभियान चलाकर लोगों को किया जागरूक

मदरलैंड संवाददाता, हांसी। नितिका गहलोत के कुशल नेतृत्व में कार्य करते हुए उप पुलिस अधीक्षक श्री राज सिंह ने थाना बास के अंतर्गत आने वाले गांव मोहल्ला में नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया है। इस अवसर पर श्री राज सिंह ने नशे के नुकसान बारे आम जनता को जागरूक किया तथा कहा कि नशा छोड़ने वालों की लिस्ट बना रहे हैं सरकार मुफ्त में दवाई दिलवा रही है। उन्होंने कहा कि आज युवा गांव का गौरव बनाए रखें इस के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहना पड़ता है व अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से निभानी पड़ती है। जिम्मेदारी अपने घर परिवार से शुरू होती है व अपने बच्चों को अच्छा माहौल दें, शिक्षा दे, संस्कार दें व कामयाब व संस्कारी बनाएं उन्होंने कहा कि आज युवाओं में बढ़ता ड्रग की लत का प्रचलन व हिंसा चुनौती है इस चुनौती से निपटने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा अगर हम निष्ठा से कार्य करेंगे तो परिणाम भी अच्छे मिलेंगे उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि जल्द ही गांव बास को ड्रग एवं हिस्सा मुक्त बना देंगे इस अवसर पर प्रबन्धक अफसर थाना बास व गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जब तक अध्यापक स्वयं ई ज्ञान प्राप्त नहीं करेगा तो छात्र छात्राओं को कैसे ज्ञान दे पाएगा -एसडीएम सुरेंद्र सिंह

मदरलैंड संवाददाता, कनीना। ट्रेनिंग में मन लगाकर हर प्रोग्राम को सीखना चाहिए ताकि हम प्रशिक्षण में अर्जित किए गए ज्ञान को छात्र-छात्राओं तक आसानी से पहुंचा सके। यह कहना है उपमंडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह का आज उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना में चल रहे तीन दिवसीय अध्यापक प्रशिक्षण प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए व्यक्त किए। उन्होंने अध्यापकगणों को बताया कि जब भी सरकार द्वारा किसी भी तरह का कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है तो उसमें हमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और पूरा मन लगाकर उसे सीखना चाहिए क्योंकि जब तक हम उसे नहीं सीखेंगे तब तक हम अपने छात्र और छात्राओं तक उसे कैसे पहुंचा पाएंगे। इसलिए हमें प्रशिक्षण प्रोग्राम में नियमित आना चाहिए और पूरा समय देते हुए उसे ध्यान से सीखने का पूरा प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर इनके साथ जिला समन्वय संयोजक राजबाला यादव, खंड शिक्षा अधिकारी राज सिंह यादव कनीना मंडी स्कूल के प्राचार्य रामपाल यादव, एबीआरसी विक्रम सिंह के अलावा अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। उन्होंने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राथमिक शिक्षकों के लिए आरह से 20 तक तीन दिवसीय चलाया गया है ताकि इसमें सभी शिक्षक प्रशिक्षण लेकर अपने अपने स्कूलों में छात्र छात्राओं को ज्ञान अर्जित करा सकें। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य खेल खेल में शिक्षा देना तथा सरल तरीके से छात्र-छात्राओं को समझाना है ताकि छात्र छात्राओं के मन पर शिक्षा का ज्ञान डरने बने और वह खेल खेल में शिक्षा रूपी ज्ञान को सीख जाएं। इस कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षण के रूप में संदीप जाखड़ सुनील जांगड़ा, सुमित्रा, सुनील कुमार ने प्रशिक्षण देकर अध्यापकों को लाभान्वित किया। इस अवसर पर कनीना के उप मंडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण लेने वाले अध्यापकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए।

राजीव गांधी ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया: देवेंद्र हुडीना

» अशोक सैनी, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया। वे भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन हमारे दिलों में आज भी जिंदा हैं। राजीव गांधी ने उन्नीसवीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा और उसे साकार भी कर दिखाया। यह उद्गार चौ. सुरेंद्र सिंह मैमोरियल क्लब के जिला प्रधान एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता देवेंद्र हुडीना ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर निजामुपर रोड पर शांति अस्पताल के समीप स्थित कार्यालय में श्रद्धांजलि अवसर पर व्यक्त किए।

देवेंद्र हुडीना ने कहा कि स्वभाव से गंभीर, लेकिन आधुनिक सोच और निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता वाले राजीव गांधी को देश को दुनिया की उच्च तकनीकों से पूर्ण करना चाहते थे। वह बार-बार कहते थे कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के साथ ही उनका बड़ा मकसद इक्कीसवी सदी के भारत का निर्माण करना है। ऐसा उन्होंने अपने जीते जी करके भी दिखाया और देश में कई क्षेत्रों में नई पहल की, जिनमें संचार क्रांति और कंप्यूटर क्रांति के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार, 18 साल के युवाओं को वोटिंग का अधिकार तथा पंचायती राज सिस्टम आदि शामिल हैं। वह देश की कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं और वह युवाओं में खासे लोकप्रिय थे। महज 40 साल की उम्र में देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री भी बने। वह आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं तथा उनके नक्शे-कदम पर चलते हुए देश एवं समाज सेवा करते रहेंगे।

इस मौके पर चौ. चंद्रप्रकाश एडवोकेट, ओपी सैनी, राजेंद्र शर्मा, होशियार सैनी, चौधरी सुल्तान सिंह, विनोद मेई, दादा वीरसिंह, बीरसिंह बौहराजी, प्रीत्तम बडेसरा, बबल गहली, अशोक यादव, जितेंद्र दहिया, चंद्रभान सरपंच, युवा नेता आनंद, मोनू पंच एवं मनोज बलाहा आदि मौजूद थे।

आउटसोर्स वर्कर्स का डीसी रेट 21 फीसदी बढ़ाया जाए

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चण्डीगढ़। आज सेनेटरी इंस्टालेशन वर्कर्स यूनियन पब्लिक हेल्थ चंडीगढ़ की बैठक कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में मेंटेनेंस बूथ सेक्टर 35 में हुई। और बैठक में फैसला किया के कर्मचारी ज्वाइंट एक्शन कमेटी के आह्वान पर चंडीगढ़ प्रसाशन के खिलाफ होने वाले प्रदर्शनों में शामिल होंगे। यूनियन के चेयरमैन महिपाल प्रधान कुलदीप सिंह और जनरल सेक्रेटरी नछत्तर सिंह ने कहा कि चंडीगढ़ प्रसाशन कर्मचारियों की मांगों को पूरा नही कर रहा जिस कारण कर्मचारियों में बहुत रोष है। बैठक में चंडीगढ़ प्रसाशन से मांग की आउटसोर्स वर्कर्स के डीसी रेट में 21 फीसदी बढ़ोतरी जल्द की जाए, जेम राही आ रहे ठेकेदार आउटसोर्स वर्कर्स का आर्थिक शोषण कर रहे हैं उनसे 8 से 10 हजार रुपए ले रहे उनको रोका जाए, डेली वेज वर्कर्स को पक्का किया जाए, खाली पदों को जल्द भरा जाए, छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2016 से कर्मचारियों को एरियर दिया जाए। नेताओ ने कहा कि मांगो को मनवाने के लिए ज्वाइंट एक्शन कमेटी 1 जून को पहला धरना प्रदर्शन एमसी कार्यलय के बाहर करेगी और 14 जून को गवर्नर हाउस की और कूच किया जाएगा। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के कंवीनर अशवनी कुमार ने कहा के ज्वाइंट एक्शन कमेटी लंबे समय से कर्मचारियों की मांगों को चंडीगढ़ प्रसाशन और नगर निगम के अधिकारियों के समक्ष लगातार उठा रहे पर कर्मचारियों की मांगों को पूरा नही किया जा रहा। जिस कारण कर्मचारियों को आंदोलन के रास्ते जाना पड़ रहा है। उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासक से मांग की कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने के लिए कर्मचारी नेताओ से बात कर कर्मचारियों की मांगों को पूरा किया जाए।

दुलोठ अहीर की छात्रा ने पाई नेशनल परीक्षा में सफलता

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुलोठ अहिर की छात्रा युगवंती पुत्री गजेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय आय- सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इस सफलता पर प्राचार्य युधिष्ठिर व समस्त स्टाफ ने छात्रा को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा समस्त स्टाफ ने छात्रा को ट्रोफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रवक्ता धर्म सिंह ने बताया कि यह एक केन्द्र द्वारा प्रायोजित स्कोलरशिप योजना हैम इसके अंतर्गत लगभग एक लाख छात्रों को स्कोलरशिप दी जाती है। वइसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप हर वर्ष 12000 रुपये की राशि छात्रों के सीधे खाते में डाली जाती है। इसके लिए एक परीक्षा आयोजित की जाती है। प्राचार्य ने कहा कि यह केंद्र की छात्रों के सहयोग के लिए एक अच्छी योजना है। इसमें प्रतिभाशाली छात्रों को अवश्य भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे युगवंती से प्रेरणा लेकर मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को प्रत्येक क्रियाकलाप मे भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रवक्ता दर्शन कुमार, विक्रम सिंह, ललिता, राजमंति, सुमन, रिचा, नरेश कुमार, वंदना, पवन कुमार, प्रेम, रामौतार, अनिल, परमजीत, नरेंद्र, रणधीर आदि उपस्थित थे।

जिला पुलिस की साइबर सेल टीम ने ढूंढ निकाले लोगों के 10 गुमशुदा मोबाइल फोन

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। जिला महेंद्रगढ़ पुलिस की साईबर सेल टीम ने गुम हुए 10 महंगे स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की बाजार कीमत करीब 1 लाख 54 हजार रुपए आंकी गई है। इनमें ज्यादातर मोबाइल नामी कंपनियों के हैं। जिनमें एक मोबाइल फोन की कीमत करीब 10 हजार रुपए से लेकर 50 हजार रुपए तक की है।

इस सम्बन्ध में एसपी विक्रांत भूषण ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 में पुलिस महानिदेशक हरियाणा के आदेशानुसार गुमशुदा मोबाईल को ढुँढकर उनके मालिकों को लौटाने हेतु विशेष अभियान की शुरूआत की गई थी। महेंद्रगढ़ पुलिस की टीम ने इस अभियान के तहत 10 स्मार्ट मोबाईल फोन को ढुंढकर उनके मालिकों के हवाले किया है। इससे पहले भी पुलिस द्वारा स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद करके उनके मालिकों के हवाले किए जा चुके हैं। जब गुम हुये मोबाईल उनके मालिकों के हवाले किए गए तो अपने फोन को पाकर उनके चेहरों पर खुशी की लहर आई और महेंद्रगढ़ पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज गुम हुये मोबाईल पाकर बडी खुशी मिली है।

इस सम्बन्ध में जिला पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि घर से बाहर जाते समय मोबाईल फोन को सम्भाल कर रखें और अगर मोबाईल गुम हो जाता है तो तुरंत उसकी सूचना ई दिशा केंद्र में दर्ज कराएं और उसमें मौजूद सिम कार्ड को बन्द करवाएं। जहां मोबाइल फोन मालिकों को उनके मोबाइल फोन मिलने की खुशी है वहीं उनके मोबाइल फोन अपराधी किस्म के लोगों के हत्थे चढ़ने से भी बचे हैं। पुलिस ने बताया कि जांच में अक्सर ये बात सामने आती है कि अपराधी किस्म के लोग गुमशुदा व चोरीशुदा मोबाइल का गलत कार्यों में प्रयोग करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से भी आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन को पूरी तरह सुरक्षित रखें और किसी अनजान व्यक्ति को ना सौंपे ताकि अपराधी किस्म के लोग उनका फायदा न उठा पाएं।

- पुलिस ने गुम हुए 10 महंगे मोबाइल फोन तलाश कर मालिकों को लौटाए, ज्यादातर नामी ब्रांड के हैं मोबाइल फोन, एक-एक फोन की कीमत 10 हजार से 50 हजार रुपए तक

एसडीएम मनोज कुमार ने शहर में साफ सफाई व सार्वजनिक शौचालयों का किया निरीक्षण

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। एसडीएम मनोज कुमार ने आज शहर में साफ-सफाई व विभिन्न सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के 90 प्रतिशत शौचालय बंद पाए गए तथा 10 प्रतिशत शौचालय जो खुले हुए थे उनमें सफाई की व्यवस्था बहुत ही दयनीय हालत में थी। इसके अतिरिक्त शहर में सफाई व्यवस्था भी सही ना होने के कारण एसडीएम ने नाराजगी जताई।

एसडीएम मनोज कुमार ने नगर परिषद अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में सभी सार्वजनिक शौचालय खुले होने चाहिए तथा उनमें साफ-सफाई की सही व्यवस्था होनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने रेवाड़ी रोड, रेलवे रोड, बहरोड रोड, शोभा सागर तालाब, धोबी घाट, छलक नाला, सैन चौक एक्सचेंज के पीछे आदि स्थानों पर जाकर साफ सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इन स्थानों पर साफ सफाई ना होने के कारण नाराजगी जताते हुए नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द साफ सफाई करवाई जाए। निरीक्षण के दौरान जहां जहां पर भी सफाई नहीं पाई गई वहां अधिकारियों व कर्मचारियों के स्पष्टीकरण मांगे गए।

उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-समय पर शहर के सभी क्षेत्रों में जाकर साफ-सफाई का औचक निरीक्षण करें। साथ ही उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे कूड़े को इधर उधर ना फेंके। नगर परिषद की गाड़ी प्रतिदिन सुबह उनके घर के आगे से निकलती है कूड़ा कचरा उसी गाड़ी में डालें ताकि शहर साफ सुथरा रह सके। उन्होंने कहा कि कूड़ा कचरा इधर-उधर डालने से शहर में गंदगी तो फैलती ही है साथ में विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैलने का भी डर रहता है।

राजीव गांधी ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया: देवेंद्र हुडीना

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने लोगों के दिलों पर राज किया। वे भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन हमारे दिलों में आज भी जिंदा हैं। राजीव गांधी ने उन्नीसवीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा और उसे साकार भी कर दिखाया। यह उद्गार चौ. सुरेंद्र सिंह मैमोरियल क्लब के जिला प्रधान एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता देवेंद्र हुडीना ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर निजामुपर रोड पर शांति अस्पताल के समीप स्थित कार्यालय में श्रद्धांजलि अवसर पर व्यक्त किए।

देवेंद्र हुडीना ने कहा कि स्वभाव से गंभीर, लेकिन आधुनिक सोच और निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता वाले राजीव गांधी को देश को दुनिया की उच्च तकनीकों से पूर्ण करना चाहते थे। वह बार-बार कहते थे कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के साथ ही उनका बड़ा मकसद इक्कीसवी सदी के भारत का निर्माण करना है। ऐसा उन्होंने अपने जीते जी करके भी दिखाया और देश में कई क्षेत्रों में नई पहल की, जिनमें संचार क्रांति और कंप्यूटर क्रांति के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार, 18 साल के युवाओं को वोटिंग का अधिकार तथा पंचायती राज सिस्टम आदि शामिल हैं। वह देश की कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं और वह युवाओं में खासे लोकप्रिय थे। महज 40 साल की उम्र में देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री भी बने। वह आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं तथा उनके नक्शे-कदम पर चलते हुए देश एवं समाज सेवा करते रहेंगे।

इस मौके पर चौ. चंद्रप्रकाश एडवोकेट, ओपी सैनी, राजेंद्र शर्मा, होशियार सैनी, चौधरी सुल्तान सिंह, विनोदमेई, दादावीरसिंह, बीरसिंह बौहराजी, प्रीत्तम बडेसरा, बबल गहली, अशोक यादव, जितेंद्र दहिया, चंद्रभान सरपंच, युवा नेता आनंद, मोनू पंच एवं मनोज बलाहा आदि मौजूद थे।

फ्रेशर पार्टी में झूम उठा अग्रोहा मेडिकल

» मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

हांसी। खिलखिलाते मुस्कुराते चेहरे, थिरकते कदम, रैंप पर अदाओं का जलवा और सारी टेंशन भूलकर हुल्लड़ मचाती छात्राएं। मौका था महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ नर्सिंग की फ्रेशर पार्टी का जहां नर्सिंग छात्राओं ने ओ पी जिंदल ऑडिटोरियम में हर शख्स को अपने रंग में रंग दिया। अग्रोहा मेडिकल में शुक्रवार शाम को आयोजित पार्टी में छात्राओं ने जमकर धमाल मचाया। एक ओर छात्राओं ने नृत्य और गायन की विभिन्न प्रस्तुतियों से अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया वहीं दूसरी ओर विभिन्न परिधानों में रैंप वॉक ने शाम में चार चांद लगा दिए। फ्रेशर पार्टी से उठ रहे तेज संगीत और छात्राओं की खुशी की किलकारीयों ने महाविद्यालय परिसर को कई घंटों के लिए जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का परिचय व स्वागत कॉलेज प्रिंसिपल डॉ प्रमिला पांडे ने सदन के समक्ष कराते हुए कार्यक्रम को शुरू किया।

राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स व महाविद्यालय के सीईओ एयर मार्शल डॉ आरके रान्याल ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शिरकत की। जनरल डीपी वत्स ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन सबके लिए यादगार बनने वाला है। यह महाविद्यालय आपके विकास को नए आयाम देते हुए आपके सपने पूरे करेगा। उन्होंने कहा कि नर्स का प्रोफेशन पूरे मेडिकल की आत्मा की तरह होता है। इस दौरान डॉ वत्स ने आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज के कमांडिंग ऑफिसर रहने के दौरान के अनुभव भी साझा किए। वहीं बतौर विशिष्ट अतिथि शैल रानयाल, महाविद्यालय निदेशक डॉ अलका छाबड़ा व पैरामेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ आशुतोष शर्मा ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया और उन्हें पूरी लगन से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के आकर्षण

राधा कृष्ण की नोक झोंक दिखाता ग्रुप डांस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। वहीं पंजाब राजस्थान और हरियाणा की साझा संस्कृति को भी छात्राओं ने मंच पर बखूबी उकेरा। भांगड़ा ढोल की थाप पर जहां पूरा सदन थिरकता नजर आया वहीं राजस्थान के ठाठ बाट और हरियाणा के गानों ने भी सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। बॉलीवुड ग्रुप डांस और फनी डांस की प्रस्तुति ने पूरे सदन को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया तो पंजाबी और हरियाणवी के फ्यूजन ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम को जीवंत बनाने के लिए छात्रा पारुल, पुष्पदीप, मीनाक्षी, रिया, तमन्ना, निधि, किरण आदि ने अपनी क्रिएटिविटी को सबके सामने बखूबी पेश किया।

कार्यक्रमों के बीच फ्रेशर्स ने रैंप वॉक भी किया जिसमें प्रथम वर्ष की छात्राओं ने अपने अटूट आत्मविश्वास का परिचय दिया साथ ही जजेस द्वारा पूछे गए सवालों का भी बढ़-चढ़कर उत्तर दिया।

पारुल, ईशा और मनीषा रही मिस फ्रेशर

कार्यक्रम के अंत में फ्रेशर्स का परिणाम भी घोषित किया गया जिसमें विभिन्न संकायों से पारुल, ईशा और मनीषा के सर मिस फ्रेशर का ताज सजा तो दिव्या सुनैना और पुष्पदीप रनर अप रही। मंच संचालन छात्रा नैन्सी, किरण और पारुल ने बड़ी कुशलता से करते हुए कार्यक्रम को सजीव बनाए रखा।

ये रहे मौजूद

इस दौरान कार्यक्रम में मेडिकल सुपरीटेंडेंट नजीर अहमद पंडित, डिप्टी मेडिकल सुपरीटेंडेंट राकेश चौहान, डॉ शमशेर मलिक, डॉक्टर आरके गोयल, प्रोफेसर पूनम शर्मा, प्रोफेसर शिखा पाहुजा, ममता, मुनेश, अनुप्रभा, नीलम, भावना, आशा आदि मौजूद रहे।

नारनौल के मशहूर बीरबल के छत्ते के जीर्णोद्धार कार्य का चीफ इंजीनियर ने किया निरीक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। शाहजहां के का शासनकाल में वर्ष 1626 से 1656 में बने नारनौल में स्थित छत्ता राय मुकुंद दास जिसे बीरबल का छत्ता भी कहा जाता है का जीर्णोद्धार कार्य सवानी हेरिटेज कंस्ट्रक्शन कंपनी मुंबई द्वारा शुरू कर दिया गया है। जिसका निरीक्षण करने के लिए कंपनी के चीफ इंजीनियर रामसिंह सवानी मुंबई से नारनौल आए। उन्होंने अब तक चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। स्थानीय प्रोजेक्ट इंचार्ज दिनेश कुमार ने बताया कि छत्ते की इमारत काफी पुरानी हो गई है। बरसात में छत से पानी रिसाव होकर नीचे के कमरों में पहुंचता रहा है, इसको ठीक करने के लिए काफी परेशानी आ रही है। क्योंकि छत काफी क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। दिनेश कुमार ने बताया कि बीरबल के छत्ते के जीर्णोद्धार में सीमेंट का कोई इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। जीर्णोद्धार में चूना, सुर्खी, बेलगिरी, गोंद, उड़द दाल, गुड़ का शीरा आदि प्रयोग में लाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरी इमारत पत्थरों से बनी हुई है और ईमारत का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त है। उन्होंने बताया कि छतरी की जलियाँ, जालीदार खिड़कियां एवं दीवारों की बेल बूटी चित्रकारी को वही रूप दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त रंग रोगन लाइट व फव्वारा आदि का कार्य भी पूर्ण किया जाएगा उन्होंने बताया कि अली जान की बावड़ी का कार्य भी सवानी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा ही किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कंपनी द्वारा पूरे देश में 28 हेरिटेज इमारतों में मरम्मत का कार्य चल रहा है। गौरतलब है कि नारनौल से विधायक एवं हरियाणा सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव की पहल पर क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत एवं प्राचीन स्मारकों के संरक्षण हेतु दोनों ही इमारतों के लिए सरकार ने 3- 3 करोड रुपए स्वीकृत किए हैं।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

मनुष्यों की ही भांति जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न पुस्तक में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। अगर विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्त्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

संपादकीय

पाक-चीन की उड़ी नींद

अमेरिका ने खबर दी है कि भारत जल्द ही रूस से मिले मिसाइल सिस्टम एस-400 को पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात करने वाला है। यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत इसे कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके बत्तीस विमानों को मार कर गिरा सकती है। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है, मगर वह भी एक ब्रह्मास्त्र से खौफ खाता है। वह है रूस का एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली। भारत ने रूस से इसका सौदा किया तो अमेरिका का पारा चढ़ गया। असल में एस-400 की तैनाती का मतलब है, देश की सुरक्षा की गारंटी और इस मिसाइल के प्रहार का मतलब है, आसमान में अभेद्य कवच। यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत मिसाइल रक्षा प्रणाली को कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके 32 विमानों को मार कर गिरा सकता है। इस रक्षा प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है सीमा पर इस रक्षा प्रणाली की तैनाती से चीन और पाकिस्तान पर होने वाला असर, क्योंकि यही हमारे दुश्मन देश हैं। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। इस संबंध में अमेरिका में 2017 में एक कानून लाया गया था, ताकि अगर कोई देश विरोध के बावजूद रूस से कोई रक्षा सौदा करता है तो उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। सवाल है कि क्या अमेरिका अब भारत पर भी प्रतिबंध लगाएगा? भारत को एस-400 की कुल पांच रेजीमेंट मिलने वाली हैं, जिनमें पांच मोबाइल कमांड सेंटर, दस रडार और दस लांचर होंगे। यानी पाकिस्तान और चीन भारत पर हवाई हमला करने के बारे में अब शायद सोच भी नहीं पाएंगे। अमेरिका शुरू से ही नहीं चाहता था कि भारत कभी रूस से इस मिसाइल रक्षा प्रणाली को खरीदे। अमेरिका में 2017 में एक कानून आया था कि अगर कोई देश रूस के साथ हथियारों का सौदा करता है तो उसे प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस कानून को वहां ह्यकाउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्टज कहते हैं। अमेरिका ने यह कानून हथियारों के निर्यात में रूस को कमजोर करने के लिए बनाया था। अभी पूरी दुनिया में हथियारों का सबसे ज्यादा 37 प्रतिशत निर्यात अमेरिका करता है। रूस की हथियारों के बाजार में हिस्सेदारी बीस प्रतिशत के आसपास है। 2018 में जब चीन ने रूस से यही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने चीन पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इसी तरह तुर्की ने भी यह प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे।

केंद्र सरकार की एकात्म राष्ट्रवाद की नीति से पूर्वोत्तर के 60 % भूभाग से हटा आफ्सपा

डॉ. विश्वास चौहान

भारत की वर्तमान मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर को भारत का अभिन्न अंग मानते हुए वहां विकास एवं जनता से आत्मीयता और प्रेम का व्यवहार किया । यही कारण रहा कि 2016 के बाद से अबतक राज्य में 3439 चरमपंथियों ने आत्मसमर्पण किया है . वर्तमान में भी अल्फा (प्रो-टॉक), कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी, यूनाइटेड कुकीगाम डिफेंस आर्मी, हमार पीपुल्स कन्वेंशन- डेमोक्रेटिक सहित 11 चरमपंथी संगठनों के साथ शांति वार्ता कर रही है . कुल मिलाकर उक्त भूमिका का लब्बो लुआब यह है कि भारत के कई क्षेत्रो में अशांति फैली हुई थी। मोदी सरकार के आने के बाद से नहीं, बल्कि नेहरू के समय से ही। यह तो सबको पता है कि कश्मीर घाटी में भी अलगाववाद नेहरू के समय शुरू हुआ।

भारत का पूर्वोत्तर सर्वाधिक दहकता हुआ क्षेत्र माना जाता था। करीब 250 प्रजातियां अपने पहचान की लड़ाई में एक-दूसरे के साथ साथ सरकारों से भी नाराज रहती आयी हैं। इनमें कुछ तो अलगाव वाद की हद से आगे जाकर भारत से भी अलग होना चाहती थी ।

निरन्तर घुसपैठ के कारण अब यहां धार्मिक आधार पर हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों का अनुपात कमोवेश बराबर का हो चुका है। घुसपैठ ज्यादातर बांग्लादेश या पुराने पूर्वी पाकिस्तान से होती रही है।

दिल्ली स्थित राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस ग्रुप के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में भारत के आंतरिक सीमा विवादों में 2000 से अधिक मौतें और 85,000 से अधिक विस्थापन हुए हैं । यद्यपि अनौपचारिक आंकड़े अधिक हैं।

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में अशांति का कारण पूर्व की कांग्रेस सरकारों की वोट लौलुप तुष्टिकरण की राष्ट्रघाती राजनीति और विकास की उपेक्षा है ।

पूर्वोत्तर के पांच राज्यों - नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम - को 1960 के दशक में असम से अलग किया गया था।

मेरे द्वारा स्वाध्याय के अंतर्गत जब यहां की भौगोलिक इतिहास का अध्ययन किया तो पता चला कि ब्रिटिश औपनिवेशिक विरासत विशेष रूप से चाय बागान मालिकों के हितों की रक्षा के लिए बनाई गई थी । आज की कई अंतर्राज्यीय सीमाएँ कभी अंतर-जिला सीमाएँ थीं। जिला सीमाओं को आमतौर पर स्थायी रूप से तय नहीं माना जाता है। लेकिन जब नए राज्य बनाए गए तो इन परिवर्तनशील रेखाओं को निश्चित अंतर-राज्यीय सीमाओं में बदलने के परिणामों के बारे में बहुत कम सोचा गया। इस दृष्टिकोण से, शायद इन सीमाओं पर विवाद होना प्रारम्भ हो गए ।

कहा जाता है कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस ने यहां विकास पर इसलिए ध्यान नही दिया जिससे कि यहां के गरीब लोगों को ईसाई मिशनरियां मतांतरित कर ईसाई बना सकें । जिन लोगों ने विरोध किया उन्हें कांग्रेस पोषित वामपंथी माओवादियों ने हथियारों के बल पर दबाया। पचास के दशक में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने खुद यहां घुसपैठ को बढ़ावा दिया था। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने सार्वजनिक भाषण में कहा था कि वे यहां अली और कुली लाएंगे और चुनाव जीतेंगे।

कुल मिलाकर इस क्षेत्र में 2014 के पहले की भारतीय सरकारों की अदूरदर्शिता के कारण आंतरिक सीमाओं पर अशांति ही बढ़ती रही ।

स्तिथि यह थी कि चीन अरुणाचल प्रदेश के लिए अलग वीजा जारी करने लगा और कांग्रेस सरकारे उसे स्वीकृत भी करती थी ।

मणिपुर में सूर्यास्त के बाद कर्फ्यू लग जाता था, वर्षो तक यह प्रतिबंध वहां की जनता पर कांग्रेस सरकार ने लगाए रखे ।मेघालय में जातीय पहचान की समस्या थी, असम के मूल निवासी बोडो जनजातीय को घुसपैठी जेहादियों से संघर्ष करना पड़ा ।

इसी अशांति के कारण असम और केंद्र की कांग्रेस सरकारों ने यहां की जनता से आत्मीयता प्रदर्शित करने या इस भाग को भारत का हिस्सा मानकर यहां विकास पर ध्यान देने के बजाय उन्हें बलपूर्वक दबाने की नीति के तहत अलगाववाद की समस्या बताकर , सेना को कार्रवाई में मदद के लिए 11 सितंबर 1958 को सशस्त्र सेना विशेषाधिकार कानून अर्थात आफस्पा पारित किया गया था.

आपको पता ही है कि इरोम शर्मिला इसी एएफएसपीए हटाने की मांग को लेक कई वर्षों तक भूख हड़ताल पर रही ।राजीव गांधी और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बीच हुए करार को लागू करने की मांग की जाती रही । हत्याएं और अशांति बढ़ती रही।

भारत की वर्तमान मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर को भारत का अभिन्न अंग मानते हुए वहां विकास एवं जनता से आत्मीयता और प्रेम का व्यवहार किया । यही कारण रहा कि 2016 के बाद से अबतक राज्य में 3439 चरमपंथियों ने आत्मसमर्पण किया है.

वर्तमान में भी अल्फा (प्रो-टॉक), कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी, यूनाइटेड कुकीगाम डिफेंस आर्मी, हमार पीपुल्स कन्वेंशन- डेमोक्रेटिक सहित 11 चरमपंथी संगठनों के साथ शांति वार्ता कर रही है.

कुल मिलाकर उक्त भूमिका का लब्बो लुआब यह है कि भारत के कई क्षेत्रो में अशांति फैली हुई थी। मोदी सरकार के आने के बाद से नहीं, बल्कि नेहरू के समय से ही। यह तो सबको पता है कि कश्मीर घाटी में भी अलगाववाद नेहरू के समय शुरू हुआ। इसी प्रकार उत्तर पूर्व के राज्यों में अशांति भी नेहरू के समय से व्यापत है जिससे निपटने के लिए नेहरू ने अर्शेी ऋङ्घशूी२ रस्र्शिंह्ल ढङ्घद्दी१२ अू३ (सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम) वर्ष 1958 में संसद से पारित करवाया।

यह एक्ट इतना कठोर है कि जहाँ भी इस एक्ट को लागू किया जाता है, उस क्षेत्र में एक तरह से सशस्त्र बल की पावर राज्य सरकार से अधिक हो जाती है। अगर मोदी सरकार इस एक्ट को लाई होती तो उनपर तानाशाह होने का आरोप लगा दिया जाता।

यह एक्ट अभी कुछ दिनों तक पूर्वोत्तर राज्यों के बड़े भाग में लागू था। अर्थात, मोदी सरकार के पहली वाली सरकारों ने इस अशांति से निपटने का कोई प्रयास नहीं किया, बल्कि इस एक्ट को और बड़े भूभाग में लागू कर दिया। ओर कहते रहे कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोग भारत से अलगाव की भावना रखते है।

लेकिन मोदी सरकार ने इस नैरेटिव को परिवर्तित कर दिया है ।नवर्ष 2014 में सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र को राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया।

पहली बार सभी राज्य रेल लाइन से जुड़ गए है; सभी में हवाई यात्रा आरम्भ हो गयी है; सभी राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे है; उद्यम बढ़ाते जा रहे है। पहले भारत की में बनने वाली अगरबत्ती की बांस की पतली डंडी चीन एवं विएत नाम से आती थी; अब पूरे पूर्वोत्तर भारत में अगरबत्ती की डंडी बनाने की बड़ी-बड़ी फैक्ट्री खुल गयी, स्थानीय लोगो को रोजगार मिला, और बांस की डंडी का आयात बंद हो गया।

हर सप्ताह कोई ना कोई केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर राज्यों में दौरा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इस क्षेत्र के विकास कार्यो की प्रगति का रिव्यु स्वयं करते है; इस क्षेत्र के त्योहारों एवं नववर्ष पर बधाई देते है। इस क्षेत्र के दो सांसद केंद्र में महत्वपूर्ण विषयो के कैबिनेट मिनिस्टर है।

परिणाम यह हुआ कि आज इस क्षेत्र से कांग्रेस का एक भी सांसद नहीं है। लेकिन इससे भी बड़ी उपलब्धि यह हुई कि इस क्षेत्र में लगातार शांति फैलती जा रही है।

परिणामस्वरूप, केंद्र सरकार ने दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अऋरुढअ) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम कर दिया है। असम के 60 प्रतिशत भाग से इस एक्ट को हटा दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी एवं उनकी टीम ने ऐसे ही पूर्व में कश्मीर मुद्दा भी स्थाई रूप से सुलझा दिया है ।

मोदी सरकार इसी प्रकार कुछ अन्य ज्वलंत मुद्दों पर कार्य कर रही है जिसमे वोट बैंक की पॉलिटिक्स प्रमुख है।

लेकिन मेरे कुछ प्रश्न हैं जिन पर सभी को विचार करना चाहिए । वो ये है कि मोदी सरकार के इन अच्छे कामों के बाद भी , विपक्ष की आप पार्टी को दिल्ली में 90% सीटों पर एवं पंजाब में लगभग 80% सीटों पर जीत किसके वोट से मिली? ममता को 48% वोट किसने दिया? कांग्रेस को राजस्थान में कौन लाया? महाराष्ट्र में कांग्रेस एवं पवार पार्टी को सौ सीट भाजपा-शिव सेना गठबंधन के बाद भी कैसे मिल गयी? यूपी मे अखिलेश को यादव समाज का 80% एवं सरकारी कर्मियों का 50% से अधिक वोट कैसे मिला?

अतः सब देश के मुद्दों से हमे जागरूक रहकर वर्तमान केंद्र सरकार को समर्थन देना ही पड़ेगा ।क्योंकि भारत की ताकत के मूल में हम भारतीयों की ह्यएक पहचान ह्यऔर ह्यप्रखर मुखर राष्ट्रीयत्व ह्न ही है ।यह समझ कर तुच्छ या सीमित संकुचित जाति ,वर्ग की अलग पहचान की मानसिकता से बाहर आकर हिंदुस्थानी बनना पड़ेगा ।

पत्थर फेंकने वालो की आलोचना कीजिये; लेकिन मोदी सरकार का समर्थन बनाये रखिए। कारण यह है सरकार से आपको विमुख करना ही अराजक शक्तियों का उद्देश्य है। अगर पत्थर फेंककर यह कार्य हो सकता है, तो क्यों नहीं। मोदी सरकार को भारत की एक पहचान वाली राष्ट्रवादी ताकतों का समर्थन ही अराजक शक्तियों को हताश कर देगा।

'तपती धरती' का जो जिम्मेदार, बचाव भी उसी से दरकार

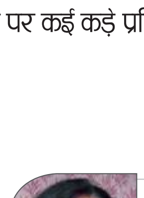

निर्मल रानी

मौसम विशेषज्ञों द्वारा ग्रीष्म ऋतू शुरू होने से पहले ही यह भविष्यवाणी कर दी गयी थी कि इस बार दुनिया के अधिकांश देश झुलसाने वाली अभूतपूर्व गर्मी का सामना कर सकते हैं। सहस्त्राब्दियों पुराने ग्लेशियर्स के लगातार पिघलते रहने के बीच जब यह खबर भी आयी थी कि पूरे विश्व को प्रकृतिक रूप से लगभग बीस प्रतिशत ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाले अमेजॉन के सैकड़ों किलोमीटर क्षेत्र के जंगलों को ब्राजील सरकार के संरक्षण में विकास के नाम पर काट दिया गया है। तभी यह अंदाजा होने लगा था कि दुनिया भविष्य में अभूतपूर्व तपिश का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। और पूरे विश्व विशेषकर भारत को भी इसबार झुलसती गर्मी का सामना करना पड़ा। देश के विभिन्न स्थानों पर 2 से लेकर 3 प्रतिशत तक सामान्य तापमान में वृद्धि दर्ज की गयी। राजधानी दिल्ली के मंगेशपुर नामक एक क्षेत्र में तो पारा 49 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। जगह जगह सूखा पड़ने की खबरें आईं।

निश्चित रूप से आम लोग ग्लोबल वार्मिंग रुपी इस त्रासदी से पूरी तरह तो हरगिज नहीं निपट सकते। क्योंकि विकास और प्रगति के नाम पर छिड़ी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा के जिम्मेदार दुनिया के शासक और सरकारें हैं। इन्हीं का काम ऐसी ह्यविकासवादीह्न योजनायें बनाना है जो प्रायः पर्यावरण विरोधी होती हैं। जिनमें हरे प्राकृतिक जंगल काटे जाते हैं और सीमेंट व कंक्रीट के ह्यतपते जंगलोंह्न का विस्तार किया जाता है। परन्तु ऐसा भी नहीं है कि हम अपने, अपने घरों के आसपास का तापमान कम या स्थिर रखने के लिये अपने स्तर पर कुछ भी नहीं कर सकते। तपिश कम करने और ग्लोबल वार्मिंग से जूझने के ऐसे तमाम छोटे छोटे उपाय हैं जिनका सीधा संबंध सरकार या शासन से नहीं बल्कि आम लोगों से है। जिन्हें अपनाकर हम स्थानीय स्तर पर कम से अपने अपने घर परिवार में तो झुलसती गर्मी से राहत महसूस कर ही सकते हैं और प्रकृति प्रदत्त इस बेशकीमती जल और ऑक्सीजन युक्त धरा का सम्पूर्ण नहीं तो कुछ कर्ज तो अदा कर ही सकते हैं। सर्वप्रथम हमें अपनी यह सोच बनानी होगी और अपने बच्चों में भी पैदा करनी होगी कि वातावरण को कम से कम गर्म होने दें। इसके लिये ह्यधुंआह्न ,अग्नि और गर्म हवा के उत्सर्जन को जितना संभव हो सके, कम करें। प्रायः देखा गया है कि लोग अपने घरों के बाहर कूड़ा करकट खासकर प्लास्टिक पॉलीथिन आदि इकट्ठाकर उसमें आग लगा देते हैं। आज कल विशेषकर स्वछता अभियान के तहत जब घर घर से कूड़ा इकट्ठा करने का कार्य सरकारी स्तर पर किया जा रहा हो और इस व्यवस्था के बदले नकद भुगतान भी जनता ही कर रही हो ऐसे में कूड़ा व प्लास्टिक आदि जलाने का ही कोई औचित्य नहीं है। कई बार यह भी देखा गया है कि स्वयं नगर परिषद / निगम के सफाई कर्मचारी ही झाड़ू से एक जगह कूड़ा इकठ्ठा कर उसमें आग लगा देते हैं। कबाड़ का काम करने वाले तमाम लोग रबड़ आदि जलाकर जहरीला काला धुआं पैदा करते हैं। इस पर भी नियंत्रण पाना जरूरी है। स्टेशन के आस पास बैठे भिखारी तो सर्दियों के अतिरिक्त गर्मी में भी कूड़ा जलाकर प्रदूषण फैलते हैं। गाय-भैंस पालक प्रायः मच्छर भगाने की परंपरा के नाम पर पशुओं के आस पास धुआं करते हैं जिससे पशु भी परेशान होते हैं और आस पास का पूरा क्षेत्र भी प्रदूषित होता है। परन्तु न तो स्वयं इनकी समझ में आता है कि यह इसी स्वर्ग रुपी पृथ्वी को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं न ही इन्हें कोई समझने वाला है।

अपने आसपास के वातावरण को और अधिक गर्म होने से बचाने के लिये दूसरा उपाय है कम से कम विद्युत खपत की जाये । विशेषकर गर्मियों में बेतहाशा व अनावश्यक रूप से चलने वाले एयर कंडीशनर्स, वातावरण को सबसे अधिक गर्म करते हैं। बड़े मकानों में तो कई कई ए सी लगाकर अधिक से अधिक बिजली बिल चुकाने व वातावरण को गर्म करने में साझीदार बनने से बेहतर है कि अपने घरों को सेंट्रली एयर कूल्ड करने की व्यवस्था करें। इससे कम बिजली खर्च में और पर्यावरण को हानि पहुंचाये बिना हम गर्मी में अपने मकानों को ठण्डा रख सकते हैं ।सभी विद्युत उपकरण जरूरी होने पर ही इस्तेमाल करें। आवश्यकता न हो तो बत्ती पंखे आदि बंद ही रखें। इन बातों को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। इसके साथ साथ अपने घरों में अधिक से अधिक पौधे गमलों में लगायें। वृक्षारोपण को अपनी जीवनचर्या में शामिल करें। पार्कों में सड़कों के किनारे, शमशान-कब्रिस्तान, धर्मस्थलों जहाँ भी जगह हो अधिक से अधिक वृक्ष लगायें। अपने मकान या जमीन पर बड़े फलदार व छायादार वृक्ष लगायें। धरती पर बढ़ता जल संकट भी बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग का ही परिणाम है। जहाँ हम प्रदूषण नियंत्रित कर व वृक्षारोपण आदि के माध्यम से वातावरण को वर्षानुकूल बनाने में सहायक हो सकते हैं वहीं जल की बबार्दी रोककर भी हम धरती व पर्यावरण के साथ साथ अपनी अगली नस्लों को भी अनुकूल वातावरण देने का प्रयास कर सकते हैं। यदि आप सड़कों गलियों में चलें तो अक्सर टूंटियों से पानी बहता रहता है। जहाँ पानी बहता दिखाई दे उसे तुरंत बंद करें। यदि किसी जगह टूंटी खराब है तो सरकारी कर्मचारी की प्रतीक्षा करने के बजाय पास पड़ोस के लोग स्वयं टूंटी का प्रबंध कर जल की बबार्दी को रोकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़ें चार मामलों का निपटारा

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। शनिवार को खोदावन्दपुर थाना परिसर में लगी जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़ें छह मामलों में सुनवाई की गयी.अंचल अधिकारी अमरनाथ चौधरी एवं अपर थानाध्यक्ष अर्चना झा ने इन मामलों में दोनों पक्षों के भूमि से संबंधित दस्तावेज का अवलोकन किया.और दोनों पक्षों की बात सुनी.सुनवाई के बाद चार मामलों का निपटारा कर दिया गया.शेष बचे दो मामलों को सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गयी. जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़ें एक और नया मामला सामने आया.मौके पर प्रभारी अंचल निरीक्षक कुमार रजनीश, राजस्व कर्मचारी अमरनाथ मिश्र, अरुण कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

सड़क दुर्घटना में एक और मारपीट में सात लोग घायल, चार रेफर

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति और मारपीट में सात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तरैया गांव निवासी संजय कुमार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं अंधरबाड़ी गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में अब्दुल रउफ, अंजुम खातून, सैयद हकीम मियां, असगरी खातून, नवरतनपुर के पूनम कुमारी, डुमरी के कुणाल कुमार तथा डीह छपिया के रंजीत राय गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया है। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद संजय कुमार, सैयद हकीम मिया, असगरी खातून, और कुणाल कुमार को चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। वहीं मारपीट मामले में पीड़ित पक्षों ने स्थानीय थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

मामि गंगे के तहत गंगा क्वेस्ट 2022 क्विज कांटेस्ट का आयोजन होगा

मदरलैण्ड संवाददाता, देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गई है कि नमामि गंगे के तहत भारत सरकार द्वारा गंगा क्वेस्ट 2022 क्विज कांटेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में clap4ganga.com वेबसाइट पर जाकर कोई भी व्यक्ति 10 साल के उम्र से ज्यादा इसमें भाग ले सकते हैं। साथ ही पंजीकरण का अंतिम तारीख 22 मई निर्धारित की गई है। इसके अलावे इस प्रतियोगिता में तीन श्रेणी है प्रथम श्रेणी में कक्षा 8 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। वही द्वितीय श्रेणी चलो कक्षा 9 से बारहवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं एवं तृतीय श्रेणी में कोई भी व्यक्ति 10 साल की उम्र से का भाग ले सकता है। साथ ही पुरस्कार स्वरूप लैपटॉप, टेबलेट प्रथम 3 विजेताओं को भारत सरकार द्वारा प्रदत किया जाएगा। वही देवघर से कुल 207 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन पंजीकरण किया है। पंजीकरण हेतु अंतिम तारीख 22 मई है।

यौन शोषण के आरोपी को भेजा जेल

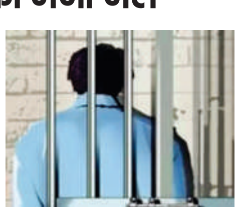

मदरलैण्ड संवाददाता, लातेहार। बालूमाथ थाना क्षेत्र के बारिखाप ग्राम में छापामारी कर नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी फिदू गंझू का पुत्र नागेश्वर गंझू है। जिसके विरुद्ध थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद के द्वारा पोस्को एक्ट के साथ भारतीय दंड विधान की धारा 376 के तहत थाना में कांड संख्या 103/22 प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की गई। वही इस छापामारी अभियान में पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार के साथ कई सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

कचरा छंटाई थीम पर आधारित ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन होगा

मदरलैण्ड संवाददाता, देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गई है कि आईसीएमआर राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान भोपाल (आईसीएमआर निरेहू), आर डी गार्डी मेडिकल कॉलेज, उज्जैन एवं नगर पालिका निगम उज्जैन द्वारा संयुक्त रूप से बेहतर कल के लिये कचरा छंटाई थीम पर आधारित ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावे इस प्रतियोगिता का उददेश्य घरेलू कचरा छंटाई को लेकर जन जागरूकता बढ़ाने हेतु आम जनता के नजरिये एवं विचारों को एकत्रित करना है। यह प्रतियोगिता आगामी 10 जून 2022 तक आयोजित की जायेगी। सर्वश्रेष्ठ तीन तस्वीरों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा और सभी प्रतिभागियों को ई प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। ऐसे में सभी से अपील होगा कि इस प्रतियोगिता में भागीदारी के साथ साथ आपके अधिकार क्षेत्र में आने वाले लोगों को प्रेरित करें।

इस सप्ताह वर्षा होने के आसार, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा ने जारी किया अनुमान

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। इस सप्ताह अच्छी वर्षा होने के आसार हैं और आंधी आने की भी संभावना है.कृषि विज्ञान केन्द्र खोदावन्दपुर की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा ने इस संदर्भ में सूचना जारी की है. कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ रामपाल द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि 22 मई को 15.2, 23 को 13.8, 24 को 0.2 एवं 25 मई को 5.6 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है. जारी पत्र में बताया गया है कि 22 मई को अधिकतम 35.2, न्यूनतम 24 डिग्री, 23 को अधिकतम 34.8, न्यूनतम 25.1, 24 को अधिकतम 34.4, न्यूनतम 25.4, 25 को अधिकतम 30.9 एवं न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहेगा.इस दौरान आसमान में बादल के छाए रहने की संभावना है.तथा तेज गति से आंधी भी आ सकती है.वरीय कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को मक्का, लत्तर वाली सब्जियां, दलहन व गन्ना की फसलों पर ध्यान देने की सलाह दी है.

झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, डॉ0 रवि रंजन ने बाबा मंदिर में की पूजा अर्चना..

मदरलैण्ड संवाददाता, देवघर। झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, डॉ0 रवि रंजन ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद लिया। प्रशासनिक भवन में तिर्थ पुरोहितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया गया। इसके पश्चात मुख्य न्यायाधीश द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक कर खुशहाली व बेहतरी की कामना की है। *इस मौके पर* प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री, पुलिस अधीक्षक सुभाष चन्द्र जाट, जिले के वरीय न्यायाधीशगण एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी, मंदिर समन्वय समिति के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह की लंबे समय के बाद मुलाकात

जदयू की बड़ी मीटिंग के ठीक बाद हुआ ये सब

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। बिहार की राजनीति के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास रहा। सुबह छह बजे पटना में राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर सीबीआइ के छापे से शुरू हुई गहमागहमी शाम को जदयू की बड़ी बैठक के साथ और परवान चढ़ी। तरह-तरह की चचाएं लोग करते रहे। लेकिन, मामला इतने पर ही खत्म नहीं हुआ। रात होते-होते एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम भी हुआ। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके पुराने सहयोगी केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह लंबे समय के बाद एक फोटो फ्रेम में नजर आए। कहा जा रहा है कि महीनों के बाद दोनों के बीच मुलाकात हुई। आपको यह भी जानना चाहिए कि शुक्रवार की शाम पटना में हुई जदयू की बैठक का एजेंडा भी आरसीपी सिंह से जुड़ा हुआ ही बताया गया था। दरअसल, आरा में शुक्रवार की रात एक शादी समारोह में लंबे अरसे बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की मुलाकात हुई। दोनों यहां आरा के धनुपरा स्थित ग्रैंड रिसोर्ट में आयोजित एक शादी समारोह में दोनों पहुंचे थे। मूल रूप से भोजपुर जिले के बड़हरा के गजियापुर निवासी मृत्युंजय कुमार सिंह उर्फ मनोज कुमार सिंह की बेटी मुदिता सिंह की शादी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुरक्षा अधिकारी हरेंद्र सिंह के पुत्र रोहित सिंह से हुई है। यह शादी कई राजनीतिक और सामाजिक समीकरण का तानाबाना जोड़ने का बनती दिखी। कई माह से केन्द्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अधिकारिक तौर पर मुलाकात नहीं होने की चर्चा को विराम लग गया।

मुख्यमंत्री के बेटे निशांत भी हुए शामिल

वधू पक्ष के लोग सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस रहे बीपी सिंह के परिवार के लोग हैं। लड़की पक्ष के लोगों में केन्द्रीय मंत्री आरके सिंह की ससुराल भी है। शादी समारोह में नीतीश कुमार के पुत्र निशांत बहुत सक्रिय रहे। वह काफी देर तक लोगों से मिलते-जुलते रहे। इस दौरान शादी में आए युवाओं के वह आकर्षण के केंद्र रहे और कई लोगों ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश के बीच में बैठ गए थे अशोक चौधरी

शादी के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केन्द्रीय मंत्री आरसीपी सिंह एक ही सोफा पर बैठे नजर आए। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच मंत्री अशोक चौधरी बैठे नजर आए। सभी की निगाहें केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री की ओर टिकी थी। मुख्यमंत्री के आप्त सचिव दिनेश राय भी पहुंचे हुए थे। विधि-व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी राजकुमार, एसपी संजय कुमार सिंह, एएसपी हिमांशु, एसडीओ ज्योति नाथ साहदेव तथा पीरो डीएसपी राहुल सिंह खुद कैंप कर रहे थे। पूर्व की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। सभी को बारी-बारी से चेक कर प्रवेश दिया जा रहा था।

बिहार में काट्रैक्ट पर बहाल होंगे पुलिस अफसर

डीजीपी एसके सिंघल ने नियुक्ति में तेजी लाने को कहा

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। बिहार के थानों में बड़ी संख्या में कांडों के लंबित रहने के पीछे पुलिस पदाधिकारियों की कमी, प्रमोशन में हो रही देरी व समन्वय की कमी सामने आई है। डीजीपी एसके सिंघल ने शुक्रवार को इस बाबत पुलिस मुख्यालय के वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद अनुसंधानकताओं की कमी को देखते हुए संविदा के आधार पर होने वाली नियुक्ति में तेजी लाने को कहा है, ताकि पदाधिकारियों की संख्या बढ़ाई जा सके। इसके अलावा अनुसंधान कार्यों की तकनीकी बाधाओं को दूर कर कांडों का तेजी से निष्पादन कराने का निर्देश अफसरों को दिया गया है। डीजीपी के निर्देश पर थानों का निरीक्षण करने वाले पुलिस मुख्यालय के एडीजी व आइजी स्तर के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में लंबित कांडों पर विस्तार से चर्चा हुई। निरीक्षण करने वाले वरीय पुलिस अफसरों ने बताया कि जिलों व थानों में कांडों के अनुंसधान का काम संतुलित रूप से आवंटित नहीं किया जा रहा। किसी पदाधिकारी के पास अधिक कांडों के अनुसंधान की जिम्मेदारी है,

तो किसी को कम कांडों का प्रभार दिया गया है। इसके अलावा अभियोजन पदाधिकारी और अनुसंधानकर्ता के बीच कांडों के त्वरित निष्पादन के लिए जरूरी समन्वय का भी अभाव है।

प्रमोशन बाधित होने से अनुसंधान पदाधिकारी की कमी

समीक्षा बैठक के दौरान पाया गया कि तकनीकी कारणों से प्रमोशन बाधित होने के कारण राज्य में अनुसंधान करने वाले पुलिस पदाधिकारियों की कमी है। सिपाही कोटि से प्रोन्नति के बाद ही सहायक अवर निरीक्षक के पद भरे जाते हैं। इसी तरह पुलिस अवर निरीक्षक के 50 प्रतिशत पद भी प्रोन्नति से ही भरते हैं। एक तरफ प्रमोशन न होने से यह पद खाली पड़े हैं, तो दूसरी ओर हर माह पदाधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस पर डीजीपी ने संविदा पर नियुक्ति कार्य में तेजी लाने और अनुसंधान कार्य के लिए जरूरी तकनीकी बाधा को दूर करने का निर्देश अफसरों को दिया।

लंबित कांडों के निपटारे को संविदा पर बहाल होंगे पुलिस पदाधिकारी डीजीपी ने पुलिस मुख्यालय के वरीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक थानों में मालखाने की कमी

पुलिस पदाधिकारियों ने डीजीपी को बताया कि थानों में मालखाना के लिए पर्याप्त कमरे तथा स्थल आवंटित न होने से भी परेशानी हो रही है। मालखाना के अनुपात में जब्त प्रदर्शों की संख्या अधिक है। इस पर डीजीपी ने उपलब्ध संसाधनों में ही प्रदर्शों को संरक्षित रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा नए बनने वाले थाना भवनों में मालखाना के लिए पर्याप्त स्थान और कमरों की व्यवस्था का प्रस्ताव देने को कहा है। भूमि विवाद को लेकर थानास्तर पर होने वाली साप्ताहिक बैठकों में की जाने वाली कार्रवाई की भी समीक्षा हुई और इसके निष्पादन का निर्देश अफसरों को दिया गया।

मुख्य सड़क से अतिक्रमण खाली करवाया गया

» मदरलैण्ड संवाददाता

इनायत खान
डीएम, अररिया

बेगूसराय। डीएम इनायत खान के दिशा निर्देश में शहरी क्षेत्रों में यातायात सुगम एवं अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित चांदनी चौक से जीरो माइल अररिया तक अनुमंडल पदाधिकारी श्री शैलेश चंद्र दिवाकर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री पुष्कर कुमार तथा नगर कार्यपालक पदाधिकारी श्री दीनानाथ सिंह एवं संबंधित पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसमें मुख्य रुप से सड़क पर अवैध रूप से अतिक्रमित जगह को खाली कराया गया। मौके पर उपस्थित अवैध ढंग से अतिक्रमण करनेवाले को हिदायत दी गई कि पुनः अतिक्रमण करने पर संबंधित के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई कि जाएगी।

पत्रकार की हत्या पर आक्रोश, क्षेत्र के पत्रकारों ने हत्यारों को गिरफ्तार करने का किया मांग

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। एक न्यूज चैनल से जुड़े बखरी परिहारा ओपी क्षेत्र के स्थानीय पत्रकार सुभाष कुमार की निर्मम हत्या पर क्षेत्र के पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त है.पत्रकारों ने हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग जिला प्रशासन से किया है.जिला पत्रकार संघ के अनुमंडल अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्रा, सचिव अंजन कुमार आकाश, पत्रकार रजनेश सिन्हा, बिमलेश कुमार चौधरी, प्रो संजय कुमार, बलवंत चौधरी, हेमंत चौधरी, राजेश कुमार, नीरज सिंह, अभिषेक सिन्हा, कुमार गौरव, विनोद कुमार शर्मा, राजीव कुमार आदि ने पत्रकार सुभाष कुमार की हत्या पर दुख प्रगट किया है. और कहा है कि अन्याय, भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले सुभाष की हत्या अपराधियों ने गोली मारकर कर दिया है.यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर किया गया कातिलाना हमला है.इसे जिला पत्रकार संघ बर्दाश्त नहीं करेगी.इस घटना में पुलिस प्रशासन की चुप्पी पर पत्रकारों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया है. पीड़ित परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदना जताते हुए पत्रकारों ने हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग एसपी से किया है.

पचौड़र बाजार में मही नदी पर पुल निर्माण कार्य में उत्पन्न बाधा समाप्त

कार्य शीघ्र शुरू करने की बनी सहमति

» मदरलैण्ड संवाददाता

छपरा। तरैया प्रखंड के तरैया-अमनौर मुख्य सड़क एसएच-104 पर पचरौड़ बाजार में मही नदी पर आरसीसी पुल का निर्माण कार्य अब शीघ्र शुरू होगा। शनिवार को तरैया बीडीओ व सी ओ की उपस्थिति में सरकारी अमीन द्वारा मापी हुई और आमजनों की उपस्थिति में आपसी सहमति बनी तथा कार्य शीघ्र शुरू करने का निर्णय लिया गया। बता दें स्थानीय लोगों के विरोध के कारण महीनों से कार्य बंद पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों के द्वारा पुल की गहराई व लंबाई को लेकर विरोध किया जा रहा था। जिस कारण पुल का कार्य बंद था। वहीं पुल निर्माण कंपनी के संवेदक के द्वारा पुल निर्माण के लिए बने डीपीआर के मुताबिक ही निर्माण कार्य करने तथा डीपीआर में छेड़छाड़ नहीं करने को लेकर कार्य बंद किया गया था। पुल स्थल की सरकारी मापी करने की लिखित प्रतिवेदन तरैया सीओ को दिया गया था। पुल निर्माण स्थल की मापी सरकारी अमीन अविनाश कुमार व धनंजय

श्रीवास्तव के द्वारा शनिवार को किया गया। मापी के पश्चात तरैया सीओ अंकु गुप्ता व बीडीओ कृष्ण कुमार सिंह पहुंचे। बीडीओ, सीओ, अभियंता, संवेदक, व्यवसायी व स्थानीय ग्रामीण पुल निर्माण स्थल पर जुटे। पुल निर्माण कार्य पर चर्चा हुई तथा पुल निर्माण कार्य में उत्पन्न बाधा को आपसी सहमति बनी। ग्रामीणों की मांग पर पदाधिकारियों व संवेदक के द्वारा पुल की गहराई दो फीट तथा थोड़ा सा लंबाई बढ़ाने की समहति पर कार्य प्रारंभ करने का आदेश दिया गया। उक्त पुल निर्माण के विनय कंस्ट्रक्शन सोनपुर के द्वारा 10.6.12 मीटर आरसीसी पुल का निर्माण हो रहा है। अब देखना है कि बरसात के पहले पुल बनकर तैयार होता है या बरसात में लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ती है। पुल निर्माण कार्य को लेकर पचौड़र बाजार व आसपास के गांवों के लोगों को पटना, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर आने जाने में काफी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। पुल निर्माण स्थल के समीप नदी के रास्ते छोटी गाड़ियों व पैदल आने जाने के लिए डायवर्सन का निर्माण किया गया है लेकिन उक्त डायवर्सन में प्रतिदिन छोटी गाड़ियां फंसकर नदी में लुढ़क रही है।

पूर्वी चंपारण जिला स्पोर्ट्स में अव्वल रहे इसके लिए सभी प्रयास किए जाएंगे-डीएम

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण एवं बिहार तलवारबाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पन्द्रहवीं सब-जूनियर, ग्यारहवीं कैडेट एवं 24वीं जूनियर राज्य स्तरीय तलवारबाजी प्रतियोगिता का शनिवार को जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।शहर स्थित खेल भवन में आयोजित इस राज्य स्तरीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17, अंडर- 20, युथ एवं सीनियर आयुवर्ग के बालक और बालिका भाग ले रहे हैं।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जिलेभर में खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है।खेलो इंडिया एवं चंपारण खेलक्रांति के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं।उन्होंने शुभकामना देते हुए कहा कि कबड्डी, रग्बी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स, वाटर स्पोर्ट्स आदि में होनहार बच्चे खेल में भाग लेकर मोतिहारी जिले का नाम राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे।उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण

जिला स्पोर्ट्स में अव्वल रहे इसके लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।जिलाधिकारी ने तलवारबाजी खेल को प्रोत्साहन के लिए हर सम्भव विभागीय सहयोग का भरोसा दिलाया।जिला खेल पदाधिकारी राजेन्द्र कुमार ने खेल के प्रोत्साहन के लिए जिलाधिकारी महोदय को धन्यवाद ज्ञापित किया।पूर्वी चम्पारण तलवारबाजी संघ के अध्यक्ष साजिद रजा, सचिव अशफाक अहमद और संयुक्त सचिव अप्पु कुमार ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया।प्रतियोगिता निदेशक राकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले तलवारबाज खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।इस मौके पर क्रिकेट संघ के ज्ञानेश्वर गौतम, कबड्डी संघ के दीपक कश्यप, उपाध्यक्ष जीवेश कुमार सिंह, सचिव अशफाक अहमद, कोषाध्यक्ष विकास कुमार, सदस्य रवि कुमार, यशवंत सिंह, मुकेश सिंह, राहुल रंजन, परशुराम सिंह, सज्जन कुमार यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

पटना में जल्द ऑटो से सफर करना होगा महंगा, रूट के अनुसार तय होगा किराया

नौ साल में तीसरी बार होगी बढ़ोतरी

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। पटना शहर में ऑटो पर सफर करना और महंगा होने वाला है। ऑटो संघ की मांग पर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के सचिव ने भी प्रस्ताव भेजा दिया है। परिवहन विभाग की ओर से भी प्राधिकार से सुझाव मांगा गया था कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के मूल्य में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए क्या किराया बढ़ाया जाए। इस पर प्राधिकार के सचिव की ओर से संघ की मांग को ध्यान में रखते हुए अपना मंतव्य भेज दिया गया है। ऐसी संभावना है कि जल्द ही शहर में ऑटो के लिए रूट के अनुसार किराया तय किया जाएगा। अभी तय नहीं हुआ है कि किराये में कितनी बढ़ोतरी होगी। बिहार स्टेट ऑटो चालक संघ की ओर से 18 अप्रैल को 30 प्रतिशत तक किराया बढ़ाने की मांग की गई थी। इस बीच क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के अधिकारियों ने बैठक कर मूल्य वृद्धि को देखते हुए किराया बढ़ाने पर विचार किया तथा 19 मई 2022 को परिवहन विभाग को प्रस्ताव भेज दिया गया।

नौ साल में तीसरी बार बढ़ोतरी

ऐसे तो ऑटो चालकों ने डीजल, पेट्रोल और सीएनजी के दाम बढ़ोतरी के बाद बीच-बीच में खुद से भी किराया बढ़ाया है। प्राधिकार (आरटीए) की ओर से पिछले नौ साल में तीसरी बार आधिकारिक तौर पर किराया बढ़ाया जाएगा। 14 फरवरी 2013 तथा दूसरी बार 22 अप्रैल 2021 को ऑटो किराया बढ़ा था। उस समय रिजर्व पेट्रोल संचालित ऑटो रिक्शा के लिए प्रथम दो किमी तक 18 रुपये तथा अनुवर्ती प्रति किमी नौ रुपये बढ़ोतरी की गई थी। शेयर ऑटो के लिए प्रति दो किलोमीटर 4 रुपये 80 पैसे तथा उसके आगे तीन रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से बढ़ोतरी की गई थी। इसी प्रकार डीजल संचालित रिजर्व ऑटो के लिए प्रति किलोमीटर 14 रुपये 40 पैसे तथा उसके आगे प्रति किलोमीटर 7 रुपये 20 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी। यह तीसरा मौका होगा जब आधिकारिक तौर पर ऑटो का किराया बढ़ाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में 3 मामलों का निष्पादन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। फलका थाना प्रांगण में शनिवार को थाना अध्यक्ष उमेश पासवान व अंचल अधिकारी दिवाकर कुमार के अध्यक्षता में कोविड-19 को देखते हुए सोशल डिस्टेंस के साथ जनता दरबार परामर्श सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व से प्राप्त कुल 5 मामलों में सुनवाई की गई सुनवाई में 3 मामलों का आपसी सहमति से निष्पादन कर दिया गया जबकि दो नया आवेदन प्राप्त हुआ है उसकी सुनवाई करते हुए साक्ष्य के अभाव में अगली तिथि निर्धारित की गई है इस अवसर पर राजस्व अधिकारी सुशील कांत सिंह, अंचल लिपिक अंकित कुमार उपस्थित थे।

रेलवे कर्मचारी घर हुई चोरी

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। बारसोई में चोरों का आतंक बढ़ चुका है।अब उनका मनोबल इतना बढ़ चुका है कि उन्हें यह भी परवाह नहीं है कि वह किस जगह चोरी कर रहे हैं। अगर पकड़े जाएंगे तो सामत आना तय है। अभी मैं जिस चोरी की बात कर रहा हूं। वह बारसोई रेलवे स्टेशन के जीआरपी थाना से सटे सार्वजनिक दुर्गा मंदिर के पास स्थित रेलवे कॉलोनी में रिंकू बॉशाक के यहां बीते रात हुई है। आपको बता दें कि रिंकू बॉसाक बारसोई स्टेशन के साधारण टिकट काउंटर मे टिकट निर्गत करने वाली कर्मचारी है।जो पिछले दिनों राधिकापुर ट्रेन से अपने मां के साथ 2 दिन की छुट्टी मनाने गई थी। लेकिन उनके छुट्टियों में तब खलल पड़ा।जब उनके देवर कमरा खोला और देखा की अलमारी सेल्फ और पैसे रखने की गुल्लक के अलावा घर के दरवाजा की कुंडी टूटा पड़ा है। पिछले दिनों इस मंदिर का दरवाजा तोड़कर दो बार चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

आंधी तूफान में बेघर हुए एवं जानमाल की क्षति को लेकर अनुदान देने की मांग

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। अखिल भारती आदिवासी विकास परिषद प्रखंड मनसाही कमेटी के द्वारा एक ज्ञापन अंचलाधिकारी मनसाही को सौंपा। इस मौके पर कमिटी के अध्यक्ष पप्पू उरांव ने बताया कि अंचलाधिकारी मनसाही को विगत 19 व 20 मई को भयावह प्राकृतिक आपदा तूफान आने से मनसाही प्रखंड के सभी पंचायतों में लोगों के घर वार जान माल की काफी क्षति हुई हैं, जिसका अंचलाधिकारी के द्वारा जान माल,घर वार के नुकसान का जांच कर क्षतिपूर्ति सरकारी सहायता दिलाने की मांग की हैं। आवेदन देने वालों में अखिल भारती आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष पप्पू उरांव, सचिव मनीष मिंज, महासचिव मरियम कुजूर, उपाध्यक्ष मीनू देवी,फुलहरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश सिंह आदि मौजूद थे।

वाहन जांच अभियान से फाइन 500 वसूला गया

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कटिहार-मनिहारी मुख्य मार्ग के मनसाही थाना परिसर के सामने थानाध्यक्ष मुकेश कुमार के निर्देश पर एसआई राधे प्रसाद यादव ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया।इस क्रम में श्री यादव ने बताया कि एसपी व थानाध्यक्ष के निर्देश पर वाहन जांच किया जा रहा हैं, जिसमें वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट आदि की मांग की गई साथ ही बड़े वाहनों की भी जांच की गई। जिसमें एक मोटरसाइकिल चालक से पाँच सौ फाइन वसूला गया। वाहन जांच से वाहन चालकों में हड़कंप देखा गया। वाहन चालक बाईपास होकर आना-जाना कर रहे थे।

15 घंटे से बिजली सेवा बाधित

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। मनसाही प्रखंड क्षेत्र में विगत रात्रि आंधी तूफान के साथ हुई बरसात में बिजली लाइन कटने के बाद समाचार प्रेषण तक बिजली सेवा विद्युत विभाग के द्वारा बहाल नहीं किया गया था। मालूम हो कि आंधी तूफान बरसात होने पर बिजली विभाग के द्वारा बिजली लाइन काट दिया जाता हैं, वहीं 15 से 20 घंटे के बाद भी बिजली सेवा बहाल नहीं किया गया हैं, वही आंधी तूफान से सैकडों घरों के छप्पर उड़ गए, बिजली के खंभे गिर गए, जिससे बिजली सेवा समाचार प्रेषण तक बहाल नहीं किया गया हैं। वहीं किसान चौक बथना में 100 वर्ष पुराना महंत स्थान के पेड़ गिर कर धराशाई हो गया।

थानें में जनता दरबार का आयोजन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आजमनगर थाना प्रांगण में थानाध्यक्ष मानुतोष कुमार राजस्व कर्मचारी हफिजुर रहमान टिंकू की अध्यक्षता में भू-संबंधी समस्याओं को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया।थाना क्षेत्र से भू-संबंधी समस्याओं को लेकर शनिवार को2आवेदन प्राप्त हुए जिसमें पिछले सप्ताह के 5 आवेदन लंबित थे।कुल7आवेदन हुए जिसमें आपसी समझौते के बाद1आवेदन का निष्पादन किया गया।राजस्व कर्मचारी हाफिजुर रहमान टिंकू ने कहा आजमनगर क्षेत्र से शनिवार को 2 आवेदन प्राप्त हुए।जिसमें 5 आवेदन पिछले सप्ताह के लंबित थे।कुल मिलाकर 7 आवेदन हुए 1 आवेदन का निष्पादन थाने में कर दिया गया।लंबित 6 आवेदन का अंचल अमीन के मापी उपरांत अगले सप्ताह निष्पादित की जाएगी वही थानाध्यक्ष मानुतोष कुमार ने कहा भू- संबंधी मामलो में आपसी भाईचारा बना रहे इस बात का पूरा खयाल रखेंगे।रखें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को थाना प्रांगण में भूमि संबंधी समस्याओं को लेकर जनता दरबार लगाया जाता है जनता दरबार में भूमि संबंधित सभी मामले का निपटारा किया जाता है। लगने वाले जनता दरबार को लेकर थाना क्षेत्र के लोगों में काफी उत्सुकता है। मौके पर राजस्व कर्मचारी कृष्ण कुमार राय, अजीत कुमार सिंह, साबिर आलम, हाफिजुर रहमान उर्फ टिंकू सहित ग्रामीणों में पूर्व जिला पार्षद रामजी प्रसाद केसरी भूमि संबंधित समस्याओं को लेकर जनता दरबार में उपस्थित रहे।

पढ़े बिहार, बढ़े बिहार का प्रशिक्षण सम्पन्न

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। ई-प्रखंड संसाधन केंद्र मनसाही में मनसाही प्रखंड के प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के सभी प्रधानाध्यापकों को निपुण बिहार मिशन के अंतर्गत दीक्षा ऐप के माध्यम से माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट- ₹पढ़े बिहार, बढ़े बिहार₹ का एकदिवसीय प्रशिक्षण जिला तकनीकी प्रशिक्षक नीरज नयन आनंद एवं समीर कुमार सिंह के द्वारा मनसाही में दिया गया। प्रशिक्षक नीरज नयन आनंद ने बताया कि एक सौ दिवसीय पठन अभियान के प्रभाव का आकलन माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट- ₹पढ़े बिहार, बढ़े बिहार₹ के अंतर्गत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में राज्य के सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के द्वारा दीक्षा ऐप के माध्यम से माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट- ₹पढ़े बिहार, बढ़े बिहार₹ के तहत विद्यालयों में गतिविधियां की जाएगी ताकि वर्ग 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के अधिगम प्रतिफल का आकलन किया जा सके तथा उद्देश्य के बारे में बताया कि एक सौ दिवसीय पठन अभियान के तहत प्रत्येक बच्चा पढ़ना सीखे और सीखने के बाद सीखने के लिए पढ़े। श्री आनंद ने कहा कि सभी प्रधानाध्यापक पूर्व में दीक्षा ऐप के माध्यम से निष्ठा 1 से निष्ठा 3 तक का प्रशिक्षण प्राप्त चुके हैं। सभी प्रधानाध्यापकों को दीक्षा ऐप पर माइक्रो इंप्रूवमेंट प्रोजेक्ट मे पंजीकृत होकर प्रशिक्षण में बताए गए तरीके से अपने विद्यालयों में गतिविधियां आयोजित करनी है क गतिविधियों को करने के दौरान बच्चों की प्रतिभागिता का मूल्यांकन कर मूल्यांकन प्रपत्र में छात्र-छात्राओं की स्थिति को अंकित कर दीक्षा ऐप के माध्यम से अपलोड कर राज्य तक प्रेषित किया जाएगा। साथ ही ये भी बताया गया कि निपुण बिहार मिशन के तहत विद्यालय को प्राप्त पुस्तकों को वर्गवार वर्गीकरण कर इसे बच्चों के बीच साझा किया जाएगा। विद्यालय में विद्यालय शिक्षा समिति, अभिभावकों एवं बाल संसद के बीच बैठक कर निपुण बिहार अभियान पढ़े बिहार बढ़े बिहार कार्यक्रम की चर्चा की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान बीआरपी जगदीपन प्रसाद सिंह , लेखापाल अरुण कुमार, कंप्यूटर तकनीकी सहायक अंशु कुमार सहित सभी प्राथमिक व मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक आदि मौजूद थे।

बैंकर्स समिति की बैठक हुई आयोजित

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। हसनगंज प्रखंड कार्यालय में प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी रितेश कुमार ने की। बैठक में बैंक के द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न सुविधाओं की चर्चा की गई। एलडीएम ने बैंकों की उपलब्धि के संबंध में विस्तार से चर्चा की साथ ही साथ ही लक्ष्य पूरा करने के संबंध में भी चर्चा की गई। क्रेडिट डिपॉजिट रेशियो बढ़ाने पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। बैंकों का प्रशासनिक कार्यालय के साथ आपसी समन्वय स्थापित करने के संबंध में विस्तृत विचार विमर्श किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रितेश कुमार ने सरकार के द्वारा बैंकों के संबंध में दिए गए दिशा-निर्देशों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी बैंक शाखा प्रबंधक, कृषि, जीविका के कर्मियों के साथ बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित किया गया। सरकार के तरफ से ऋण मुहैया कराई जाती है। लोगों को समुचित लाभ मिले इस संबंध में चर्चा किया गया। इसके साथ प्रत्येक माह बैंकर्स समिति की बैठक आहूत किया जाना है। ताकि लोगों को बैंक सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों को ससमय मिल सकेगा। बैठक में नाबार्ड के अधिकारी अमित कुमार, डॉ पशु चिकित्सा पदाधिकारी प्रशांत कुमार प्रवीण, सेंट्रल बैंक शाखा प्रबंधक अमित प्रभा, प्रखंड प्रमुख मंजू देवी, कृषि समन्वयक संजय कुमार समेत कई शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

परिवार नियोजन दिवस पर शिविर का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समेली मे परिवार नियोजन दिवस के अवसर पर शिविर का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बिनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। डॉ बिनय कुमार सिंह ने बताया कि समुदाय स्तर पर परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता और स्वीकार्यता पर पूरा जोर देना है।परिवार नियोजन पर बढ़ावा देने को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी।और उन्होनें बताया कि परिवार नियोजन के सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की सुरुवात हुई है।इससे अनचाहे गर्भ के मामले,मातृत्व मृत्यु दर,नवजात मृत्यु दर व प्रसव संबंधी जटिलता के मामले में कमी लाई जा सकती है।वही हेल्थ मैनेजर देवभूषण ने बताया कि आम लोंगो तक परिवार नियोजन सेवाओं को आसानी से लाभ पहुचें।इस कार्यक्रम से असुरक्षित गर्भापत के मामलें में कमी आएगी।मातृत्व व शिशु मृत्यु दर में गिरावट, एच आई वी संक्रमण से बचाव,महिला सशक्तिकरण के साथ - साथ सामाजिक व आर्थिक विकास को तेज किया जा सकता है।परिवार नियोजन सामग्री निरोध कुल 16 लाभार्थी को, माला एन 08, छाया 05 महिलाओं को वितरण किया गया एवं परिवार नियोजन सलाह 28 महिलाओं को दिया गया।इस मौके पर एनम रीना रानी, निशा प्रिया,हेल्थ मैनेजर देवभूषन, लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार मंडल, लेखपाल पुनिल रजक, सोनू कुमार आदि उपस्थित थे।

प्रा.वि नन्दीयार मूल विद्यालय में हुआ शिफ्ट ग्रामीणों में हर्ष

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। प्राथमिक विद्यालय नन्दीयार शिफ्ट हो कर प्राथमिक विद्यालय ढांगी में चल रहा था।शनिवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के आदेशानुसार बीआरपी अकमल हुसैन की उपस्थिति में पंचायत नियोजन ईकाई के अध्यक्ष सह मुखिया मेराज आलम, प्रबंध समिति के अध्यक्ष साकीर हुसैन, सचिव रोजी खातुन ,समिति सदस्य दिनेश कुमार सहित अभिभावक ,छात्र, छात्राओं की उपस्थिति में समारोह पूर्वक नवनिर्मित विद्यालय भवन का शुभारंभ करते हुए शनिवार से छात्रों की पढ़ाई मूल विद्यालय में शुरू कर दिया गया है।मुखिया मेराज आलम ने जानकारी देते हुए बताया ग्रामीणों के सहयोग से प्राथमिक विद्यालय नन्दीयार के लिए 12 डिसमिल जमीन विद्यालय के नाम निबंधन कर पंचायत के विकास फंड से एंव लोगों के आर्थिक सहयोग से यहां दो कमरा पक्का भवन, किचन शेड , शौचालय ,चापाकल ,चहार दिवारी ,बिजली आदि की व्यवस्था करने के बाद विभाग को सूचना दे कर प्राथमिक विद्यालय नन्दीयार को मूल स्थल पर शिफ्ट कर पठन पाठन नव निर्मित भवन में शुरू कराने का आग्रह किया गया था.इस पर संज्ञान लेते हुए बीइओ के जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा पदाधिकारी के आदेशानुसार शनिवार से बच्चों का पठन पाठन मूल विद्यालय के नवनिर्मित भवन में शुरू किया गया है. उन्होंने बताया की नन्दीयार से ढांगी की दुरी करीब तीन किमी है. उस पोषक क्षेत्र के बच्चे इतना दुरी तय कर शिफ्ट वाले विद्यलय में आने से कतरा रहे थे. इस से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रहा था. प्राथमिक विद्यालय नन्दीयार को अपनी भुमि प्राप्त हो जाने के बाद भवन, किचन शेड,चहार दीवारी,चापाकल ,बिजली की व्यवस्था हो गयी है।ऐसे में शिक्षा विभाग और छात्रों ने अभिभावकों ने शिक्षा विभाग को धन्यवाद देते हुए मुखिया मेराज आलम के प्रयास की सराहना की है।उक्त विद्यालय को मूल स्थल में शिफ्ट कराने का आदेश दिये जाने पर छात्रों ने अभिभावकों ने शिक्षा विभाग को धन्यवाद देते हुए मुखिया मेराज आलम के प्रयास की सराहना की है।

ट्रैक्टर चालक की गोली मारा कर हत्या

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। सेमापुर ओपी थाना क्षेत्र के मधुबनी गोविंदपुर चौक के समीप देर रात अपराधियों ने 32 वर्षीय एक ट्रैक्टर चालक की हत्या कर दी। तीन बाइक पर सवार अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। सेमापुर पुलिस को इस घटना की सूचना मिलते ही ओपी अध्यक्ष विजेंद्र कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि मोहनाचांदपुर पंचायत के मोहन ठाकुर का ट्रैक्टर चालक विकास यादव उर्फ बीका यादव जो सेमापुर रैक पॉइंट से मक्का अनलोड कर मोहनाचांदपुर पंचायत के मोहनाडीह अपने घर वापस जा रहा था इसी दौरान घात लगाए बैठे अपराधियों ने मधुबनी गोविंदपुर चौक के समीप गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं मोहनाडीह जोतराम राय गांव निवासी मृतक के पिता विपलाल यादव ने बताया पूर्व मेरे बेटे को अपराधियों के द्वारा धमकी दी गई थी कि मोहन ठाकुर का ट्रैक्टर चलाना छोड़ दो नहीं तो गोली मार देंगे। मृतक के पिता ने बताया मेरा बेटा विकास यादव सेमापुर रैक पॉइंट से मक्का खाली कर ट्रैक्टर से वापस घर आ रहा था इसी दौरान पल्सर बाइक से आए तीन अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। वही सेमापुर ओपी अध्यक्ष विजेंद्र कुमार ने बताया मामले की छानबीन की जा रही हैं। मृतक विकास यादव पोस्टमार्टम करवाने के बाद मृतक के परिजनों को शव सौंप दिया जाएगा। उन्होंने बताया आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर छापामारी कर अपराधियों की जल्द ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन पुलिस ने किया

अर्ध निर्मित तीन पिस्टल ,एक रिवाल्वर ,2 देसी पिस्तौल 20 जिंदा कारतूस को बरामद

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मधेपुरा गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन करने में सफलता हासिल की है। कटिहार पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली वैसे ही एसपी जितेंद्र कुमार ने सदर एसडीपीओ ओम प्रकाश के नेतृत्व में मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम गठित कर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मधेपुरा गांव में शुक्रवार कि देर रात 11:00 बजे घुसकर छापेमारी की। सुबह के 3:00 बजे तक चली। इस बड़ी कार्रवाई में गन फैक्ट्री के एक संचालक नगर थाना क्षेत्र के हरीगंज निवासी मोहम्मद जलील के पुत्र 35 वर्षीय मोहम्मद आसिक को गिरफ्तार कर लिया। वही गिरफ्तार शख्स घर से अर्ध निर्मित तीन पिस्टल ,एक रिवाल्वर , 2 देसी पिस्तौल समेत कई आधुनिक अर्ध निर्मित हथियार 20 जिंदा कारतूस को बरामद किया।

जितेंद्र कुमार मामले को लेकर प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि गिरफ्तार गन फैक्ट्री के संचालक से पूछताछ की जा रही है कि हथियारों के कहां-कहां से सप्लाई किया है। सप्लाई की चिन्हित स्थलों पर छापेमारी जा रही है।जल्द ही उसे भी उद्भेदन कर लिया जाएगा। इस छापामारी टीम में पुलिस निरीक्षक थाना अध्यक्ष मुफस्सिल थाना रंजीत कुमार सिंह डंडखोरा थाना अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह मुफस्सिल थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राजेश कुमार पवन कुमार विकास कुमार डंडखोरा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक समरजीत कुमार मुफस्सिल थाना और डंडखोरा की टीम शामिल थी

दक्षिणी मुरादपुर पंचायत के नया टोला तीनघरिया गांव जाने वाली सड़क पर जलजमाव

आवागमन में लोगों को हो रही है

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कुरसेला प्रखंड के दक्षिणी मुरादपुर पंचायत के नया टोला तीनघरिया गांव जाने वाली सड़क पर जलजमाव की समस्या से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो दिनों के जोरदार बारिश ने नया टोला तीनघरिया गांव जाने वाली सड़क को जलमग्न कर दिया है। वहीं लोगों का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है।सड़क की स्थिति दो दिन के बारिश में ऐसी दयनीय स्थिति हो गई है तो सावन तथा भादो के बरसात में सड़क की क्या स्थिति होगी।तिनघरिया गांव जाने वाली सड़क दयनीय स्थिति को लेकर स्थानीय लोग काफी चितित हैं। सड़क में नाला नहीं रहने के कारण बारिश का पानी से लोगों को पांच सौ मीटर पानी में चलना पर रहा है।जबकि इस सड़क से लगभग एक हजार लोगों का आवागमन होता है। स्थानीय ग्रामीण कोकन साहनी, पवन साहनी, अशोक साहनी, विनोद साहनी, साजन कुमार, सुभाष कुमार गणेश कुमार, अजय कुमार, अखिलेश साहनी का कहना है कि सड़क के किनारे नाले का निर्माण तो कराया गया था। लेकिन नाला ऊपर है सड़क नीचे है।जिससे सड़क पर जलजमाव की समस्या बनी हुईहैं।बारिश का पानी सड़क पर लगा रहता है। हम लोगों को बरसात के दिनों में 3 महीने तक हाट व बाजार सहित अन्य कार्यों के लिए जलमग्न सड़क से आवागमन करने को मजबूर है।

लेकिन आज तक पानी निकासी को लेकर कोई सार्थक पहल नहीं हुआ है। गांव वासियों को आने - वाले लोग घुटने भर पानी व कीचड़ में अवागमन करने पर विवश हैं। जल निकासी का प्रबंध नहीं होने के चलते आधे घंटे की बारिश में ही सड़क पर दो से तीन फीट पानी जमा हो जाता है। जल जमाव हो जाने के बाद अन्य जगहों पर जाने वाले पैदल यात्रियों एवं वाहन चालकों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। सड़क पर पानी जमा हो जाने के कारण आवागमन में परेशानी बनी हुई रहती है।

पानी व कीचड़ से निजात पाने के लिए जल निकासी जरूरी है। जल निकासी नहीं होने के कारण सड़कों पर बरसात का पानी जमा हो जाता है। पानी की निकासी नहीं होने से लोगों को आवागमन के लिए असुविधा का सामना करना पड़ता है। मोहल्लों में जल जमाव होने से सबसे बड़ी परेशानी मच्छरों से होती है। जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बरारी के प्लसटू जागेश्वर उवि की स्थिति चिंताजनक,शिक्षक नदारत

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बरारी प्रखंड अन्तर्गत प्लसटू जागेश्वर उच्च विद्यालय गुरूबाजार में बच्चों के पठन को छोड़ शिक्षक अपनी उपस्थिति बनाकर चलते बने,विद्यालय में रहना मुनासिब नही समझते हैं, जबकि ग्यारहवी की टेस्ट परीक्षा चल रही है,एडमीशन भी ली जा रही है ऐसे में शिक्षकों का विद्यालय में हाजिरी बनाकर फरार हो जाने से ग्रामीणों ने आक्रोश जताया,ग्रामीणों में राजेश कुमार चौधरी,बंटी साह,पवन चौरसिया, रिंकु कुमार,दिनेश,अनिकेत,वैभव सहित युवाओं ने बताया कि विद्यालय में अव्यवस्था का माहौल है,जब प्रधानाध्यापक सौरभ प्रसुन्न एवं किरानी अभय कुमार अपने कामों में इतने व्यस्त थे कि उन्हे पूछने पर साफ कह दिया जहाँ शिकायत करना हो करो कुछ नही होने वाला, जबकि टेस्ट परीक्षा रूम में एक भी शिक्षक नही थे, एक बेंच पर पाँच बच्चे बैठे थे, अव्यवस्था ही अव्यवस्था था, क्या यही है कटिहार जिला में शिक्षा व्यवस्था, क्या शिक्षा विभाग को बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ का अधिकार किसने दिया, आखिर कब दुरुस्त होगी शिक्षकों की मनमानी वाली अव्यवस्था।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री संपर्क योजना के तहत सड़क निर्माण कराए जाने को लेकर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। पंचायत कार्यालय निमौल तथा प्रखंड मुख्यालय आजमनगर से रंगापोखर गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए ग्रामीणों द्वारा वर्षों से जनप्रतिनिधि से लेकर प्रशासनिक स्तर के अधिकारियों तक से गुहार लगा चुके हैं।बावजूद इसके निमौल रंगापोखर गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का निर्माण कार्य अभी तक नहीं हो सका है। गांव के लोगों को अभी भी बरसात के मौसम में मरीजों के इलाज के लिए अन्यत्र जाने को खटिया का सहारा लेना पड़ता है।बरसात के मौसम में पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।आजादी के बाद रंगापोखर गांव को पक्की सड़क नसीब नहीं हुआ है।इस बाबत आक्रोशित ग्रामीणों ने निमौल रंगापोखर मुख्य मार्ग पर आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया साथ हीं एक माह के अंदर निमौल रंगापोखर मुख्य मार्ग मुख्यमंत्री संपर्क योजना के तहत निर्माण कराए जाने की मांग की अन्यथा की स्थिति में जन आंदोलन किए जाने की चेतावनी भी दी है।प्रदर्शन कार्यक्रम वार्ड संख्या 6 के वार्ड सदस्य मो.हिदायत अली के नेतृत्व में मो.अरमान,मो.अफसर,सोहराब रहमान ,रजीबुल,फजलु ,अरशद,हनीफसलीम,महफूज अब्दुल कुदुस आदि सहित सैकड़ों की तादात में ग्रामीण शामिल रहे।इस संबंध में मनिहारी डिवीजन के कनीय अभियंता रामचंद्र राम ने पूछे जाने पर बताया निमौल रंगापोखर मुख्य मार्ग को मुख्यमंत्री योजना के तहत स्वीकृति प्रदान हुई है।साथ ही टेंडर भी करा दिए गए हैं।बहुत जल्द कार्य के संवेदक को वर्क आर्डर देते हुए धरातलीय स्तर पर निर्माण कार्य आरंभ कर दिए जाएंगे।

फायरिंग का विरोध करने पर युवक को मारी गोली, घायल युवक का सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। सहायक थाना क्षेत्र के गौशाला में विवाह के दौरान बारात में शामिल लोगों ने हर्ष फायरिंग किया। हर्ष फायरिंग का विरोध कर रहेक्ष युवक डेहरिया निवासी पवन कुमार को पैर में गोली लग गई। जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। नगर थाना क्षेत्र के डेहरिया निवासी इलाज रत घायल पवन कुमार झा ने बताया कि बीती रात गौशाला निवासी नवल किशोर सिंह की पुत्री की शादी समारोह का आयोजन था जिसमें अपने दोस्त के भाई के विवाह में डेहरिया से गौशाला पहुंचे थे। उसी बारात में शामिल डेहरिया प्रताप नगर निवासी प्रमोद झा व उसका साला विवेक झा ने हर्ष फायरिंग करना शुरू कर दिया। हर्ष फायरिंग का विरोध करने पर आपसी नोकझोंक के दौरान पवन कुमार झा को पैर में गोली लग गई जिसे आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया जहां घायल को भर्ती कर इलाज चल रहा है। मामले की सूचना नगर थाना पुलिस को मिली। अवर निरीक्षक सिया राम सिंह सदर अस्पताल में पहुंचकर पीड़ित पवन कुमार झा से फर्द बयान लेकर आगे की अनुसंधान में जुट गए हैं। बताया जाता है कि नामजद आरोपी प्रमोद कुमार मिलिट्री से रिटायर्ड है और अपने पास लाइसेंसी बंदूक रखता है। वही पवन कुमार झा पूर्णिया स्थित माइक्रोफाइनेंस कंपनी में ब्रांच मैनेजर है।

डीएम ने समेकित मत्स्य पालन एवं मखाना उत्पादन के संसाधन एवं कार्यों की भौतिक निरीक्षण किया

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। शनिवार को जिला पदाधिकारी इनायत खान द्वारा रानीगंज प्रखंड अंतर्गत मोहनी पंचायत में मुख्यमंत्री कुशल श्रमिक क्लस्टर योजना के तहत समेकित मत्स्य पालन एवं मखाना उत्पादन के संसाधन एवं कार्यों की भौतिक निरीक्षण किया गया। मौके पर संबंधित पदाधिकारी द्वारा इसके निर्माण एवं संचालन के विभिन्न आयामों से जिला पदाधिकारी महोदया को अवगत कराया। ज्ञात हो कि बिहार राज्य भवन निर्माण निगम, पटना द्वारा राशि वित पोषित है। इसका संचालन उद्योग विभाग बिहार सरकार द्वारा किया गया है। मौके पर उपस्थित समेकित मत्स्य पालन एवं मखाना उत्पादक संचालक श्री प्रधान बेसरा द्वारा बताया गया कि 11 एकड़ 26 डिसमिल निजी जमीन में मत्स्य पालन एवं मखाना उत्पादन का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्य में लगभग 60-70 प्रवासी श्रमिक एवं समान मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 82 एकड़ में मखाना का उत्पादन किया जा रहा है। इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा मत्स्य पालन के तालाबों एवं उपलब्ध संसाधनों का मुआयना किया गया। इसके बाद मखाना प्रोसेसिंग के उपयोग में आने वाले विभिन्न प्रकार की मशीन एवं उपकरण का निरीक्षण किया गया। मौके पर उपस्थित उद्योग महाप्रबंधक द्वारा मखाना प्रोसेसिंग तैयार कर उपयोग में लाने तक की विधि से जिला पदाधिकारी महोदया को अवगत कराया गया। मौके पर संबंधित पदाधिकारी मौजूद।

ग्रामीणों की शिकायत पर नरकटियागंज एसडीओ पहुंचे बापू के कर्म स्थली मुरली भरहवा गांव

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा प्रखण्ड अन्तर्गरत मुरली भरहवा गांव के ग्रामीणों के शिकायत पर एसडीओ धनंजय कुमार मुरली भरहवां गांव पहुंचे ,जहां राजकुमार शुक्ला व संत रावत के प्रतिमा को बचाने के लिए पंडाई नदी में कटाव रोधी बांध का निर्माण कार्य चल रहा है । ग्रामीणों की शिकायत थी कि मुरली भरहवां में राजकुमार शुक्ला व संत राउत की प्रतिमा को बचाने के लिए पंडई नदी में कटाव रोधी बांध निर्माण का कार्य चल रहा है इसके द्वारा नदी के धारा को मोड़ने के लिए नदी को जो बीचो-बीच चीरा गया है उसे कम से कम 300 फीट और आगे तक बढ़ा दिया जाए।जिसे मझरिया गांव का भी बचाव हो सके। लेकिन इंजीनियर व संवेदक एक भी सुनने को तैयार नहीं थे ,वही बाध्य होकर ग्रामीणो ने काम को रोक दिया था । और कार्यस्थल पर बरीय पदाधिकारी को बुलाने की मांग पर अड़े थे । वहीं मौके पर पहुंच कर एसडीओ धनंजय कुमार हो रहे निर्माण कार्य का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों से मिलकर उनकी शिकायत सुनी । इसके बाद संवेदक व इंजीनियर को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि राजकुमार शुक्ला व संत रावत के प्रतिमा के बचाव के साथ-ही साथ मझरिया गांव का भी बचाव भी जरूरी है ।इसके लिए नदी की धारा को और आगे तक चीरना होगा जिसकी लंबाई कम से कम100 मीटर होनी चाहिए जिससे नदी में आए बाढ़ का पानी आसानी से आगे तक निकल सके। और बाढ़ के पानी से मझरिया गांव का भी बचाव हो सके। इसके साथ ही एसडीओ धनंजय कुमार ने बैरिया माधोपुर गांव पहुंचकर हड़ बोड़ा नदी से हो रहे बैरिया माधोपुर गांव तथा कब्रिस्तान का कटाव का भी अवलोकन किया । मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय प्रकाश राय व अंचलाधिकारी अमित कुमार मौजूद रहे ।

पंचायत के गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना की जांच की गई

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। भितहा बिहार सरकार के शख्त निर्देश के आलोक में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में वैसे आवास लाभुकों को चिन्हित किया जा रहा है जो राशि का उठाव कर अब तक आवास निर्माण कार्य पूरा नहीं कर सके हैं।शनिवार को आवास प्रवेक्षक मनोज कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2016-17, से लेकर अब तक विभिन्न पंचायतों में कुल 3670 लाभुकों को आवास योजना से लाभान्वित किया जा चुका है जिसमें अब तक कुल 3149 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष बचे आवासों को पूर्ण कराने के लिए सभी पंचायतों में डोर टू डोर जाकर निरीक्षण कर वैसे लाभुकों को चिन्हित किया जा रहा है जो राशि उठाव कर के बार -बार चेतावनी देने के बावजूद अब तक आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किये हैं। अब वैसे सभी लाभुकों पर सर्टिफिकेट केस कर आवास की राशि वसूल की जायेगी।ज्ञात हो कि प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में अभी कुल 521ऐसे लाभुक हैं जो अब तक आवास निर्माण कार्य में शिथिलता बरते हुए हैं या जिनका आवास निर्माण कार्य अभी अधुरा है।जिनपर कार्यवाही तय है।

बीडीओ अजीत सिंह द्वारा क्षेत्र में आवास योजना का किया गया जांच

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत के गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना की जांच की गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने प्रथम किस्त का उठाव कर लिया है वह कार्य पूरा कर दूसरे किस्त के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने बताया कि आवास सहायकों को दिशा निर्देश दिया जा चुका है की आवास योजना के लाभार्थियों को किसी तरह का दिक्कत का सामना ना करना पड़े। ऐसी व्यवस्था करें कि लाभुकों को दूसरा और तीसरा किस्त काम पूरा होने के साथ ही आसानी से उनके खाते में पहुंच सके। जो लाभार्थी ने प्रथम किस्त का उठाव कर लिया है लेकिन घर नहीं बनाया है उन लोगों की पहचान कर प्राथमिकी दर्ज करायी जाएगी।सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना की शत प्रतिशत सफलता के लिए लाभार्थी एवं पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। लोगों को अपना अपना घर बनाने के लिए जागरूक किया गया। बीडीओ ने बताया कि कुछ ऐसे भी लोगो कि पहचान किया गया है जिन्होंने आवास बनाने के नाम पर राशि का उठाव कर लिया है लेकिन अभी तक मकान बनाने की उनके द्वारा नींव भी नहीं रखी गई है। उन लोगों को सख्त हिदायत दे दिया गया है अगर वह व्यक्ति एक सप्ताह के अंदर मकान बनवाने का कार्य शुरू नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सर्टिफिकेट केस कर प्राथमिकी भी दर्ज की जाएगी। साथ हि उठाव की गई राशि की वशूली भी किया जायेगा। बीडीओ ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2015-16, 17 -18, 19-20 और 21-22 की जांच किया गया जिसमें कोईरपट्टी पंचायत के मलाहिटोला के बहुत से आवास लाभार्थियों के नाम का खुलासा हुआ।

बैजनाथ प्रसाद यादव बनाए गए गौनाहा के विधान परिषद प्रतिनिधि

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। गौनाहा प्रखण्ड के गौनाहा पँचायत के ग्राम गौनाहा के वार्ड संख्या 7 निवासी सह राष्ट्रीय जनता पार्टी के पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष बैजनाथ प्रसाद यादव को नव निवार्ची विधान परिषद सदस्य शौरभ कुमार ने अपना प्रतिनिधि बनाया है। उन्होंने अपना एक पत्र बैजनाथ यादव को दिया है , जिसमे उन्होंने लिखा है कि बैजनाथ यादव पिता स्वर्गीय सीता राम यादव को गौनाहा प्रखण्ड के प्रखण्ड और अंचल सहित सभी तरह के विकाश कार्यो का समिक्षा करने और सभी तरह के बैठकों में मेरा प्रतिनिधित्व करने के लिए आपको नामित किया गया है। वही विधान परिषद प्रतिनिधि बैजनाथ प्रसाद यादव ने शौरभ कुमार को सहृदय धन्यवाद देते हुए बताया कि , विधान परिषद सदस्य शौरभ कुमार मुझे यह जिम्मेवारियां सौपें हैं , मैं इसे पूरी कर्तब्य निष्ठा से निर्वहन करूँगा। वही प्रखण्ड के राष्ट्रीय जनता दल के प्रखण्ड अध्यक्ष अबताब आलम ने बैजनाथ प्रसाद यादव को पूरे कार्यकताओं के तरफ से बधाई देते हुए कहा कि , हमलोग बैजनाथ प्रसाद यादव के नेतृत्व में गौनाहा में विधान परिषद सदस्य के जीत की लड़ाई लड़े और शौरभ कुमार को जीत हासिल हुई , क्योकी यह एक कार्य कुशल नेता हैं। वही ओमप्रकाश चौरसिया , शौकत मिया , रसीद मिया, प्रभु यादव , मदन ठाकुर , बृजलाल यादव सहित दर्जनों कायकताओं ने बधाइयां दी ।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधिक्षकों के साथ की समीक्षा बैठक

अवैध खनन हुआ तो अफसरों की खैर नहीं, अवैध माइनिंग कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी

» मदरलैण्ड संवाददाता

राँची। अवैध खनन किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रकार के अवैध खनन पर हर हाल में रोक लगनी चाहिए। अवैध खनन में संलिप्त लोगों या माफियाओं के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। अवैध माइनिंग रोकने के लिए प्रभावी मैकेनिज्म तैयार करें। कुछ खनन माफियाओं द्वारा जानबूझकर इलीगल माइनिंग को अंजाम दिया जा रहा है ताकि वर्तमान सरकार की छवि खराब की जा सके। उक्त निर्देश मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आयोजित राज्य के सभी जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दी। मुख्यमंत्री ने धनबाद, हजारीबाग आदि कोल माइनिंग वाले जिलों एवं पाकुड़, चाईबासा, लातेहार, रांची आदि पत्थर माइनिंग वाले जिलों में पदस्थापित अधिकारियों को विशेष तौर पर कड़ी हिदायत देते हुए अवैध खनन एक्टिविटी पर लगाम लगाने का निर्देश दिया है। अवैध खनन हुआ तो अब अफसरों की खैर नहीं। सख्त कार्रवाई का निर्देश राज्य सरकार ने दिया है। अवैध खनन को रोकने को लेकर राज्य सरकार एक्शन मोड में दिख रही है।

अवैध माइनिंग कतई बर्दाश्त नही की जाएगी

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य के किसी भी हिस्से में अवैध खनन कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मेजर मिनरल हो या माइनर मिनरल अवैध खनन रोकना आपसभी की जिम्मेदारी है। अवैध खनन रोकने के मामले में जो अधिकारी लापरवाही बरतेंगे उन पर ठोस कार्रवाई की जाएगी। अवैध खनन रोकने को लेकर राज्य स्तर में भी विशेष टीम का गठन किया जाएगा। हर स्तर पर राज्य सरकार अपनी पैनी नजर रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन की शिकायतों को जिलों में पदस्थापित अधिकारी गंभीरता से लें। अवैध खनन की शिकायतों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन से संबंधित शिकायतों को रिसीव करने के लिए टोल फ्री नंबर जारी करें। किसी भी

माध्यम से आपके पास अवैध खनन को लेकर शिकायतें आती हैं तो उन शिकायतों पर माइनिंग रूल्स के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है। कई बार ऐसी सूचनाएं मिलती हैं कि अवैध खनन क्षेत्रों में सुरंगों के अंदर लोग दब कर मर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे माइनिंग साइड जहां दुर्घटना की संभावना हो, उसे चिन्हित कर डोजरिंग कर ध्वस्त करने का काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि कुछ लोग ट्रांसपोर्ट के जरिए भी कोयले की चोरी करते हैं। सड़क मार्ग तथा रेल मार्ग में जगह जगह पर कोयला गिराया जा रहा है। कहीं कहीं चेन पुलिंग इत्यादि कर कोयले की चोरी की जा रही है। झारखंड पुलिस तथा आरपीएफ आपसी समन्वय बनाकर इस प्रकार की कोयला चोरी को रोकने का कार्य करें।

1 जून से 15 जून 2022 तक स्पेशल ड्राइव चलाएं

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक आगामी 1 जून से 15 जून 2022 तक स्पेशल अभियान चलाकर अवैध माइनिंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि खनन वाले क्षेत्रों पर सुविधा अनुसार प्रभावी मैकेनिज्म तैयार कर अवैध खनन से जुड़े लोगों तथा माफियाओं पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। 15 जून के बाद अवैध खनन से संबंधित उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अवैध खनन रोकने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे एक्टिविटीज जानकारी सप्ताह में एक बार मीडिया के समक्ष रखें।

माइनिंग क्षेत्र एवं चेकपोस्ट में सीसीटीवी कैमरा लगाएं

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खनन वाले क्षेत्र एवं जिलों में स्थित चेकपोस्ट में सीसीटीवी कैमरा लगाना सुनिश्चित करें। खनन करने वाली सरकारी अथवा गैर सरकारी कंपनियों को निगरानी हेतु माइनिंग साइड तथा कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापित करने के लिए निर्देशित करें।

नदियों में हो रहे अवैध खनन पर भी रोक जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी शिकायतें मिली हैं कि नदियों में बालू की अवैध खनन हो रही है। नदियों में हो रहे अवैध खनन को हर हाल में रोकें। वाटर रिसोर्स को भी बचाना आवश्यक है। नदियों में अवैध खनन होने से पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव देखने को मिलता है।

बैठक में विभिन्न जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अवैध खनन को रोकने से संबंधित की जा रही अद्यतन कार्यों की जानकारी रखी।

डीएम ने कटाव निरोधक कार्य का किया निरीक्षण

समय पर कार्य पूरा करने का दिया आदेश

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के नये डीएम रौशन कुशवाहा ने शनिवार को खोदावन्दपुर पहुंचकर फफौत पुल के समीप बूढ़ीगंडक नदी के कटाव स्थल पर किये जा रहे कटाव निरोधक कार्य का निरीक्षण किया. उन्होंने कार्य स्थल पर हो रहे जीओ बेगिंग एवं बंबू फाइलिंग कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया.जिलाधिकारी ने निर्धारित समय पर इस कार्य को पूरा कर लेने का निर्देश संवेदक को दिया.

क्या है स्थिति-

बताते चले कि पिछले वर्ष तत्कालीन जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने खोदावन्दपुर प्रखंड में नदी के विभिन्न कटाव स्थलों का निरीक्षण किया था. फफौत गांव में ग्रामीणों ने डीएम को बताया था कि यहां कटाव का गंभीर खतरा है.लगभग पांच सौ मीटर की लंबाई में पानी घटने के बाद तटबंध में दरारें आ गयी थी.यहां ठोस कटाव निरोधक कार्य की जरूरत है.डीएम ने लोगों को भरोसा दिया था कि जल्द ही इस कटाव स्थल पर मजबूत रुप से सुरक्षा का इंतजाम किये जायेगें.डीएम की इस पहल पर एक करोड़ 41 लाख की प्राक्कलित राशि से बंबू फाइलिंग एवं जियो बैगिंग करवाया जा रहा है.

प्रखंड प्रमुख ने क्षेत्र में जलजमाव की समस्या से डीएम को करवाया अवगत-

प्रखंड प्रमुख संजू देवी ने डीएम रौशन कुशवाहा को क्षेत्र के चार पंचायतों में वर्षा से हर वर्ष होने वाले जलजमाव की समस्या की जानकारी दी. तथा इसका ठोस उपाय करवाने का आग्रह किया. डीएम श्री कुशवाहा ने जल्द ही इस समस्या के निदान का भरोसा दिया. इस मौके पर प्रखंड प्रमुख ने प्रखंड क्षेत्र में बूढ़ीगंडक नदी के तटबंध में विभिन्न कटाव स्थलों की जानकारी दी और बताया कि मेघौल, बिदुलिया, मालपुर, फफौत, बरियारपुर पश्चिमी, मिजार्पुर, बाड़ा, बेगमपुर, मोहनपुर एवं नुरुल्लाहपुर आदि गांवों में तटबंध को मजबूत करने की जरूरत है.

मौके पर थे मौजूद-

डीएम के निरीक्षण के क्रम में ओएसडी सच्चिदानंद सुमन, एसडीएम मुकेश कुमार, एसडीपीओ सत्येन्द्र कुमार सिंह, बीडीओ राघवेंद्र कुमार, सीओ अमरनाथ चौधरी, अपर थानाध्यक्ष अर्चना झा, बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल रोसड़ा के सहायक अभियंता नवीन कुमार, सहायक अभियंता नीतीन गर्ग, कनीय अभियंता राम प्रवेश कुमार, राम नरेश सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष अवनीश कुमार वर्मा, सरपंच दिलदार हुसैन, मुखिया प्रतिनिधि सह पूर्व मुखिया अनिल कुमार, समाजसेवी डॉ अरविंद कुमार, रामनारायण महतो, दिनेश महतो, नवीन कुमार धर्मा, राजेश कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे.

राजीव गांधी की 31 वीं पुण्यतिथि मनायी गई

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 31 वीं पुण्यतिथि कटिहार के कांग्रेसियों ने जिला अध्यक्ष प्रेम राय के अगुवाई में बड़े ही धूमधाम के साथ स्व गांधी के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प चढा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर राजीव गांधी अमर रहे के गुन्जायेमान नारे भी लगे।

वहीं छोटे-छोटे बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रेम राय ने कहा कि राजीव गांधी युगपुरुष थे। उन्होंने 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार पंचायती राज व्यवस्था सूचना संचार व कंप्यूटर क्रांति नवोदय विद्यालय जैसे क्रांतिकारी कार्य किए थे। उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज देश को विश्व के मानचित्र पर अलग पहचान मिली है। अगर वे जीवित होते तो भारत की दिशा और दशा कुछ और ही होती। इस अवसर पर आईटी सेल के प्रदेश सचिव नितिन सिन्हा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मसरूर आलम, सौरभ कुमार, माधव पांडे, राकेश यादव, पंकज यादव, कमरुल हक, नसीम अंसारी, रेशमा परवीन, सहित कई कांग्रेसी मौजूद रहे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

डॉ. समीर भाटी और धन सिंह रावत ने निःशुल्क पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे फैसिलिटी का किया उद्घाटन

शिमला। स्टार वेलनेस एंड केयर फाउंडेशन और सिक्स सिग्मा हाई एल्टीट्यूड मेडिकल सर्विसेज द्वारा चार धाम यात्रियों के लिए सुनियोजित निःशुल्क पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे सुविधा का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि श्री. धन सिंह रावत, स्वास्थ्य, शिक्षा और सहकारिता मंत्री, उत्तराखंड सरकार, के साथ साथ रुद्रप्रयाग के एम. एल. ए. श्री भरत सिंह, केदारनाथ की एम. एल. ए. श्रीमती शैला रानी रावत, रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी श्री मयूर दीक्षित, एस. पी. श्री आयुष अग्रवाल, सी. एम. ओ. श्री बिदिश कुमार शुक्ल, सी. डी. ओ. श्री नरेश कुमार, डॉ. प्रदीप भारद्वाज, चिकित्सा निदेशक, सिक्स सिग्मा और डॉ. समीर भाटी, संस्थापक और निदेशक, स्टार वेलनेस एंड केयर फाउंडेशन अपनी उपस्थिति से इस अवसर को गौरवान्वित किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा के बारे में बात करते हुए, स्टार फाउंडेशन के संस्थापक डॉ समीर भाटी ने कहा कि, ह्लपोर्टेबल और आसानी से संचालित होने के कारण, यह डिजिटल एक्स-रे मशीन विभिन्न दूरस्थ स्थानों में गुणवत्ता जांच और निदान देने के लिए बहुत उपयोगी होगी, खासकर पहाड़ी इलाकों में जहां इसे कहीं भी, कभी भी अस्पताल के बाहर भी ले जाया जा सकता है। उन्नत तकनीक के कारण, यह वास्तव में हमें फोन पर तुरंत स्पष्ट और बेहतरीन तस्वीरें प्राप्त करने में मदद करेगा जिससे सफल और सटीक निदान में भी मदद मिलेगी।ह्व

अभियान के बारे में विचार साझा करते हुए, डॉ. भाटी ने कहा कि, ह्लस्टार वेलनेस एंड केयर फाउंडेशन निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करने के लिए समर्पित है। हमारी संस्था अपने कार्यक्रम स्टार हेल्दी इंडिया मिशन के तहत विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य पहल के लिए लगातार कदम उठा रहा है ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुगम बनाया जा सके। हमें इस दिव्य यात्रा में स्वास्थ्य रुपी सहायता प्रदान करने में अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज ने 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया

मुंबई, एजेंसी। टायर इंडस्ट्री में मशहूर नाम जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेके टायर) ने वित्तीय वर्ष 2022 के लिए अपने ऑडिटेड परिणाम घोषित कर दिए हैं। परिणाम पर टिप्पणी करते हुए, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के सीएमडी डॉ.रघुपति सिंघानिया ने कहा कि जेके टायर ने वित्त वर्ष 2022 में अब तक का सबसे अधिक 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया। कोरोना प्रतिबंधों के खुलने के बाद अच्छी मांग है, जिसके परिणामस्वरूप वाणिज्यिक वाहन और पैसेंजर कार टायर सेक्शंस में ज्यादा डिमांड आई है। एक्सपोर्ट ने शीर्ष-पंक्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 60 फीसदी ज्यादा था।

सिंघानिया ने कहा कि वित्त वर्ष 21-22 में असाधारण आवक लागत वृद्धि ने चौतरफा लागत में कमी और दक्षता में सुधार के उपायों के साथ-साथ सभी टायर कैटेगरीज में समय-समय पर कीमतों में वृद्धि के बावजूद हमारे मार्जिन को प्रभावित किया है। हमें उम्मीद है कि तनावों और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के समाधान के बाद मुद्रास्फीति संबंधी दबाव कम होंगे। डॉ. सिंघानिया ने कहा कि हम संसाधनों के संरक्षण, बाजार में उन्नत और अलग-अलग उत्पादों की पेशकश पर ध्यान देने के साथ स्थायी कंपनी बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जेके टायर की सहायक कंपनियों- कैवेंडिश इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जेके टॉर्नेल, मैक्सिको ने राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दोनों संस्थाओं ने वित्त वर्ष 21-22 के लिए अब तक की सबसे अधिक बिक्री हासिल की है। यह रुझान भविष्य में भी जारी रहेगा। डॉ. सिंघानिया ने कहा कि हम टायर उद्योग के दृष्टिकोण पर आशावादी हैं, क्योंकि हम बेहतर ढांचागत गतिविधियों, उच्च मोटर वाहन मांग और बेहतर बाहरी वातावरण को देखते हैं। कंपनी ने 530 करोड़ रुपये की लागत से अपनी पीसीआर क्षमता का विस्तार किया है। जिसका अतिरिक्त लाभ वर्ष 2023 के अंत तक उपलब्ध होने की उम्मीद है और बिक्री और लाभप्रदता में वृद्धि होगी।

संक्षिप्त समाचार

एक्सिस एएमसी ने फंड मैनेजर को निलंबित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सिस बैंक द्वारा प्रवर्तित म्युचुअल फंड एक्सिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एक्सिस एएमसी) ने अपने कोष प्रबंधक को गोपनीय सूचना सार्वजनिक होने से पहले उसका लाभ उठाने (फ्रंट रनिंग) के आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया। कंपनी ने कुछ दिन पहले ही अपने मुख्य व्यापारी वीरेश जोशी को भी इसी आरोप में बर्खास्त किया था। फ्रंट-रनिंग शेयर बाजार में एक अवैध परिपाटी को दर्शाता है जहां एक इकाई अपने ग्राहकों को जानकारी उपलब्ध कराने से पहले किसी ब्रोकर या विश्लेषक से अग्रिम जानकारी के आधार पर सौदा या लेनदेन करती है। एक्सिस एएमसी ने इस महीने की शुरुआत में मामले की जांच पूरी होने तक इन दोनों कोष प्रबंधकों को निलंबित कर दिया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक्सिस एएमसी इस चल रही जांच में सहायता के लिए प्रतिष्ठित बाहरी सलाहकारों का उपयोग करते हुए फरवरी, 2022 से खुद भी आंतरिक जांच कर रही है। पड़ताल के दौरान उन्हें निलंबित करने के निर्णय के बाद दीपक अग्रवाल का एक्सिस एएमसी के साथ नियुक्ति 20 मई, 2022 से समाप्त कर दी गई है। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ने बुधवार को अपने मुख्य व्यापारी और फंड मैनेजर जोशी को भी बर्खास्त कर दिया था। हालांकि एक्सिस एएमसी ने उन उल्लंघनों के बारे में विस्तार से नहीं बताया जिनके कारण दोनों को बर्खास्त किया गया।

आरबीआई वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सरकार को देगा 30 करोड़ का लाभांश

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सरकार को 30,307 करोड़ रुपए का लाभांश देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक में यह तय किया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वह सरकार को 30,307 करोड़ रुपए अधिशेष राशि का भुगतान लाभांश के तौर पर किया जाएगा। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय निदेशक मंडल की 596वीं बैठक में सरकार को लाभांश देने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक का आकस्मिक जोखिम बफर 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला भी लिया गया। समिति ने आकस्मिक जोखिम बफर को 6.5 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच निर्धारित किया था। पिछले साल मई में आरबीआई ने जुलाई 2020 से मार्च 2021 तक के नौ महीनों की अवधि के लिए 99,122 करोड़ रुपये के लाभांश भुगतान की घोषणा की थी। इसके साथ ही आरबीआई ने लाभांश के लिए भी वित्त वर्ष के आधार पर भुगतान की व्यवस्था लागू कर दी। उसके पहले तक आरबीआई जुलाई-जून की अवधि के आधार पर लाभांश की घोषणा करता था। आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक में मौजूदा आर्थिक परिदृश्य की भी समीक्षा की गई। इसमें घरेलू हालात के अलावा वैश्विक चुनौतियों और मौजूदा भू-राजनीतिक घटनाक्रम के संभावित असर का भी आकलन किया गया। इसके अलावा पिछले वित्त वर्ष में आरबीआई के कामकाज की समीक्षा भी की गई और वित्त वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट एवं खातों को स्वीकृति दी गई। निदेशक मंडल की बैठक में डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन, माइकल देवव्रत पात्रा, एम राजेश्वर राव और टी रबी शंकर शामिल थे। इसके अलावा बोर्ड के अन्य निदेशक सतीश के मराठे, एस गुरुमूर्ति, रेवती अय्यर और सचिन चतुर्वेदी ने भी बैठक में भाग लिया।

एटीएम से बिना कार्ड निकाल सकेंगे पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिना कार्ड के किसी भी एटीएम से पैसे निकालने को लेकर नया नियम जारी किया है। बता दें कि यह सुविधा देश के सभी बैंक और एटीएम मशीनों में उपलब्ध होगी। रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2022 को एक सर्कुलर जारी कर सभी बैंकों से यह सुविधा जल्द शुरू करने को कहा है। इस सुविधा को युनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम के जरिए लिया जा सकता है। गौरतलब है कि आरबीआई की कोशिश है कि आज दौर में जब ऑनलाइन फ्राड बढ़ रहे हैं तब डिजिटल ट्रांजैक्शन को कैसे सुरक्षित बनाया जाए। बैंक के एटीएम से पैसा निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा पूरे सप्ताह 24 घंटे देश में उपलब्ध रहेगी। यह एक सुरक्षित पैसा निकासी का माध्यम है। इस सिस्टम के जरिए मोबाइल पिन जनरेट करना होगा। कैश लेस कैश विड्राल सुविधा में यूपीआई के जरिए ट्रांजैक्शन पूरा होगा। यह सुविधा सिर्फ खुद से पैसा निकालने पर रहेगी। अभी तक सभी बैंकों में यह सुविधा नहीं है। साथ ही ट्रांजैक्शन लिमिट भी रहेगी। मोबाइल और इंटरनेट बैकिंग के साथ सेविंग अकाउंट होल्डर्स को यह सुविधा रहेगी। कुछ बैंकों ने इस सुविधा की अनुमति दी है। बैंक की तरफ से लगाए गए कार्डलेस एटीएम में जाकर मोबाइल पर रिसीव हुए कोड को बस लिखना होगा। इस तरह की लेन-देन की सीमा 5 हजार से 10 हजार रुपए है।

माहेम स्टूडियोज ने अपने पहले बैटल रॉयल टाइटल की घोषणा की

चंडीगढ़ः : भारत में एएए गेम्स के पहले स्टूडियो माहेम स्टूडियोज ने अपने पहले टाइटल 'अंडरवर्ल्ड गैंग वार्स' (यूजीडब्ल्यू) की घोषणा की है, जो भारत के परिदृश्य वाला एक बैटल रॉयल गेम है। भारत से जुड़े किरदारों और कहानी के साथ यह गेम कुछ दिलचस्प किरदारों के साथ एक रोमांचक परिदृश्य का वादा करता है, जो भारत की कहानियों से प्रेरित हैं। इस घोषणा पर अपनी बात रखते हुए, माहेम स्टूडियोज के सीईओ ओजस विपट ने कहाः ह्लहम उस पहले बैटल रॉयल टाइटल को लाते हुए उत्साहित हैं, जो गेमर्स के लिये सबसे प्रासंगिक कथानक का वादा करता है। बेहतरीन ग्राफिक्स वालीं यूजीडब्ल्यू की अनोखी जगहें और अत्यंत प्रासंगिक दुनिया बैटल रॉयल के प्लेयर्स को निश्चित रूप से शानदार अनुभव देगी। हम दुनिया के लिये भारत की कुछ अनूठी कहानियों के साथ एक धमाकेदार गेम को पेश करने पर भी रोमांचित हैं।ह्वपूरी तरह से भारतीय परिदृश्य वाली कहानी, जगहें, गैंग और आइकॉन एक एएए गेम में पहली बार भारतीय संदर्भ दिखाते हैं। इस गेम का थीम, हथियार और नक्शे अपने गेमर्स को अनोखा अनुभव देने के लिये बने हैं। यूजीडब्ल्यू का गेमप्ले तेज हो जाता है, जब पश्चिम का एक कम ताकत वाला गैंग अपने पुराने दुश्मन शहरी गैंग से पूर्वी क्षेत्र को कब्जाना चाहता है। असली अनुभव देने के लिये, गेम में दिखाया गया हर क्षेत्र भारत की एक असली जगह से मिलता-जुलता है, चाहे कोयले की खदानें हों या नजदीक का अपार्टमेंट कॉम्पलेक्स। इसमें प्रसिद्ध लैंडमार्क्स भी हैं, जैसे किला, स्टेशन, स्टेडियम और रेस-कोर्स। इसी साल थोड़े समय बाद लॉन्च होने के लिये तैयार इस गेम का प्री-रजिस्ट्रेशन विंडो 22 मई से खुलेगा। माहेम स्टूडियोज ने मुंबई के महालक्ष्मी रेस कोर्स में एक ड्रोन शो के जरिये भारत में गेम का सबसे बड़ा आगाज किया है। ड्रोन शो के माध्यम से स्टूडियो ने गेम के लोगो से पर्दा हटाया और एक क्यूआर कोड भी बनाया, जिसने आने-जाने वालों को गेम का टीजर दिखाया।

कान में इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड कारों को शोकेस करेगी बीएमडब्ल्यू

बीएमडब्ल्यू कान फिल्म फेस्टिवल का है ऑफिशियल स्पॉन्सर

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगी कार निमार्ता कंपनी बीएमडब्ल्यू इस दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए 163 इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों को शोकेस करेगा। अपने ग्लोबल डेब्यू के बाद बीएमडब्ल्यू आई 7 पहली बार नजर आएगी। बीएमडब्ल्यू इस साल के कान फिल्म फेस्टिवल का ऑफिशियल स्पॉन्सर है। बता दें कि फ्रांस का प्रतिष्ठित 75वां कान फिल्म फेस्टिवल इस महीने 17 से 28 मई तक चलेगा।

बीएमडब्ल्यू आई 7 को इस कान फिल्म फेस्टिवल का माना जा रहा है। इस लग्जरी इलेक्ट्रिक कार का इस्तेमाल वीआईपी, डेलीगेट्स और कार्यक्रम के अधिकारियों को लाने और ले जाने के लिए किया जाएगा। जर्मन कार निमार्ता का लक्ष्य अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है. इस नई पार्टनरशिप में बीएमडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय मेहमानों, वीआईपी और अधिकारियों को प्रीमियम इलेक्ट्रिक व्हीकल की अपनी रेंज को करीब से अनुभव करने का अवसर दे रहा है। रेड कार्पेट का सितारा नई बीएमडब्ल्यू आई7 होगी, जिसे 20 अप्रैल को ग्लोबल प्रीमियर के बाद पहली बार सड़क पर देखा जा सकता है। उत्सव के दौरान तीन आई 7 इलेक्ट्रिक कारों को तैनात किया जाएगा, जबकि चौथी आई 7 को एक होटल के प्रवेश द्वार पर शेकेस के लिए रखा जाएगा।

फेस्टिवल सिटी का दौरा करते समय मूवी देखने वाले अपनी निजी पसंदीदा मूवी और वीडियो स्ट्रीमिंग शेड्यूल का उपयोग कर सकते हैं। आई7 के अलावा बीएमडब्ल्यू आईएक्स, आई 4, आई एक्स3 जैसी इलेक्ट्रिक कारों को एयरपोर्ट, इवेंट के स्थानों और होटलों के बीच ट्रांसफर के रूप में भी पेश करेगी। बीएमडब्ल्यू आई 7 में एक बार चार्ज करने पर 625 किलोमीटर तक की रेंज मिलती है। इसके इंटीरियर का मैन अट्रैक्शन बीएमडब्ल्यू थिएटर स्क्रीन, 31.3 इंच का पैनोरमिक ओलेड टचस्क्रीन, 32:9 फॉरमेट और 8के रिजॉल्यूशन है। कार की सेकेंड रो में एक स्पेशल सिनेमा लाउंज मिलता है।

भारी उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार भारी उतार-चढाव के बीच तीन फीसदी बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। सप्ताह के दो कारोबारी दिनों में बाजार में बढ़त देखने को मिली लेकिन अगले दो कारोबारी दिनों में बाजार ने सारी बढत गवां दी। फिर शुक्रवार को सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बाजार ने यू टर्न लिया और पिछले दिनों की भरपाई करते हुए बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। बाजार के जानकारों का कहना है कि शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में मजबूती, खासकर एशियाई बाजारों में तेजी से घरेलू बाजार में उछाल दर्ज किया गया। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 273.74 अंक बढ़कर 53,067.36 पर खुला और 634.66 अंक के उछाल के साथ 53,428.28 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 91.1 अंक बढ़कर 15,873.25 पर खुला और 60.15 अंक की बढ़त लेकर 15,842.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 362.9 अंक बढ़कर 53,336.74 पर खुला और 1,425.58 अंक के उछाल के साथ 54,399.42 पर बंद हुआ। निफ्टी 122.25 अंक बढ़कर 15,964.55 पर खुला और 417 अंक की बढ़त लेकर 16,259.30 पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 344.71 अंक बढ़कर 54,663.18 पर खुला और 109.94 अंक गिरकर 54,208.53 पर बंद हुआ। जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 101.15 अंक बढ़कर 16,360.45 पर खुला और 19 अंक के नुकसान से 16,240.30 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 1,154.78 अंक की गिरावट के साथ 53,053.75 पर खुला और 1,416.30 अंक का गोता लगाकर 52,792.23 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 335.65 अंक गिरकर 15,904.65 पर खुला और 430.90 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 15,809.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 906.98 अंक चढ़ कर 53,699.21 पर खुला और 1,534.16 अंक की उछाल के साथ 54,326.39 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 308 अंक की बढ़त के साथ 16,117.40 पर खुला और 456.75 अंक की बड़ी बढ़त लेकर 16,266.15 पर बंद हुआ।

रसभरी शाही लीची को स्वाद अब महानगरों के लोग भी चख सकेंगे

लीची अब हवाई जहाज से महानगरों तक पहुंचेगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर की रसभरी शाही लीची का स्वाद केवल बिहार के लोग ही नहीं, बल्कि कई राज्यों के लोग भी इसका लुत्फ उठाएंगे। बिहार की लीची अब हवाई जहाज से महानगरों तक पहुंचेगी। बिहार की लीची दरभंगा एयरपोर्ट से आज से वाया दरभंगा दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और अहमदाबाद भेजने के लिए शुरूआत की जाएगी। एयर कंपनी ने बिहार लीची उत्पादक संघ से करार किया है। करार के मुताबिक कंपनी छह टन लीची रोज इन महानगरों में 40 रुपये प्रति किलो भाड़ा के हिसाब से भेजेगी।

बिहार लीची उत्पादक संघ के अध्यक्ष बच्चा प्रसाद ने बताया कि दरभंगा से हवाई मार्ग से लीची भेजने से किसान और कारोबारियों को लाभ की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ट्रेन और ट्रक से लीची भेजे जाने के बाद लीची के खराब होने की आशंका रहती है। अब लीची एक ही दिन में महानगर पहुंच जाएगी, इससे यह ताजा रहेगी। महानगर में इसकी कीमत 18 सौ रुपये से दो हजार रुपये बॉक्स तक आसानी से मिलेगी।

दरभंगा एयरपोर्ट पर आज से लीची भेजने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए एयरपोर्ट के पश्चिमी दरवाजे पर शेड बनाया गया है, जहां से कार्गो में लीची की बुकिंग होगी। इन महानगरों में रहने वाले लोगों को भी आसानी से उनकी मनपसंद लीची उपलब्ध हो सकेगी। हवाई मार्ग से चंद घंटों में लीची सैकड़ों किलोमीटर दूर तक पहुंच जाएगी। उनके सड़ने-गलने का भी खतरा नहीं होगा। 16 जून तक किसान अपनी लीची हवाई जहाज से भेज सकते हैं। इधर, अध्यक्ष प्रसाद ने कहा कि पवन एक्सप्रेस से भी लीची भेजने की तैयारी की जा रही है। एक्सप्रेस में पार्सल वैन जोड़ने के लिए रेलवे ने अपनी सहमति दे दी है।

दरभंगा एयरपोर्ट से लीची अन्य राज्यों में भेजने से किसान भी खुश हैं। किसानों ने बताया कि समय पर लीची बिकने से उनकी आमदनी बढ़ेगी। इससे लीची उत्पादन के प्रति किसानों का लगाव भी बढ़ेगा। लीची उत्पादक ने बताया कि समय पर लीची नहीं बिकने की स्थिति में कई वर्ष आमदनी कम हो जाती है। अब हवाई मार्ग से लीची को बाहर भेजा जाएगा, तब इसकी मांग भी बढ़ेगी। लीची को अब बड़ा बाजार मिलने पर उत्पादकों की आमदनी बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरपुर की लीची देश और विदेश में भी अपने खास स्वाद के लिए चर्चित है।

न्युवोको विस्टास ने अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

पानीपत : न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत की एक प्रमुख निर्माण सामग्री कंपनी, ने वर्षांत और तिमाही के लिए अपने लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। न्युवोको विस्टास, क्षमता के मामले में, भारत की पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट समूह और 23 एमटीपीए से अधिक की संयुक्त संस्थापित क्षमता है। कंपनी के लिए समेकित सीमेंट बिक्री की मात्रा चौथी तिमाही वित्त वर्ष 22 में 31 प्रतिशत तिमाही दर तिमाह से 5.5 एमएनटी तक बेहतर हुई है। इसी अवधि के दौरान ऑपरेशंस से समेकित राजस्व में 35 प्रतिशत तिमाही दर तिमाही से 2930 करोड़ रुपये तक सुधार हुआ, जबकि समेकित ईबीआईटीडीए 83 प्रतिशत तिमाही दर तिमाह से बढ़कर 440 करोड़ रुपये हो गया।

31 मार्च, 2022 को वर्षांत के लिए आपरेशंस से समेकित राजस्व में 24 प्रतिशत वर्ष दर वर्ष से 9318 करोड़ रुपये तक सुधार हुआ। वित्त वर्ष 22 के दौरान समेकित ईबीआईटीडीए और प्रॉफिट आफ्टर टैक्स क्रमशः 1539 करोड़ रुपये और 32 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का समेकित शुद्ध ऋण चौथी तिमाही वित्त वर्ष 22 में 431 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2022 में 1666 करोड़ रुपये घटकर 5064 करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय परिणामों पर टिप्पणी करते हुए न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जयकुमार कृष्णस्वामी ने कहा कि वित्त वर्ष 22 एक असाधारण चुनौतीपूर्ण वर्ष था। कई संकट जैसे कोविड-19 महामारी का फिर से आना, रेत का उपलब्ध न होना और मुद्रास्फीति के दबाव ने उद्योग को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इस बीच, हमने आंतरिक काम करने के तरीके और ऑपरेशनल क्षमता पर ध्यान देना जारी रखा। हमारे प्रीमियम उत्पादों की बाजार में बिक्री की मात्रा मे हिस्सेदारी 34 प्रतिशत तक सुधरी और यह आगे भी बने रहेगी। सस्टेनेबिलिटी परियोजनाओं में हमारा निवेश हमारे ईएसजी एजेंडा को आगे बढ़ाएगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 593.279 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर से गिरावट आई है। 13 मई, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 2.676 अरब डॉलर घटकर 593.279 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले के सप्ताह में यह 1.774 अरब डॉलर घटकर 595.954 अरब डॉलर रह गया था। 29 अप्रैल, 2022 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.695 अरब डॉलर घटकर 597.73 अरब डॉलर रह गया था। गौरतलब है कि 6 मई को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 596 अरब डॉलर था जो वर्ष 2022-23 के लगभग 10 महीने के लिए प्रोजेक्टेड इंपोर्ट के बराबर था। आरबीआई के जारी साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 13 मई को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा

कि रिपोर्टिंग सप्ताह में भारत की एफसीए 1.302 अरब डॉलर घटकर 529.554 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आंकड़ों के मुताबिक समाप्त सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 1.169 अरब डॉलर बढ़कर 40.57 अरब डॉलर रह गया। एमआईएफ में देश का एसडीआर यानी स्पेशल ड्राइंग राइट 16.50 करोड़ डॉलर घटकर 18.204 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 3.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.951 अरब डॉलर रह गया।

पेटीएम की भुगतान सेवाओं के राजस्व में 80% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई, जो व्यापारी भुगतानों द्वारा संचालित थी, वित्तीय सेवाओं के राजस्व में वर्ष-दर-वर्ष 342% की वृद्धि हुई

चंडीगढ़ः डल्ली97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (डउछ), जो भारत की अग्रणी मोबाइल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी, पेटीएम ब्रांड का मालिक है, ने घोषणा की है कि वह सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही तक अपने लाभप्रदता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ट्रैक पर है। कंपनी ने 77% की मजबूत राजस्व वृद्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 22 में भुगतान और वित्तीय सेवाओं के माध्यम से रू4,974 करोड़, और योगदान लाभ में 4७ वृद्धि, वित्त वर्ष 2022 में 1,498 करोड़ तक।

पेटीएम की भुगतान सेवाओं (व्यापारी और उपभोक्ताओं दोनों को दी गई) का राजस्व Q4 F22 में 80% -o- पर तेजी से बढ़ा। यह मुख्य रूप से पेटीएम ऐप पर उपयोगकर्ता जुड़ाव और उपयोग के मामलों में लगातार वृद्धि, एमडीआर राजस्व में पर्याप्त वृद्धि और डिवाइस सदस्यता में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। वित्त वर्ष 2012 की चौथी तिमाही में पेटीएम का उपयोगकर्ता जुड़ाव 41% साल-दर-साल बढ़कर 70.9 मिलियन हो गया, जबकि इसका व्यापारी आधार लगभग 26.7 मिलियन तक पहुंच गया। कंपनी देश भर में तैनात 3 मिलियन से अधिक उपकरणों के साथ अपने ऑफलाइन भुगतान नेतृत्व को मजबूत करना जारी रखती है, जो मर्चेंट लेंडिंग को अपनाने को भी बढ़ावा दे रही है, जिसमें 75% से अधिक मर्चेंट ऋण एक तैनात पेटीएम डिवाइस के साथ व्यापारियों को वितरित किए गए हैं। पेटीएम ने कहा, 'उपयोगकताओं के जुड़ाव में उछाल ने कंपनी के मुद्रीकरण के अवसरों के विस्तार में एक बड़ी भूमिका निभाई है, भले ही ग्राहक पेटीएम के प्लेटफॉर्म पर भुगतान साधनों का उपयोग करते हों। हम मर्चेंट भुगतान समाधानों के पूरे आधार में भी वृद्धि देख रहे हैंः (i) भुगतान के लिए क्यूआर (आमतौर पर मुफ्त), (ii) साउंडबॉक्स (जो सदस्यता राजस्व उत्पन्न करते हैं), (iii) कार्ड मशीन (जो सदस्यता और एमडीआर राजस्व उत्पन्न करते हैं), और (iv) ऑनलाइन व्यापारियों के लिए भुगतान गेटवे (जो एमडीआर राजस्व और प्लेटफॉर्म शुल्क उत्पन्न करता है)। यह मजबूत इकोसिस्टम और पेटीएम द्वारा बनाए गए बिजनेस मॉडल को दशार्ता है।' पेटीएम ने कहा, 'हमने पिछले वित्तीय वर्ष में प्रभावशाली राजस्व वृद्धि दर्ज की है, जो उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों द्वारा हमारी सेवाओं को अपनाने से प्रेरित है। यह EBITDA के नुकसान (ESOPs से पहले) में कमी के साथ मिलकर हमें अपनी लाभप्रदता योजनाओं के बारे में आश्वस्त करता है। हम यह भी दोहराना चाहेंगे कि हमारे ईएसओपी एक गैर-नकद आइटम हैं और इसमें कंपनी से कोई वास्तविक नकद परिव्यय शामिल नहीं है।

यह विश्वास कर पाना कठिन कि सलमान ने मेरे लिए ट्वीट किया, जीत को खास बनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद : निखत जरीन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार बॉक्सर निखत जरीन ने महिला वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीतते हुए इतिहास रच दिया। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हर कोई उनके लिए ट्वीट कर रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम दिग्गज पॉलिटिशियन और सेलेब्रिटीज ने उनके लिए कुछ न कुछ लिखा है। हालांकि, बावजूद इसके उनकी इच्छा थी कि सलमान खान उनके लिए कुछ लिखें।

उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा सलमान खान तो मेरी जान हैं। मैं उनकी बड़ी फैन हूं। मैं सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हूं। मेरी एक चाहत पूरी हो गई है, लेकिन अगर सलमान खान मेरे लिए कुछ लिखें तो यह सोने पर सुहागा होगा। मैं उनसे मिलना चाहती हूं। इसके बाद दबंग खान के तमाम चाहने वालों ने ट्वीट करते हुए सलमान खान से कुछ लिखने की गुजारिश की थी।

अपने चाहने वालों के लिए हमेशा तैयार रहने वाले सलमान ने भी निखत के लिए ट्वीट किया।

उन्होंने लिखा- निखत आपको इस गोल्ड मेडल के लिए बहुत-बहुत बधाई। साथ ही उन्होंने निखत को टैग भी किया। इस पर निखत ने जवाब दिया है। उन्होंने लिखा-एक फैन होने के नाते यह मेरा पसंदीदा सपना था, जो सच हो गया। मैं कभी विश्वास नहीं कर सकती थी कि सलमान खान मेरे लिए ट्वीट करेंगे। मैं बहुत खुश हूं। मेरी जीत को खास बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं इस पल को हमेशा के लिए अपने दिल में सहेज कर रखूंगी।

उल्लेखनीय है कि निखत इस्तांबुल में महिला विश्व चैंपियनशिप के फ्लाइवेट (52 किग्रा) वर्ग के एकतरफा फाइनल में थाईलैंड की जिटपोंग जुटामस को 5-0 से हराकर विश्व चैंपियन बनीं हैं। जरीन विश्व चैंपियन बनने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। छह बार की चैंपियन एमसी मैरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006) और लेखा केसी इससे पहले खिताब जीत चुकी हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में भी खेलूंगा, जिस शहर ने मुझे अपनाया इतना सम्मान दिया वहां नहीं खेलना नाइंसाफी : धोनी

मुंबई, एजेंसी। दो बार विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि वह ह्यनिश्चित तौरह्न पर इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में खेलेंगे, क्योंकि ऐसा नहीं करना उस शहर के प्रति ह्यअनुचितह्न होगा जिससे चेन्नई सुपरकिंग्स को अपना नाम मिला और जो शहर उन्हें अपना समझता है। इसके साथ ही 40 साल के धोनी ने अगले साल इस लुभावनी टी20 लीग में अपने खेलने को लेकर लग रही अटकलों पर भी विराम लगा दिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुपरकिंग्स के मौजूदा सत्र के अंतिम मैच के टॉस के दौरान धोनी ने कहा कि निश्चित तौर पर मैं अगले साल खेलूंगा। चेन्नई को धन्यवाद नहीं कहना, चेन्नई में नहीं खेलना अनुचित होगा। यह सुपरकिंग्स के प्रशंसकों के साथ अच्छा बर्ताव नहीं होगा। सन 2023 मेरा अंतिम साल होगा या नहीं, यह हमें देखना होगा।

तमिलनाडु में पूर्व भारतीय कप्तान धोनी के प्रशंसकों की कोई कमी नहीं है। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें उनका एक प्रशंसक तमिलनाडु के कुडालोर में अपने घर को चेन्नई सुपरकिंग्स के पीले रंग में पेंट कर रहा था और दीवार पर धोनी की तस्वीरें बनी थी। दो दिन पहले सुपरकिंग्स के एक निराश प्रशंसक के पत्र पर धोनी के जवाब ने लोगों का दिल जीत लिया था।

चार बार के चैंपियन सुपरकिंग्स के लिए आईपीएल का मौजूदा सत्र सबसे बदतर अभियान रहा और टीम काफी पहले ही प्ले आफ की दौड़ से बाहर हो गई। सुपरकिंग्स के धोनी (206 रन), अंबाती रायुडू (271) और रोबिन उथप्पा (230) जैसे अधिकांश सीनियर खिलाड़ियों के लिए मौजूदा सत्र काफी अच्छा नहीं रहा जो टीम की विफलता का अहम कारण रहा। इसके अलावा टीम को चोटिल तेज गेंदबाज दीपक चाहर की भी कमी खली और टीम जोश हेजलवुड को भी अपने साथ जोड़ने में नाकाम रही।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल फाइनल की सबसे महंगी टिकट की कीमत 65 हजार

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खिताबी मुकाबले के लिए टिकटों की जबरदस्त मांग है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फाइनल मैचों के टिकटों की कीमतों की भी घोषणा कर दी है। आईपीएल के फाइनल मैच की सबसे महंगी टिकट 65 हजार रुपए की है। खिताबी मुकाबला 29 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने फाइनल मैच के लिए सबसे महंगी टिकट 65 हजार रुपए में रखी है। वहीं इसके बाद 50 और 20 हजार रुपए की टिकटें भी रखी गई हैं। आम लोगों की सुविधा के लिए बीसीसीआई ने शुरूआती टिकट की कीमतें 800 रुपए रखी हैं। हाल में ही तैयार मोदी स्टेडियम विश्व का सबसे आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम है और यहां पर एक लाख से ज्यादा लोग एक साथ बैठकर मैच देख सकते हैं।

सुपरबेट रैपिड शतरंज में अरोनियन को हरा विश्वनाथन आनंद ने कायम रखी बढ़त

वारसा, एजेंसी। पोलैंड में पहले दिन लगातार तीन जीत से खेल की शुरूआत करने वाले भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद ने सुपरबेट रैपिड शतरंज के दूसरे दिन भी अपना शानदार खेल जारी रखते हुए अपनी एकल बढ़त कायम रखी है। आनंद नें सफेद मोहरो से खेलते हुए यूक्रेन के किरिल सेवचेंकों को सिसिलियन पेलिकान में 38 चालों में पराजित कर दिया, अगले ही राउंड में काले मोहरो से यूएसए के लेवोन अरोनियन पर बिशप ओपनिंग में उन्होने मात्र 24 चालों में धमाकेदार जीत हासिल करते हुए उन्होंने प्रतियोगिता में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

इसके बाद छठे राउंड मैं मेजबान पोलैंड के यान डूड़ा से फ्रेंच ओपनिंग में आनंद ने बाजी ड्रॉ खेली और फिलहाल वह 11 अंको के साथ पहले स्थान पर चल रहे है, जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 9 अंको के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन आनंद रोमानिया के डेविड यूएसए के फबियानों करूआना और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से मुकाबला खेलेंगे।

राजस्थान रायल्स के हेटमायर की पत्नी पर ओछा कमेंट करके ट्रोल हुए गावस्कर, उठी कमेंट्री से हटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर एक बार फिर विवाद में घिर गए हैं। ताजा विवाद उनके एक बयान से पैदा हुआ है। इसके बाद से ही गावस्कर को आईपीएल कॉमेंट्री से हटाने की मांग की जाने लगी है। दरअसल, गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच शुक्रवार को हुए मुकाबले में कमेंट्री के दौरान शिमरॉन हेटमायर और उनकी पत्नी को लेकर ऐसी बात कह दी, जिसके बाद से वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए और उन्हें कमेंट्री से हटाने की मांग उठने लगी। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 150 रन बनाए थे। इसके जवाब में राजस्थान ने शुरूआती 4 विकेट 104 रन में गंवा दिए थे। पांचवें नंबर पर शिमरॉन हेटमायर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वो इस सीजन में राजस्थान के लिए मैच फिनिशर का अच्छा रोल निभा रहे थे। ऐसे में इस मैच में भी उनसे राजस्थान को अच्छी पारी की उम्मीद थी। लेकिन हेटमायर 6 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, आर अश्विन ने तूफानी पारी खेलते हुए राजस्थान को जीत दिला दी। हालांकि, इस दौरान कमेंट्री कर रहे गावस्कर ने हेटमायर और उनकी पत्नी को लेकर ऐसा कमेंट कर दिया कि बवाल मच गया। हेटमायर राजस्थान की पारी के 15वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उस समय गावस्कर कॉमेंट्री कर रहे थे। उन्होंने हेटमायर के क्रीज पर आते कहा शिमरॉन हेटमायर की पत्नी ने डिलिवर कर दिया है कि क्या हेटमायर अब राजस्थान रॉयल्स के लिए डिलिवर करेंगे? दरअसल, हेटमायर हाल ही में पिता बने हैं और इस मुकाबले से पहले वह अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए घर लौट गए थे।

पंजाब एफसी के कोच बने एंगेलकेस

कोलकाता, एजेंसी। फुटबॉल टीम पंजाब एफसी ने नीदरलैंड के एड एंगेलकेस को टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। इससे पहले इस आईलीग टीम ने इंग्लैंड के एश्ले वेस्टवुड को कोच पद से हटा दिया था। एंगलकेस ने नीदरलैंड के शीर्ष फुटबॉल क्लबों एएफसी अजाक्स और एजेड अल्कमार तथा रॉयल डच फुटबॉल एसोसिएशन (केएनवीबी) के साथ कई साल तक काम किया है। इसके साथ ही वह विभिन्न फुटबॉल संस्थानों से भी जुड़े रहे हैं। वहीं पंजाब एफसी फुटबॉल निदेशक निकोलास टोपोलियाटिस ने कहा, हमारे पास एंगेलकेस के रूप में अब एक अनुभवी कोच है, जो हमारे लक्ष्यों को अच्छी तरह से जानते हैं। उनके मार्गदर्शन में हमें आई-लीग में निरंतर आगे बढ़ने की उम्मीदें हैं।

अमेरिका के जस्टिन थॉमस सदर्न हिल्स कंट्री क्लब में पीजीए चैंपियनशिप गोल्फ टूनार्मेंट के दूसरे दौर के दौरान शॉट खेलते माइकल मैड्रिड।

आईपीएल-2022 : आरसीबी के प्रशंसकों ने बनाया विश्व कीर्तिमान, एक घंटे विकेटों के बीच दौड़कर बनाए 823 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल-2022 के रोमांच के बीच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस को हराकर आईपीएल 2022 में प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने 54 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली। कोहली को फॉर्म में लौटते देख आरसीबी फैंस का भी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पूरा स्टेडियम कोहली के नाम से गूंजने लगा। विराट कोहली मैदान पर कमाल किया तो आरसीबी के फैंस ने मैदान के बाहर कमाल कर दिया। फैंस ने 22 गज की पिच पर विकेटों के बीच दौड़कर 823 रन बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। दरअसल बेंगलुरु में एक स्पोर्ट्स ब्रांड ने एक इवेंट का आयोजन किया, जिसमें 187 आरसीबी फैंस ने हिस्सा लिया। इस इवेंट में भारत की स्टार धाविका दुती चंद और हॉकी स्टार रूपिंदर पाल सिंह ने भी हिस्सा लिया। दुती चंद ने बतौर आरसीबी फैन पहला रन लेकर इवेंट का आगाज किया।

आरसीबी फैंस ने 22 गज की पिच पर एक घंटे विकेटों के बीच दौड़कर सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। बात आरसीबी टीम की करें तो प्लेऑफ में उसकी जगह मुंबई इंडियंस की जीत से पक्की होगी। दरअसल 16 अंक के साथ आरसीबी पॉइंट टेबल में चौथे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स 14 अंकों के साथ 5वें स्थान पर है। आरसीबी ने अपने 14 मैच खेल लिए हैं, जबकि दिल्ली को अपना आखिरी लीग मैच प्लेऑफ की रेस से सबसे पहले बाहर होने वाली मुंबई इंडियंस से खेलना है। अगर दिल्ली मुंबई को हरा देती है तो उसके भी आरसीबी के बराबर 16 अंक हो जाएंगे। ऐसे में बेहतर रन रेट होने के कारण दिल्ली प्लेऑफ में पहुंच जाएगी और आरसीबी की टीम टूनार्मेंट से बाहर जाएगी। इसलिए प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए आरसीबी टीम और फैंस को मुंबई की जीत की दुआ करनी होगी।

टिम डेविड ने बनायी पसंदीदा आईपीएल टीम

मुम्बई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई मूल के सिंगापुर के आक्रामक बल्लेबाज टिम डेविड ने आईपीएल के लिए अपनी पसंदीदा टीम बनायी है। टिम के लिए हालांकि आईपीएल का यह सत्र अच्छा नहीं रहा जबकि मुंबई इंडियंस टीम ने उन्हें 8.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस बल्लेबाज ने पिछले साल अपनी पसंदीदा टीम का चयन किया था, जिसमें उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को तो शामिल किया था पर अपने ही कप्तान रोहित शर्मा को टीम से बाहर कर दिया।

डेविड ने पारी की शुरूआत के लिए क्रिस गेल और शेन वॉटसन को चुना था। नंबर तीन पर उन्होंने विराट कोहली को जगह दी जबकि चौथे नंबर पर उन्होंने एबी डिविलियर्स को रखा। डेविड ने धोनी को नंबर पर पांच पर रखा और उनके बाद किरोन पोलार्ड को नंबर छह के लिए अपनी टीम में शामिल किया। ऑलराउंडर ने आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो और राशिद खान को क्रमशः नंबर 7, नंबर 8 और नंबर 9 के स्थान पर चुना। उनकी टीम में सुनील नरेन एकमात्र स्पिनर थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी उन्होंने अपनी प्लेइंग इलेवन में जगह दी। टिम डेविड की पसंदीदा टीम : क्रिस गेल, शेन वॉटसन, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, एमएस धोनी, कीरोन पोलार्ड, आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो, राशिद खान, सुनील नरेन, मिचेल स्टार्क।

यूक्रेन पर हमले की वजह से रूस-बेलारूस पर बैन के कारण विम्बलडन में खिलाड़ियों को नहीं दिए जाएंगे रैंकिंग अंक

पेरिस, एजेंसी। महिला और पुरूष पेशेवर टेनिस टूर इस साल विम्बलडन के लिए रैंकिंग अंक प्रदान नहीं करेगा, क्योंकि ऑल इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया है। डब्ल्यूटीए और एटीपी ने फ्रेंच ओपन के शुरू होने से दो दिन पहले ही यह घोषणा की है और विम्बलडन एक महीने बाद 27 जून से शुरू होने वाला है। तकनीकी रूप से इसका मतलब होगा कि यह टूनार्मेंट प्रदर्शनी प्रतियोगिता की तरह ही होगा जिसमें कोई भी रैंकिंग अंक दाव पर लगे नहीं होंगे।

फिर भी यह विम्बलडन ही रहेगा जिसकी अपनी ही परंपरा और प्रतिष्ठा है, जिसमें सभी खिलाड़ी सफेद रंग की ड्रेस में खेलते हैं और इसमें मिलने वाली लाखों डॉलर की राशि काफी अहम होती है। उम्मीद है कि जो खिलाड़ी इसके लिए क्वालीफाई करेगा, वह इसमें खेलेगा ही। रूस के खिलाड़ियों को कई खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक दिया गया है जिसमें फुटबॉल विश्व कप के क्वालीफाइंग प्लेऑफ भी शामिल है। रूस ने फरवरी में यूक्रेन पर हमला शुरू किया था और बेलारूस में रूस की मदद की थी।

ऑल इंग्लैंड क्लब ने अप्रैल में कहा था कि वह रूस और बेलारूस को अपनी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देगा जिसकी डब्ल्यूटीए और एटीपी सहित कुछ बड़े खिलाड़ियों जैसे गत चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने काफी आलोचना की थी।

आरसीबी की जीत के हीरो रहे विराट कोहली, डेविड वॉर्नर के खास रिकॉर्ड की बराबरी की

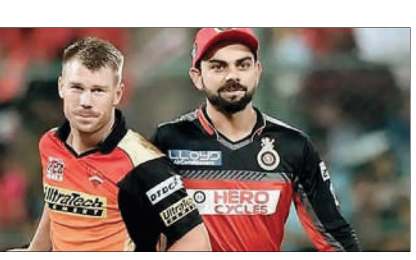

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल-2022 में 19 मई को गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच जोरदार स्पर्धा हुई। इस मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात को 8 विकेट से करारी मात दी। पहले बैटिंग करते हुए हार्दिक पंड्या की टीम ने 5 विकेट पर 168 रन बनाए। 169 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे बैंगलोर ने 8 गेंदें शेष रहते मुकाबला जीत लिया। आरसीबी की जीत के हीरो विराट कोहली रहे। उन्होंने 73 रन बनाए। विराट ने इस दौरान डेविड वॉर्नर के खास रिकॉर्ड की बराबरी की। रन मशीन कोहली आईपीएल इतिहास के दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टीम के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए 50 से अधिक रन बनाए हैं। आइए हम आपको उन बैटरों के बारे में बताते हैं जिन्होंने एक टीम के लिए टारगेट का पीछा करते सबसे ज्यादा बार 50 से ज्यादा रन बनाए।

डेविड वॉर्नरः ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने आईपीएल में एक टीम के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाए हैं। उन्होंने यह करिश्मा अपनी पूर्व आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद के लिए किया था। उन्होंने सनराइजर्स के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 बार 50 से ज्यादा रन बनाए थे। विराट कोहलीः 19 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में विराट कोहली ने 73 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने डेविड वॉर्नर के रिकॉर्ड की बराबरी की। विराट भी आईपीएल में एक टीम के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 बार 50 से ज्यादा का स्कोर कर चुके हैं। उन्होंने यह करिश्मा अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए किया है। केएल राहुलः एक टीम के लिए टारगेट का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाने के मामले में केएल राहुल तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए टारगेट का पीछा करते 17 बार 50 से ज्यादा रन बनाए थे। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स के कप्तान भी रहे। मौजूदा समय में केएल राहुल लखनऊ सुपर जायंट्स के कैप्टन हैं।

आजकल काउंटी क्रिकेट में व्यस्त हैं आमिर

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने कहा है कि अभी टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर वह कुछ नहीं कह सकते। आमिर ने कहा कि अभी इस बारे में बात करने का सही समय नहीं है क्योंकि व काउंटी क्रिकेट में व्यस्त हैं। आमिर अभी इंग्लैंड में ग्लॉस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब की ओर से खेल रहे हैं और इस सिलसिले को जारी रखना चाहते हैं।

आमिर ने अब तक तीन विकेट लिए हैं। इस गेंदबाज ने कहा, ह्यमैं तीन साल बाद खेल रहा हूं इसलिए एक तेज गेंदबाज के तौर पर यह आसान नहीं होता है। मैंने पिछले चार वर्षों में कोई प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला है पर मैं पहले गेम के बाद बेहतर हो रहा हूं और लड़कों की सहायता करने और उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहा हूं। एक गेंदबाज के रूप में अच्छी गेंदबाजी करना और सामने से नेतृत्व करना मेरा काम है ह्न

आमिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी स्विंग गेंदबाजी के लिए जाने जाते थे पर उन्हें स्पॉट फिक्सिंग के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया। इसके कारण आमिर को पांच साल तक खेल से दूर रहना पड़ा। इसके बाद जब वह लौटे तो वह पूरी तरह से अलग गेंदबाज के तौर पर सामने आये। वह एक ऐसे गेंदबाज बन गए थे जिन्होंने गेंद की लाइन और लंबाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए काफी बढ़िया गेंदबाजी की।

आमिर ने टीम प्रबंधन से नाराजगी के बाद 28 साल की उम्र में ही पाक क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने 36 टेस्ट में 119 विकेट जबकि 61 एकदिवसीय मैचों में 81 विकेट और 50 टी20 मैचों में 59 विकेट लिए हैं। संन्यास के बाद से ही वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेल रहे हैं। आमिर ने कहा, ह्यपीएसएल में साइड स्ट्रेन की इंजरी से उबरने के बाद मैं प्रशिक्षण ले रहा था और बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। इसके बाद मैंने सोचा कि क्यों न लाल गेंद क्रिकेट में खुद को मौका दिया जाए। मुझे लगता है कि मैं अब बेहतर हो रहा हूं और सही रास्ते पर हूं और खेल का आनंद ले रहा हू। भविष्य में मेरा इराद सीपीएल सहित अन्य लीग मुकाबलों में खेलना है ह्न

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल कराने का प्रयास कर रही आईसीसी

मेलबर्न, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा है कि ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल कराने का प्रयास इसलिए किया जा रहा है ताकि इस खेल को दुनिया भर में पहुंचाया जा सके। आईसीसी का लक्ष्य है कि जिन देशों में यह खेल लोकप्रिय नहीं है वहां इसका प्रसार किया जाये।

बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी 20 क्रिकेट की शुरूआत के बाद से ही आईसीसी ने इस खेल को ओलंपिक में शामिल करने के लिए प्रयास जारी कर दिये हैं। कुआलालंपुर में 1998 के राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता पहले ही हो गयी है। एलार्डिस ने एक कार्यक्रम में कहा कि हमारे कई सदस्यों का मानना है ओलंपिक खेल के रूप में क्रिकेट को पहचान मिलने से सरकार और राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ जुड़ाव और बेहतर होगा। यह सुविधाओं और प्रदर्शन को बेहतर करने के मामले में वास्तव में लाभप्रद रहेगा।

उन्होंने कहा, ह्यहमारे लिए यह निश्चित रूप से पैसा बनाने का प्रयास नहीं है। हमारी कोशिश इस खेल को ऐसे जगह पहुंचाने की है, जहां यह लोकप्रिय नहीं है ह्न साथ ही कहा, ह्य हमारा दूसरा लक्ष्य हमारे सभी 106 सदस्यों को सरकार के साथ करीब से जुड़ने का मौका देना है ह्न आईसीसी के इस शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ओलंपिक का हिस्सा बनना कई सदस्य देशों के लिए संबंधित सरकारों के साथ अच्छे संबंध बनाने की नजर से जरूरी है। उन्होंने कहा, ह्यकुछ देशों में ओलंपिक में शामिल खेल गैर ओलंपिक खेल की तुलना में अपनी सरकार के अधिक करीब रहते हैं ह्न

आईसीसी ने पिछले साल ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए बोली लगाने के अपने इरादे को भी इसी दिशा में उठाया एक कदम बताया है।

डाइट में शामिल करें जिंक

इन बीमारियों से रहेंगे दूर

ये सभी जानते हैं कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, कैल्शियम जरूरी पोषक तत्वों में शामिल है। लेकिन इसके साथ कुछ अन्य तत्व भी जरूरी होते हैं जिसकी शरीर को जरूरत होती है। हालांकि उन सभी चीजों को लेकर बहुत अधिक जागरूक नहीं होते हैं। उन्हीं में से है जिंक। जिंक की कमी होने पर शरीर में एक नहीं कई सारी बीमारियों के शिकार होने लगते हैं। साथ ही जिंक की कमी होने पर किस तरह के लक्षण नजर आते हैं और क्या प्राकृतिक उपाय है –

जिंक की कमी के लक्षण -

- बाल झड़ना।
- वजन कम होना।
- मानसिक स्वास्थ्य पर असर होना।
- घाव भरने में देरी होना।
- दस्त लगना।
- गंध और स्वाद का पता नहीं चलना।

जिंक के प्राकृतिक स्त्रोत

मशरूम

जिंक की कमी होने पर मशरूम का सेवन करें। जिससे जिंक की कमी के लक्षण से हो रही बीमारियों को कवर किया जा सकता है। इसके साथ ही मशरूम में पोटेशियम,फास्फोरस, प्रोटीन, कैल्शियम होता है।

तिल

ठंड के मौसम में तिल का सेवन करने की सलाह दी जाती है। जिससे बॉडी में गर्मी रहती है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। दरअसल, मौसम के अनुसार सीजनल चीजों का सेवन करने से इम्युनिटी भी मजबूत होती है। वहीं तिल में मौजूद जरूर तत्व से हड्डियां मजबूत होती है। जिंक के अलावा इसमें प्रोटीन, कैल्शियम,कार्बोहाइड्रेट, फोलिक एसिड होता है।

मूंगफली

मूंगफली को बादाम का पर्याय कहा जाता है। अक्सर कई लोग ठंड में बादाम का सेवन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में मूंगफली का सेवन कर बादाम की आपूर्ति की जा सकती है। मूंगफली में आयरन, पोटेशियम,फोलिक एसिड, विटामिन-ई और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है।

दही

दही में जिंक की पर्याप्त मात्रा होती है। इसके सेवन से पाचन प्रक्रिया बेहतर रहती है। साथ ही इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। हालांकि ठंड में दही का सेवन सिर्फ दिन के समय ही करना चाहिए। ठंड में वजन कम करने का यह अच्छा उपाय है। इसमें विटामिन बी-12,पोटैशियम, कैल्शियम मौजूद होता है। साथ ही उन्हें ठंड में भी हड्डियों की समस्या होती है, वे डॉक्टर की सलाह से दही का सेवन कर सकते हैं।

लहसुन

अन्य ठंड के मौसम में भी घी में सेक कर लहसुन की कली का सेवन करने की सलाह दी जाती है। साथ ही अन्य मौसम में भी लहसुन का सेवन करने की सलाह दी जाती है। लहसुन में जिंक की मात्रा भरपूर होती है। जिससे उपरोक्त दिए गए लक्षणों में कमी दर्ज की जाती है। इसमें जिंक के साथ ही विटामिन ए, बी, सी आयोडीन और आयरन होता है।

काजू

काजू किसे अच्छी नहीं लगती है। स्वाद के साथ ही यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। जिंक की कमी होने पर काजू खाने की सलाह दी जाती है।साथ ही इसमें जिंक के अलावा विटामिन k,A, फोलेट पाया जाता है।

खूबसूरत आंखों के लिए अपनाएं ये टिप्स

इस बात में कोई शक नहीं कि इंसान की खूबसूरती उसकी आंखों पर निर्भर करती है। आपका चेहरा कितना भी ग्लो कर रहा हो, लेकिन अगर आपके आंखें बोझिल और थकी हुई हैं तो आपकी चेहरा फीका लगता है। आपकी फ्रेश आंखें आपके लुक को कंप्लीट करने का काम करती हैं। इसलिए आपके लिए जरूरी है कि आप अपनी आंखों पर भी ध्यान दें। इन्हें सुंदर बनाने के लिए आई केयर टिप्स को फॉलो करें। अगर आप भी अपनी खूबसूरत चाहती हैं तो हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप अपनी आंखों को आकर्षक बना सकती हैं। तो आइए जानते हैं इन टिप्स के बारे में।

गुलाब जल

इसके लिए आप गुलाबजल को कॉटन में भिगोकर 10-15 मिनट के लिए आंखों पर रखें। ऐसा करने से आंखों को ठंडक मिलेगी। इसके साथ ही आपकी आंखें फ्रेश नजर आएंगी। मेकअप करने से पहले आप अपनी आंखों को ताजे पानी से जरूर धोएं। इसके बाद आखों पर गुलाबजल लगाएं।

डार्क सर्कल्स

इसके लिए आप आलू को यूज कर सकती हैं। डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए आप आलू को कद्दूकस कर लें। इसके बाद इसे आप आंखों के आसपास लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। इसे आप दिन में 2 बार करें। एक हफ्ते में आपको खुद फर्क नजर आ जाएगा।

इन चीजों का करें सेवन

धनिया, पुदीना, सौंफ, आम का पना, जलजीरा, छाछ, लस्सी

सलाद खाने के शौकीन रखें इस बात का ध्यान

शायद आपको जानकर हैरानी हो लेकिन अगर आप खीरा और टमाटर को एक साथ खाते हैं तो आपको गैस, पेट में दर्द, ब्लोटिंग, थकान, अपच सहित अन्य कई पेट की परेशानियों का सामना करना पड सकता है।

दरअसल, खीरा और टमाटर फास्ट और स्लो डाइजेशन वाले फूड्स में आते हैं। इस तरह का कॉम्बिनेशन सेहत के लिहाज से सही नहीं माना जाता। दरअसल, जब आप फास्ट और स्लो डाइजेशन वाले फूड्स को एक साथ खाते हैं तो एक फूड पहले पचकर इंटेस्टाइन में पहुंच जाता है और दूसरे की प्रॉसेस चलती रहती है। यह प्रॉसेस आपके शरीर के लिए हानिकारक होती है। इसलिए भूलकर भी इन दोनों का सेवन आप एकसाथ न करें।

खसखस के फायदे

ठंड में रोज करें इसका सेवन

पौष्टिकता से भरपूर खसखस का इस्तेमाल सब्जी की ग्रेवी बनाने और सर्दी के दिनों में स्वादिष्ट हलवा बनाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद और सेहत से भरपूर है, इसलिए स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करने के लिए भी इसे दवा के रूप में प्रयोग करते हैं। आइए जानते हैं, खसखस के बेहतरीन गुणों के बारे में-

- खसखस को दर्द निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसमें पाया जाने वाला ओपियम एल्कलॉइड्स सभी प्रकार के दर्द को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खास तौर से इसका प्रयोग मांसपेशियों के दर्द में किया जाता है। खसखस का तेल भी बाजार में उपलब्ध होता है, जिसका प्रयोग दर्द वाले स्थान पर किया जाता है।
- सांस संबंधी तकलीफ होने पर भी खसखस काफी फायदेमंद होता है। इसके साथ ही यह खांसी को कम कर सांस संबंधी समस्याओं में लंबे समय तक आराम दिलाने में भी मदद करता है।
- अगर आप नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, तो सोने से पहले खसखस का गर्म दूध पीना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। यह आपको नींद लेने के लिए प्रेरित करेगा।
- खसखस फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत है, जिसका प्रयोग करने से कब्ज की समस्या नहीं होती। इसके अलावा यह बेहतर पाचन में भी मदद करता है और शरीर को उर्जा देने के लिए भी बहुत लाभदायक होता है।
- गुर्दे की पथरी में इलाज के तौर पर भी खसखस को सेवन किया जाता है। इसमें पायाजाने वाला ओक्सलेट्स, शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैल्शियम का अवशोषण कर गुर्दे में पथरी बनने से रोकता है।
- खसखस मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ त्वचा पर होने वाली झुर्रियों को भी कम करने में मदद करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने में मदद करता है।
- खसखस त्वचा को नमी प्रदान करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा की जलन व खुजली को कम करने के साथ ही एक्जिमा जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है।
- ओमेगा-6 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर से भरपूर होने के साथ ही खसखस में फाइटोकेमिकल्स, विटामिन बी, थायमिन, कैल्शियम और मैंगनीज भी पाया जाता है, जो पोषण के लिहाज से बहुत फायदेमंद है।
- त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए खसखस का इस्तेमाल दूध में पीसकर फेसपैक के रूप में किया जाता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करने के साथ ही प्राकृतिक चमक लाता है, और चेहरा दमक जाता है।
- इसके अलावा कई तरह की छोटी-छोटी समस्याओं जैसे अधिक प्यास लगना, बुखार, सूजन या पेट में होने वाली जलन से राहत पाने के लिए खसखस का प्रयोग किया जाता है। यह पेट में बढ़ने वाली गर्मी को भी शांत करने में सहायक है।

सर्दी में शहद और काली मिर्च खाने के फायदे

सर्दी खांसी से पाएं छुटकारा - अगर आपको बहुत जल्दी और बार-बार सर्दी-जुकाम होता है तो रात को एक चम्मच शहद लें और उसमें आधा चम्मच काली मिर्च मिलाएं। और खाकर सो जाएं। इससे आपको रात भर में आराम मिल जाएंगा। साथ ही यह कफ के लिए भी बहुत कारगर है। रातभर में और एक दिन में ही आराम मिल जाता है।

इम्यूनिटी मजबूत करें

जो लोग बहुत जल्दी-जल्दी बार-बार बीमार पड़ते हैं उन्हें अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना जरूरी है। इसके लिए आप सिर्फ काली मिर्च के पानी का सेवन भी कर सकते हैं। एक कढ़ाई में थोड़ा सा घी रखें, गर्म होने के बाद उसमें काली मिर्च डाल दें और पानी मिला दें। इसके बाद उसे तब तक उबालें जब तक वह एक कणनहीं हो जाता है। आप कभी-भी इसका सेवन कर सकते हैं। स्वादानुसार थोड़ी सी शक्कर जरूर डालें। इस पानी का सेवन करने से इम्युनिटी मजबूत होगी..गले साफ होंगे, खराश या खुजली नहीं होगी।

पेट को दें आराम

अगर आपको ठंड में अपच की समस्या है तो काली मिर्च का सेवन करें। इसका सेवन करने से गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या से राहत मिलेगी। काली मिर्च में मौजूद अच्छे गुण पेट की समस्या से निजात दिलाने में मदद करते है। इसलिए इसका सेवन कर सकते हैं। फिर आप दूध में डाल सकते है, सब्जी में डाल सकते हैं, काली मिर्च कीचाय या सिर्फ पानी भी पी सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को करें नियंत्रित

काली मिर्च में मौजूद तत्व गंभीर बीमारियों में भी राहत देते हैं। इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है। दिल की बीमारी का खतरा कम होता है। इसके लिए एक गिलास में काली मिर्च का पानी उबाल लें और उसमे शहद डालकर पी जाएं।

डिप्रेशन से दिलाएंगे छुटकारा

दरअसल, डिप्रेशन एक आम समस्या हो गई है। युवा से लेकर 55-60 की उम्र तक के व्यक्ति इसकी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में मेडिकेयर के साथ घरेलू उपाय भी जरूरी है। इसमें मौजूद तत्व तनाव को कम करने में मदद करता है।

अखरोट, बादाम, मुनक्का सहित ये चीजें खाएं भिगोकर

भारत खाना खजाने का भी भंडार है। देश के हर राज्यों में खाने की स्पेशल वैरायटी मिलेगी। साथ ही हर सीजन के अलग-अलग फूड आइटम्स भी। लेकिन कुछ फूड आइटम्स है जिन्हें कच्चा भी खाया जाता है और पकाकर भी। लेकिन उन्हें पानी में भिगोकर खाने से सेहत का दो गुना लाभ मिलता है। तो आइए जानते हैं उन 10 फूड आइटम्स के बारे में जिन्हें आपको भिगोकर खाना चाहिए –

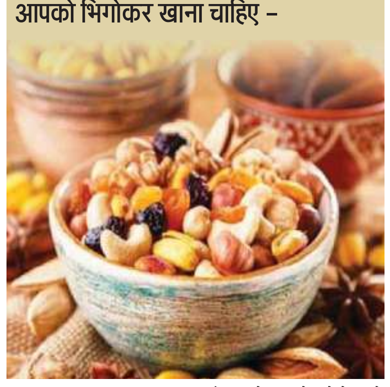

बादाम - कच्चे बादाम बहुत अधिक फायदा नहीं करती है। लेकिन बादाम को भिगोकर खाने से वजन कम कंट्रोल करने में मदद करती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट होता है। जिससे पेट लंबे वक्त तक भरा होता है। और भूख नहीं लगती है। बादाम को सुबह छीलकर ही खाना चाहिए। इससे बादाम का पूरा पोषण मिलता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हमारी त्वचा के लिए बेहद गुणकारी होती है। भिगोकर खाने से त्वचा का ग्लो बढ़ता है।

अंजीर - अंजीर पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे रात में पानी भिगोकर रख दें। और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। खाली पेट भीगी हुई अंजीर खाने से टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम होता है। ब्लड ग्लूकोज लेवल को कंट्रोल किया जाता है।

अखरोट - ब्लड शुगर और डायबिटीज से बचाव के लिए अखरोट का सेवन जरूर करना चाहिए। इसका सेवन करने से टाइप-2 डायबिटीज काखतरा कम होता है। यह ब्लड शुगर के लेवल को कम करने में मदद करता है। हड्डियां मजबूत होती है। तनाव को दूर करता है। कब्ज से राहत मिलती है। दरअसल, ठंड के दिनों में भूख बहुत अधिक लगती है। इतना खाने के बाद डाइजेस्ट भी करना जरूरी है। इसलिए उन्हें भिगोकर खाने की सलाह दी जाती है। दरअसल, ड्राई फ्रूट की तासीर गर्म होती है। लेकिन जिन्हें डायबिटीज, ब्लड शुगर की समस्या है उन्हें सूखे मेवे को भिगोकर खाना अधिक फायदेमंद है।

4.मुनक्का - मुनक्का, दाख जैसी होती है लेकिन वह अलग होती है। रात को पानी में भिगोकर रख दें और सुबह खाली पेट खा लें। इससे आपको पेट में हो रही जलन, खून की कमी, कमजोरी लगना, यूरिन में जलन होना सभी को पूरा करती है। इसमें विटामिन ए, बीटा कैरोटीन होता है जो आंखों को स्वस्थ रखता है।

सौंफ का पानी - सौंफ का पानी का सेवन शरीर के लिए बहुत अच्छा है। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या, खून साफ करता, आंखों की रोशनी के लिए अच्छा, पाचन क्रिया को तंदुरुस्त करें, पीरियड्स को नियमित करने और दर्द कम करने में राहत देता है।

गुड़ का पानी - गुड़ की तासीर गर्म होती हैं इसलिए गुड़ का पानी जब भी बनाएं उसे कांच के गिलास में ही पीएं। रात को एक गिलास में 1 चम्मच गुड़ गला दें। इसके बाद सुबह उसमें नींबू और काला नमक स्वाद अनुसार मिलाएं। चम्मच से एक कण करके उसे छानकर पी लें। इसकेबाद आपको ताजगी महसूस होगी, ताजगी बनी रहेगी और खून भी बढ़ेगा।

अलसी - अलसी प्रोटीन, आयरन, ओमेगा-3 फैटी का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसे रात में भिगोकर सुबह खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है। दिल के लिए अच्छा होता है। और शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी होती है।

अंकुरित मूंग - अगर सुबह पराठा या पोहा नहीं खाना चाहते हैं तो अंकुरित मूंग सबसे अच्छा उपाय है। इसे रात में भिगोकर रख दें। मूंग दालमें प्रोटीन, फाइबर और विटामिन बी भरपूर होता है।

पुरुष स्किन की देखभाल के लिए आजमाएं ये तरीके

चेहरे की देखभाल

घर से निकलने से पहले अपने चेहरे को अच्छे फेशवॉश से जरूर साफ करें. अगर आपका फेसवॉश चारकोल वाला होता तो आपके चेहरे पर जमी धूल-मिट्टी को हटाने में मदद करेगा. इसके बाद धूप में बाहर निकलने से पहले आप सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल भी करें. इसके इस्तेमाल से आप धूप के द्वारा होने वाली टैनिंग से बच सकते हैं. इसके साथ ही जब आप अपने घर पर वापस आएं तो भी चेहरे को फेसवॉश से जरूर साफ करें एलोवेरा नारियल तेल जैसी चीजों से मॉइश्चराइज भी करें.

शरीर की देखभाल

गर्मी के मौसम में अच्छे बॉडीवॉश का इस्तेमाल करना चाहिए जो आपकी त्वचा के पीएच लेवल को सही रख सके. इसके लिए आप अपने नहाने के पानी में नींबू नमक का इस्तेमाल करेंगे तो आपके लिए फायदेमंद होगा. इसके इस्तेमाल से पसीने की बदबू से भी निजात मिलेगी.

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा को ध्यान में रखते हुए मॉइश्चराइजर लेना चाहिए. अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो आपको ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर का प्रयोग करना चाहिए. ऐसा करने से आपको चेहरे पर पर दाने या मुहासे संबंधी समस्याएं नहीं होंगी.

जायफल से निखारे सुंदरता

आपने अब तक यही सुना होगा कि जायफल से खाने का स्वाद बढ़ जाता है और ये सेहत के लिए बहुत लाभप्रद होता है लेकिन आपको बता दें कि त्वचा के लिए भी जायफल के कई फायदे हैं। जायफल से बने फेस पैक से स्किन की कई परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। भारतीय व्यंजनों में जायफल का इस्तेमाल खूब किया जाता है और आपको जानकर हैरानी होगी कि बेदाग और सुंदर त्वचा पाने का जायफल सबसे असरकारी तरीका है। जी हां, आपके मसालों का एक भिन्न हिस्सा जायफल आपकी खूबसूरती को भी निखारने में मदद कर सकता है। यहां हम आपको स्किन के लिए जायफल से तैयार फेस पैक बनाने की विधि और फायदों के बारे में बता रहे हैं।

जायफल के पोषक तत्व

जायफल में मैग्नीशियम, मैंगनीज और कॉपर के अलावा विटामिन बी1 और बी6 होता है। ये सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। जायफल से त्वचा के गहरे दाग-धब्बे, पिगमेंटेशन, सनबर्न जैसी त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है।

जायफल, शहद और दालचीनी

दो चम्मच जायफल का पाउडर, दो चम्मच शहद और दो चम्मच दालचीनी का पाउडर लें। इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर के चेहरे पर तीस मिनट के लिए लगाएं। इससे स्किन के रोमछिद्र अंदर से साफ होते हैं। चेहरे से धूल-मिट्टी हटाने और गंदगी को साफ करने के लिए हफ्ते में तीन बार ये पैक लगा सकते हैं।

जायफल और दूध

एक चम्मच जायफल का पाउडर लें और उसमें एक चम्मच कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 30 मिनट तक लगाएं और फिर ठंडे पानी से इसे धो लें। जायफल और दूध रोमछिद्रों को खोलते हैं और स्किन पर चमक लाते हैं।

गला बैठने की समस्या से तुरंत राहत दिलाने के उपाय

गला बैठना कोई गंभीर समस्या नहीं है और सर्दी-जुकाम में यह समस्या होना आम बात है जो कुछ दिनों बाद खुद से ठीक भी हो जाती है लेकिन अगर आप किसी ऐसे प्रोफेशन में हैं जहां बिना बोले काम नहीं चलने वाला तो ऐसे में इसे दूर जल्द से जल्द दूर करने का उपाय आपको पता होना चाहिए, जिसके बारे में आज हम जानेंगे।

अदरक : इस समस्या को दूर करने के लिए आप अदरक का इस्तेमाल करें। अदरक के ऊपर नमक और नींबू लगाकर इसे मुंह में रखें जिससे इसका रस धीरे-धीरे गले में जाएगा और इस समस्या से राहत दिलाएगा। दूसरा तरीका है दूध में अदरक को कद्दूकस कर या टुकड़े कर डालकर उबालें और थोड़ा ठंडा हो जाने पर पिएं। इसके अलावा अदरक की चाय पीना भी फायदेमंद होता है।

नमक का पानी : ये नुस्खा नया नहीं लेकिन बेहद कारगर है। दिन में कई बार नमक मिले पानी से गरारे करें जिसका असर आपको कुछ इस्तेमाल के बाद ही नजर आने लगेगा। गर्म पानी गले के अंदर की सूजन को कम करता है और नमक में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो इंफेक्शन दूर करने में असरदार होता है।

काली मिर्च : इस समस्या को जल्द ठीक करने में काली मिर्च भी है बेहद असरदार। इसके लिए 1 चम्मच शहद में 1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर मिलाएं और दिन में 2 से 3 बार इसका सेवन करें। दूसरा ऑप्शन है, गर्म पानी में 1 चम्मच काली मिर्च पाउडर और आधा नींबू का रस मिलाएं। दिन में 2 बार पीएं।

नींबू : गला ठीक करने लिए 1 कप गुनगुने पानी में 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। दिन में कम से कम 2-3 बार पिएं। जो बहुत जल्द असर करता है।

भांप लेना : किसी गहरे बर्तन में पानी उबालें। इसमें लैवेंडर तेल, कैमोमाइल तेल की कुछ बूंदें डालें। फिर इस पानी की भाप के ऊपर अपना चेहरा ले जाएं और ऊपर से तौलिया ढक लें। दिन में 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

आज की रेसिपी

मूंग दाल हांडवो

सामग्री :

■1 कप मूंग दाल,1 टेबल स्पून अदरक, 3-4 लहसुन की कलियां, 1/4 कप सूजी, 1/4 कप बेसन, 2 हरी मिर्च, 1 टी स्पून फ्रूट सॉल्ट, 5-6 कढ़ी पत्ता, 1 टी स्पून सरसों के बीज एक चुटकी हींग

विधि :

- एक ब्लेंडर लें और भीगी हुई मूंग दाल, अदरक और लहसुन डालें. इन्हें आपस में मिला लें.
- इसे बाउल में निकाल लीजिए.
- अब उसी बाउल में सूजी, बेसन, हरी मिर्च डालें.
- पकाने से पहले फ्रूट सॉल्ट डालें, मिलाएं और 10 मिनट तक भाप में पकाएं.
- तब तक एक छोटी कढ़ाई में तेल, करी पत्ता, राई और हींग डालें.
- जब हांडवो बनकर तैयार हो जाए तो इस तड़के को ऊपर से डालें और परोसें!